



आरत का राजपत्र



The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ४०] नई बिल्ली, शनिवार, अक्टूबर १, १९७७ (आश्विन ९, १८९९)

No. 40] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 1, 1977 (ASVINA 9, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संरूपा दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक भेदा आर्योग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 अगस्त 1977

स० पी०/1526-प्रश्ना० I--मारुति जाच श्रायोग में उप मचिव (प्रश्ना०) के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने पर केन्द्रीय मन्त्रिवालय मेवा के स्थायी ग्रेड I अधिकारी एवं भघ लोक मेवा श्रायोग के कार्यलिय में उप मचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री एन० के० प्रमाद की मंवाण 22-8-1977 के पूर्वाह्नि में मारुति जाच श्रायोग को मौपी जाती है ।

दिनांक 12 मिनम्बर 1977

स० पी०/2191-प्रश्ना० ॥1—मध्य लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा लवर्ग में परिवीक्षाधीन अनुभाग अधिकारी के पद में श्री पाम० बी० रे का न्याय पत्र 13 जूनार्द, 1977 ने अपग्रह से राष्ट्रपति द्वारा प्रत्यं स्वीकार किया जाता है।

प्रभान नाथ मुखर्जी, अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी) मध लो :- सेवा आयोग

1-266 जी० आई०/77

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर, 1977

श्रद्धा-पत्र

स० 1/4/77-प्रणालीन—नई दिल्ली, शनिवार, 20 अगस्त,
1977 का भारत का राजपत्र पृष्ठ संख्या 3665 पर प्रकाशित
निम्न अधिसचना :

“सं० 1/4/77-प्रशासन केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वाग श्रीमती मी० नारायणास्वामी, प्राई० ए० पम०, उप सचिव, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, को उसी आयोग के पद पर स्थानापन्न रूप से 25 जुलाई, 1977 की अपग्रह से श्रगते आदेश तक नियन्त्रित करते हैं।”

के स्थान पर कृपया पढ़िये :

“म० १/१/७७-प्रशासन केन्द्रीय मर्तकता आयुक्त एतद्
द्वारा श्रीमती सी० नारायणास्वामी आई० प० एस०,
उप मन्त्रिव, केन्द्रीय मर्तकता आयोग, को उभी आयोग
में निदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप से २५ जुलाई, १९७७
की श्रप्तात्मा से अग्रणी आदेश तक नियुक्त करते हैं।”

श्रीनिवास, श्रवर मचिव

गृह मन्त्रालय
महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय शौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110024, दिनाक 7 सितम्बर 1977

सं. ई०-38013 (3)/10/77-कार्मिक—झरिया मे
स्थानान्तरित होने पर, श्री नीलमणि ने 6 अगस्त, 1977 के

पूर्वाह्नि से के० औ० सु० ब० यूनिट बी० सी० सी० एल० झरिया
के महायक कमांटेट पद का कार्यधार सम्भाल लिया।

स्थी० भ० विष्ट, महानिरीक्षक
के० औ० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनाक 9 सितम्बर 1977

सं. 11/5/77-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों की, उनके नामों के सामने वर्णित जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालयों
में महायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नक्शे नियुक्ति की अवधि को तारीख 1-8-1977 से तारीख 30-9-1977 तक 2
माह की अवधि के लिए या जब तक उन पदों को नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, महर्य पढ़ाने हैं—।

श्रम सं०	नाम	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय	मुख्यालय	पिछली मञ्जूरी का सदर्भ
1	2	3	4	5
1	श्री आर० वाई० रेवाण्डो	कण्टक	बगलौर	सं. 11/4/76-प्रशा०-I तारीख 7-6-77
2	श्री डी० पी० चटर्जी	पश्चिम बंगाल	कलकत्ता	—यथोक्त—
3.	श्री आर० ई० चौधरी	महाराष्ट्र	बम्बई	—यथोक्त—
4.	श्री एम० पचापकेशन	तमिल नाडू	मद्रास	—यथोक्त—
5.	श्री आर० सी० भार्गव	राजस्थान	जयपुर	—यथोक्त—
6	श्री कें० एम० डे	असम	गोहाटी	सं. 11/4/76-प्रशा०-I तारीख 23-4-77
7.	श्री एच० एल० कल्ला	जम्मू और काशीर	श्रीनगर	—यथोक्त—
8.	श्री एस० के० स्वैन	उडीसा	कटक	—यथोक्त—
9	श्री जे० आर० विश्विष्ट	हरियाणा	चण्डीगढ़	—यथोक्त—
10.	श्री बी० सत्य नारायण	कण्टक	बगलौर	—यथोक्त—
11.	श्री आर० बी० सिह	बिहार	पटना	—यथोक्त—

दिनाक 12 सितम्बर 1977

सं. 11/10/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, पांजाब में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में महायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री के० सी० सूरी को तारीख 29 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्नि से छा० माह की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक, जो भी समय इनमें कम हो, महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में पूर्णत, अस्थायी और तदर्थ आधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्य नियुक्त करने हैं।

रा० भा० चारी, भारत के महापंजीकार
और पदेन संयुक्त मंचिव

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार, प्रथम मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनाक 8 सितम्बर 1977

क्रमांक प्रशा०सन-I/294—महालेखाकार, प्रथम मध्य प्रदेश श्री
पी० एस० खेडकर, (02/0221) स्थाई अनुभाग अधिकारी

को दिनाक 29-8-1977 पूर्वाह्नि से स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्य पदोन्नत करने हैं।

सं. प्रशा०/1/295—महालेखाकार प्रथम, मध्य प्रदेश, श्री के० रामचन्द्रन (02/0199) स्थाई अनुभाग अधिकारी को दिनाक 2-9-1977 पूर्वाह्नि से स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्य पदोन्नत करने हैं।

कृष्ण गोपाल, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०सन)

कार्यालय महालेखाकार, आध्र प्रदेश
हैदरगाबाद दिनाक सितम्बर 1977

श्री वै० विं० रमणराव लेखा अधिकारी महालेखाकार का कार्यालय, आध्र प्रदेश I/II में लेखा से निवृत्त हुए दिनाक 31-8-1977 अपग्रह्य।

एस० आर० मुखर्जी,
विष्ट उप महालेखाकार (प्रशा०सन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डेनेन्स फैक्टरिया सेवा

कलकत्ता-700016, दिनांक 29 अगस्त 1977

मा० 52/77/जी०—58 वर्ष के बाद दो महीने की सेवा पूर्वान्ति की स्थीरता की समाप्ति पर, श्री पी० वी० रामचन्द्रण, मौलिक एवं स्थायी महा प्रबन्धक (संलेक्षण ग्रेड) स्नरू दिनांक 30-4-1977 (आपात्काल) में सेवा निवृत्त हुए।

प्रभ० पी० आर० पिलाय,
महायक महानिदेशक आर्डेनेन्स फैक्टरिया

उद्योग मंत्रालय

श्रीद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त लघु उद्योग का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1977

मा० ए०-19018/238/76-प्रशासन " (राजपत्रित) — विकास आयुक्त लघु उद्योग के कार्यालय में उप निदेशक श्री विनोद लाल, भारतीय प्रशासनिक सेवा, को गट्टपति 1 मर्ड, 1977 से 25 अक्टूबर, 1977 अवधि वह पद के नियमित रूप में भरे जाने में से जो भी पहले हो, तक की अवधि के लिए लघु उद्योग विकास मण्डल में निदेशक (ग्रेड 1) (जी० ए० डी०) नियुक्ति करते हैं।

2. इस नियुक्ति के परिणाम स्वरूप श्री विनोद लाल ने नई दिल्ली स्थित विकास आयुक्त, लघु उद्योग के कार्यालय में 1 मई, 1977 के पूर्वान्ति में उप निदेशक का कार्यभार त्याग कर उमी कार्यालय में 1-5-1977 के पूर्वान्ति में नियमित (ग्रेड 1) (जी० ए० डी०) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

मा० ए०-19018/292/77-प्रशासन (राजपत्रित) — राष्ट्रपति खाद्य विभाग में खाद्य व पोषाकार विस्तार अधिकारी श्री जय मिहंको 1 जुलाई, 1977 से एक वर्ष की अवधि या नियमित रूप से उप निदेशक (खाद्य) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

2. उनकी नियुक्ति के परिणाम स्वरूप श्री जय मिहंक ने लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली में 1 जुलाई, 1977 के पूर्वान्ति से उप निदेशक (खाद्य) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

वी० वेंकटगायलु, उप निदेशक
(प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा 1)

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1977

मा० प्र० 1/1(299) — स्थायी निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड 1) श्री ए० डी० शर्मा जो पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के रूप में कार्य कर रहे थे दिनांक 31 अगस्त, 1977 के अपराह्न से निवर्तमान ग्रायु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

1977 (आश्विन 9, 1899)

4375

दिनांक 9 सितम्बर 1977

मा० प्र०-1/1(86) — पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में आयी उप निदेशक और स्थानापन्थ निदेशक (प्रगति) श्री अरदमन सिंह दिनांक 31 अगस्त, 1977 के अपराह्न से निवर्तमान ग्रायु (58 वर्ष) के पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

कीरत सिंह, उप निदेशक (प्रगति) कृत महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1977

मा० ए०-19012/97/77-स्था० ए० — श्री कै० ए० ए० बेदी, स्थायी सहायक भडारी (तकनीकी) तथा स्थानापन्थ भडारी (तकनीकी) ग्रेड II को दिनांक 19 अगस्त, 1977 के अपराह्न में आगामी आदेश होने तक भारतीय खान व्यूरो में वर्ग "ब" के पद में तर्दा आधार पर सहायक भडार अधिकारी के पद पर पदोन्नति की जाती है।

एल० सी० रणधीर
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 9 सितम्बर 1977

मा० ए०-19011(217)/77-स्था० ए० — राष्ट्रपति श्री कन्हैया लाल को 11 अगस्त, के पूर्वान्ति से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान व्यूरो में कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर स्थानापन्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

एल० सी० रणधीर
कार्यालय अध्यक्ष
कृत नियमित

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 8 सितम्बर 1977

मा० गो० 5269/पी० ए०क० (बी०ए०रतन) — कै० मि० से० (व० नि० ए० ग्र०) नियम 1965 के अधीन अनुशासनात्मक कार्रवाई के परिणामस्वरूप श्री वी० ए० रतन, अधिकारी सर्वेक्षक, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, को 21 जुलाई, 1977 पूर्वान्ति से सरकारी सेवा से अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्त किया जाता है।

कै० एल० खोसला, मेजर जरनल
भारत के महासर्वेक्षक

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 7 सितम्बर 1977

मा० ए०क० 104/1/73-स्था०पना०/21067 — भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के निम्नलिखित अस्थाई सहायक प्रणि विज्ञानियों को

24 जनवरी, 1976 मेरू मौलिक आधार पर महायक प्राणि विज्ञानी के पद पर नियुक्त किया जा रहा है :

1. श्री आर० प० चौधरी
2. श्री डी० पी० सन्याल
3. श्री एन० के० मित्ता

दिनांक 8 सितम्बर, 1977

स० ए० 72-2/74-स्थापना/21120—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के अन्तर्गत तदर्थे आधार पर महायक प्राणि विज्ञानी के पद पर कार्य कर रहे निम्नलिखित वरिष्ठ प्राणि विज्ञान महायकों को उसी विभाग मे स्थाई आधार पर महायक प्राणि विज्ञानी के पद पर कार्य करने के लिए 11 अगस्त, 1977 मे रु 650-1200 रुपये के बेतन मात्र में आगामी आदेशों तक नियुक्त किया जा रहा है ।

1. श्री बी० नन्दी
2. श्री आर० के० मित्ता

डा० टी० एन० अनन्तकृष्णन, निदेशक
भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

स्वास्थ्य मेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर, 1977

शुद्धि-पत्र

स० ए० 12025/9/76-(के० स० स्वा० यो०) प्रशासन-1— केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना मे दल शन्य विकित्सक के पद पर डा० (श्रीमती) रमा भाटिया की नियुक्ति के सम्बन्ध मे, इस निदेशालय की दिनांक 2 सितम्बर, 1976 की अधिसूचना मध्या ए० 12025/9/76 (के० स० स्वा० यो०) प्रशासन 1 मे “आगामी आदेशों तक प्रस्थायी आधार पर” शब्दों के स्थान पर “आगामी आदेशों तक तदर्थे आधार पर” पढ़ें ।

स० ए० 12025/24/76-प्रशासन 1—राष्ट्रपति ने डा० बन्दी निशा गमना को 19 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय सचारी रोग स्थान, दिल्ली मे अनुमधान अधिकारी (पशुचिकित्सा) के पद पर स्थानप्रद रूप मे नियुक्त किया है ।

स० ए० 31013/1/77-के० अनु० स०, प्रशासन-1— राष्ट्रपति ने डा० के० आर० भारद्वाज को 16 दिसम्बर, 1976 से केन्द्रीय अनुमधान स्थान, कसौली मे पशु निकित्सा अधिकारी के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है ।

स० ए० 32014/7/77-(ए० आई० आई० पी० ए० आर०) प्रशासन-1—स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने श्रीमती ए० ए० औकर को श्री जी० टी० माटा की अवकाश रिक्ति मे 4 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से 4 अक्टूबर, 1977 अपराह्न तक अधिल भारतीय भीतिक चिकित्सा और पुनर्वासि संस्थान, बम्बई के व्यावसायिक निवेशन विभाग मे चीफ के पद पर नियुक्त किया है ।

मूर्ज प्रकाश जिंदल,
उप निदेशक प्रशासन

7 (आश्विन 9, 1899)

[भाग II—खण्ड 1]

नई दिल्ली, दिनांक 26 अगस्त 1977

स० 9-31/75-के० स० स्वा० यो०-1—प्रपता त्यागपत्र मजूर हो जाने के फलस्वरूप डा० धर्मवीर आयुर्वेदिक-कार्य-चिकित्सक ने 11-8-77 अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, भैरव मे आयुर्वेदिक-कार्य-चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है ।

स० ए० 11017/5/76-के० स० स्वा० यो०-1—स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने डा० के० एन० पाठक को 17 फरवरी, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कलकत्ता मे आयुर्वेदिक कार्य-चिकित्सक के पद पर तदर्थे आधार पर नियुक्त किया है ।

स० ए० 19019/28/77-के० स० स्वा० यो० 1—स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) एम० एस० रीठा को 4 अगस्त, 1977 अपराह्न मे केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली मे आयुर्वेदिक कार्य-चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है ।

स० ए० 19019/30/77-के० स० स्वा० यो० 1—स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने डा० (कुमारी) उल्का दातार को 25 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, इलाहाबाद मे आयुर्वेदिक कार्य-चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है ।

स० ए० 19019/36/77-के० स० स्वा० यो० 1—स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने डा० ज० ज० के० अस्थाना को 3-8-77 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली मे होम्यो-पैथिक कार्य-चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है ।

स० ए० 19019/42/77-के० स० स्वा० यो० 1—स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने डा० सुर्दर्शन सिह को 16-8-77 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर मे होम्यो-पैथिक कार्य-चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है ।

स० ए० 19019/43/77-के० स० स्वा० यो० 1—स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने डा० के० एन० राधाकृष्णन नायर को 11-8-77 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मद्रास मे होम्यो-पैथिक कार्य-चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है ।

एन० एस० भाटिया
उप निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

नाभिकीय इंधन समिक्षा

हैदराबाद-500762, दिनांक 3 सितम्बर 1977

स० पो० ए० आर०/0705/2208—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय इंधन समिक्षा, श्री जे० मुर्यनारायण राव, महायक

लेखाकार को 26-6-1977 से 25-8-1977 तक की अवधि के लिए नामिकीय इंधन ममिमश, हैदरगाबाद में सहायक लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

यू० वासुदेव राव
प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु विद्युत घर

तारापुर-401504, दिनांक 6 अगस्त 1977

म० टी० ए० पी० ए०/१/१८(३)/७७-आर०—इस विभाग के तारापुर परमाणु विजली घर के मुख्य अधीक्षक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के एक स्थायी निम्न श्रेणी निपिक एवं स्थानापन्न सहायक श्री जी० ए० कौलगुड़ को सर्वग्र प्राधिकरण द्वारा उनकी तैनाती की जाने पर, तारापुर परमाणु बिजली घर में, 30 जून, 1977 के पूर्वाह्न से प्रगल्प आदेश होने तक, अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी की नियुक्त करते हैं।

डी० वी० मार्काने
मुख्य प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विभाग मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 9 मित्तम्बर 1977

ग० ई० (1) 07161—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक, श्री ओकारी प्रसाद को 16-8-77 के पूर्वाह्न से 11-11-77 तक अट्ठासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वे पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री ओकारी प्रसाद, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

गुरुमुख राम गुप्ता
मौसम विज्ञानी
छत्ते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विभाग का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1977

स० ए० 32013/7/75-ई० ए०—गट्टपति ने निम्न लिखित अधिकारियों की नागर विभाग विभाग में विभान्न केन्द्र अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ पदोन्नति की अवधि 1 जुलाई, 1977 से 6 मास के लिए या पदों के नियमित

रूप में भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो और बढ़ा दी है।

क्रम नाम तैनाती स्थेशन
स०

सर्वश्री

- जै० ए० ग्राम पौरों के० गर्भा मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास
- ए० पी० जैन सफदरजग एयरपोर्ट, नई दिल्ली
- अमीर चन्द चण्डीगढ़

मुरजीत लाल खण्डपुर
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1977

म० ए० 32013/1/77-ई० सी०—इस विभाग के तारीख 14 जून, 1977 की अधिसूचना सख्ता ए० 32013/1/77-ई० सी० के० क्रम से राट्रपति ने क्षेत्रीय कार्यालय, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास के० श्री ए० जयरमन, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी की तदर्थ नियुक्ति की अवधि श्री वी० के० बाबू वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी जिनकी छुट्टी बढ़ा दी गई है के० स्थान पर 30-6-77 से 30-8-77 तक बढ़ा दी है।

म० ए० 38012/1/77-ई० सी०—निवन्ति आगु प्राप्त करनेवे के परिणामस्वरूप प्यर्गकारी मंदिर नियुक्त हो जाने पर नागर विभाग विभाग में वैमानिक सचार मगठन के निम्नलिखित अधिकारियों ने 31-7-1977 (अपराह्न) आगे पद का कार्यभार त्याग दिया है—

क्रम नाम और पदनाम तैनाती स्थेशन
स०

- श्री जी० गोविन्दास्यामी, नियतक 'केन्द्रीय रेडियो भडार शिपो, नई दिल्ली।
- श्री ए० के० चन्द्रा, वरिष्ठ क्षेत्रीय सचार नियतक, कलकत्ता एयरपोर्ट, दमदम, कलकत्ता।

प्रेमचन्द जैन,
सहायक निदेशक प्रशासन

निरीक्षण और लेखा परीक्षा निदेशालय,

सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पादक शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1977

स० 11/77—श्री टी० वी० माहाराम ने, जो पहले गजस्व आमूचना निदेशालय, नयी दिल्ली में सहायक समाहर्ता के पद पर काम कर रहे थे, छुट्टी से वापस आने पर निरीक्षण और लेखा परीक्षा निदेशालय के नयी दिल्ली स्थित मुख्यालय में दिनांक 31-8-77 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पादक शुल्क) शुप-ए, का कार्यभार सम्भाल लिया है।

मु० वेकटरामन्, निरीक्षण निदेशक

नारकोटिका विभाग

खालियर, दिनांक 8 सितम्बर 1977

म० 1—चिन्तौदगड़—[प्रभाग में स्थानान्तरण पर, श्री वी० तीरथ, जिला अधिकारी ने 9 फरवरी, 1977 के पूर्वाह्न में खालियर में अधीक्षक (कार्यपालक) का कार्यभार सभाल लिया।

म० 2—वरेनी से स्थानान्तरण पर श्री वी० पी० माधुर जिला अधीक्षक अधिकारी ने 1 अप्रैल, 1977 के प्रपराह्न में जिला अधीक्षक अधिकारी, ताराबकी का कार्यभार सभाल लिया।

म० 3—बाराबकी-II प्रभाग से स्थानान्तरण पर श्री एन० जी० भट्टनागर, जिला अधीक्षक अधिकारी ने 2 अप्रैल, 1977 के अपराह्न में जिला अधीक्षक अधिकारी, फैजाबाद का कार्यभार सभाल लिया।

म० 4—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क गमाहनालिय, नागपुर से स्थानान्तरण पर श्री एच० पी० शाही, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क गम्भृत 'ख', ने 8 जूलाई, 1977 के पूर्वाह्न, में जिला अधीक्षक अधिकारी, मनामा का कार्यभार सभाल लिया।

म० 5—केन्द्रीय उत्पादनशुल्क, गमाहनालिय, नागपुर से स्थानान्तरण पर श्री एन० एल० निवारी, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क भम्हृत 'ख' ने 11 जूलाई, 1977 के पूर्वाह्न में जिला अधीक्षक अधिकारी, नीमच प्रथम प्रभाग का कार्यभार सभाल लिया।

म० 6—ब्रिनिज गवेषण निगम निं०, नागपुर से पदोन्नति तथा स्थानान्तरण पर श्री आर० एन० निवारी, हिन्दी अनुवादक ने 18 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न में हिन्दी, अधिकारी, केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्लू०, खालियर का कार्यभार सभाल लिया।

म० 7—नियुक्ति होने पर श्री विक्रम तीरथ, अधीक्षक (कार्यपालक) ने 8 अगस्त 1977 के पूर्वाह्न में ग्राम्यचना अधिकारी, ताराबकी आयुक्त, खालियर का कार्यभार सभाल लिया।

म० 8—नीमच प्रथम प्रभाग से स्थानान्तरण पर श्री जे० एस० श्रेवान, जिला अधीक्षक अधिकारी ने 16 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न में जिला अधीक्षक अधिकारी, प्रतापगढ़ का कार्यभार सभाल लिया।

एम० एल० वधावन, नारकोटिक्स आयुक्त

निमाण, आवास, पूर्ति एवं पुनर्वासि मत्वालय

(पुनर्वासि विभाग)

मुख्य यात्रिक अभियता का कार्यलिय

पुनर्वासि भूमि उद्धार सगठन

जेपुर-764003 (उडीगा), दिनांक 8 सितम्बर 1977

म० पी० एफ०/जी०/८३-३२६३८ पी०—प्रपते आवेदन दिनांक 10-५-1977 द्वारा दिये गये व्याग-पत्र की ग्वीतृति के परिणामस्वरूप श्री राम प्रकाश चन्द्र ने पुनर्वासि भूमि उद्धार सगठन के एफ० एम० य०-१४, हट्टेवे (लिटिल अंडमान) मे

सहायक अभियता के पद-भार को 2 अगस्त 1977 के अपराह्न में छोड़ दिया।

म० पी० 3/1-३२६५७ पी०—हस कार्यालय की अधिसूचना म० पी० 3/1 दिनांक 1 मार्च 1977 के अम में श्री ए० गोपाल राव का सहायक अभियता (वर्ग बी) के पद पर ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० र००-३५-८८०-४०-१०००-द० र००-४०-१२०० रुपये के वेतनमान में पुनर्वासि भूमि उद्धार सगठन के डिलिंग मब डिवीजन, पतालय और जिला बोलागीर (उडीगा) में नदर्थ स्थ पर हुई नियुक्ति को १-९-७७ के पूर्वाह्न से २८-२-७८ तक की ६ महीने की और अवधि के लिये, या नियमित आधार पर पद के भरे जाने तक, इन में जो भी पहले हो, पुनः बढ़ाया जाता है।

एम० पट्टनाथक, ल०० कर्नल (ग्रिटायर्ड) मुख्य यात्रिक अभियता

केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 28 अगस्त 1977

ग० ६/३/७७-प्रशासन-२—अध्यवधा, केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत् इन्जीनियरी श्रेणी-२ सेवा में श्रान्तिग्रिवत महायक निदेशक/महायक अभियता के ग्रेड मं. उनके नामों के मामते दी गई तिथि से अन्य आदेश होने तक स्थानान्तरण अमता में नियुक्त करते हैं—

१ श्री एम० आर० दत्ता

11-4-77

२ श्री बलवन्त शिंह

16-7-77

मतोप विश्वाम, अवर सचिव

विधि व्याय और कम्पनी कार्य सक्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यलिय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पदभा वर्धन एंड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-६, दिनांक 7 सितम्बर 1977

म० ५६७०/५६०(५)/७७—कम्पनी आधारनयम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पदभा वर्धन एंड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आस्ट्रन रोलिंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-६, दिनांक 7 सितम्बर 1977

म० ५९१७/५६०(५)/७७—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आस्ट्रन रोलिंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया और उक्त कम्पनी विधिटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री बेकटेश्वरा पलक एण्ड बोर्ड मिल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 7 मितम्बर 1977

म० 6173/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एन्टद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री बेकटेश्वरा पलक एण्ड बोर्ड मिल प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और काम्प्रहनसीब इजिनियरिंग मर्कीमस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 8 मितम्बर 1977

म० 5682/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एन्टद्वारा सूचना दी जाती है कि काम्प्रहनसीब इजिनियरिंग मर्कीमस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सर्वमग्ना टेक्नो मर्कीमस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 8 मितम्बर 1977

म० 6260/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एन्टद्वारा सूचना दी जाती है कि सर्वमग्ना टेक्नो सर्वीसस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

केंपंचापकेशन, महायक रजिस्ट्रार
मद्रास

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स साभर इलैक्ट्रिक मालाई कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, साभरलेक के विषय में।

जयपुर, दिनांक 1 मितम्बर 1977

म० मार्कियकी/30/7450—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एन्टद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स साभर इलैक्ट्रिक मालाई कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड साभरलेक का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स मिनकार्प प्राइवेट लिमिटेड, 31, गगवाल पार्क, जयपुर के विषय में।

जयपुर, दिनांक 9 मितम्बर 1977

म० मार्कियकी/1106/7607—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एन्टद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स मिनकार्प प्राइवेट लिमिटेड, 31, गगवाल पार्क, जयपुर का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स अशोक प्रिट्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-5, कातीनगर, जयपुर के सम्बन्ध में।

जयपुर, दिनांक 9 मितम्बर 1977

म० मार्कियकी/1153/7611—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एन्टद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर मैसर्स अशोक प्रिट्स प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किये गये तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

रामकृष्णल कुरील, रजिस्ट्रार
राजस्थान, जयपुर

कार्यालय आयका आयुक्त आयकर विभाग (1)

नई दिल्ली, दिनांक 23 मार्च 1977

म० ओ० एड सी०-१/पट्टि०/डी०-१/प०/७५-७६/४८१०२—नीचे उन निर्धारितियों के नामों की सूची दी गई है जिनका वित्तीय वर्ष १९७५-७६ के दौरान (क) व्यक्ति अथवा हिन्दू अविभाजित परिवार होने के नामे १ लाख रुपए से ऊपर की आय पर तथा (ख) फर्म, व्यक्तियों का संगम या कपनी होने के नामे १० लाख रुपए से ऊपर की आय पर कर-निधारण हुआ है। (एक) मे 'आई०' व्यक्ति की हैमियत का 'एच०' हिन्दू अविभक्त परिवार तथा 'मी०' कपनी का सूचक है (दो) में वार निधारण वर्ष (तीन) में विवरणी में दिखाई गई आय (चार) में कर-निर्धारित आय (पाँच) में निर्धारिती बाग देय कर तथा (छह) में निर्धारिती बाग दिया गया कर बताया गया है।

(1) २२-००७-पी० अन०-४६९९, बसीधर सी०/ओ० डी० सी० एम० प्रेमिमिस, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली (एक) आई० (दो) १९७३-७४ (तीन) २,००,३९० (चार) २,०९,२५४ (पाँच) १,६०,८४२ (छह) १,६१,६६३ (२) २२-००७-पी० जेड०-४७०१, बिरमो देवी सी०/ओ० डी० सी० एम० प्रीमिमिस, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली (एक) आई० (दो) १९७३-७४ व १९७४-७५ (तीन) २,३३,२२० और २,२८,०५० (चार) २,३३,११० व २,२८,०५० (पाँच) १,८४,१६६ आई० १,७९,२१९ (छह) १,८६,५६९ और १,८८,६६८ (३) २२-००७-पी० अन०-४७००, भगत राम सी०/ओ० डी० एम० प्रीमिमिस, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली (एक) आई० (दो) ७३-७४ व ७४-७५ (तीन) १,८५,०८० आई० १,८५,०८० (चार) १,९६,७४० व १,८६,९५० (पाँच) १,४८,८०३ व १,३९,७९४ (छह) १,४९,४७८ आई० १,४०,५५१ (४) २२-००७-पी० अन०-५८२६, बी० डी० पाठक सी०/ओ० श्री राम रैयनस, बाड़ा खवा गोड, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) ७०-७१ व ७३-७४ (तीन) २,०८,२३७ व १,०६,५५६ (चार) २,०८,४३० व १,०६,५६० (पाँच) १,३५,७९६ व ६५,८३४ (छह) १,४२,७९४ व ६५,८३४ (५) ४१८-बी०, बाऊज

मार्किल सी०/श्र० टेक्निप, ई०-23, डिफेस कालोनी, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 1975-76 (तीन) 1,22,440 (चार) 1,22,440 (पाँच) 70,882 (छह) 70,882 (6) 484-वी०, बार्डडर निको मौर्गिस सी०/श्र० टेक्निप, ई०-26, डिफेस कालोनी, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 1975-76 (तीन) 1,10,130 (चार) 1,40,730 (पाँच) 84,965 (छह) 84,965 (7) 22-007 पी० क्य०-4711, चरन राम सी०/श्र० डी० सी० एम० प्रीमीगम, बाड़ा हिन्दू राब, दिल्ली (एक) आई० (दो) 1973-74 (तीन) 1,83,187 (चार) 1,80,320 (पाँच) 1,33,695 (छह) 1,34,314 (8) 22-007-सी० टी०-4355, कान्टीनेन्टल डिवाइस (पी०) नि० नगरयाणा इन्डस्ट्रियल एग्रिया, नई दिल्ली (एक) सी० (दो) 1973-74 (तीन) 10,27,380 (चार) 10,29,507 (पाँच) 5,94,543 (छह) 5,94,468 (9) 282-सी०, चर्चिल इनियल सी०/श्र० ए० एस० पी० पुरी एड क०, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 1975-76 (तीन) 1,09,740 (चार) 1,09,740 (पाँच) 61,103 (छह) 61,103 (10) 22-021-पी० टी०-8961, क्लाइ वेनरम सी०/श्र० टेक्निप, ई०-23, डिफेस कालोनी, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 1973-74 (तीन) 1,03,930 (चार) 1,03,930 (पाँच) 63,415 (छह) 63,415 (11) 22-010-पी० बी०-1956/7, छैन बिहारी लाल, 3, जमुना रोड, दिल्ली (एक) आई० (दो) 1973-74 (तीन) 1,01,406 (चार) 1,01,810 (पाँच) 54,659 (छह) 57,603 (12) 22-018-पी० जेड०-5959, डिलाने बनड़ि सी०/श्र० एम० पी० पुरी एड क० नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 1973-74 (तीन) 1,07,336 (चार) 1,07,336 (पाँच) 66,552 (छह) 66,552 (13) 22-021-पी० बी०-8876, इनियल विग्नाज सी०/श्र० टेक्निप, ई०-23, डिफेस कालोनी, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 1974-75 (तीन) 1,37,075 (चार) 1,37,075 (पाँच) 94,904 (छह) 94,904 (14) पी० टी०-2978-स०-15, जी० क० खाना, सी०/श्र० हांटल श्रीबराय, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 1972-73 व 1973-74 (तीन) 94,512 व 1,05,017 (चार) 1,11,580 व 1,11,110 (पाँच) 70,453 व 64,415 (छह) 60,533 व 64,415 (15) 22-020-पी० जेड०-3424, एन० सी० जैन 12/श्री०/4 उत्तरी मार्ग नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 1973-74 (तीन) 98,836 (चार) 1,20,710 (पाँच) 78, 552 (16) 22-007-पी० जेड०-5429 हरीश कुमार अग्रवाल 40-42, जनपथ, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 1975-76 (तीन) 1,82,150 (चार) 1,82,685 (पाँच) 1,17,269 (छह) 11,72,69 (17) पी० एन०-5148 हिन्दुस्नान हृतर्गंगा फैक्टरी नि०, जगपुरा, नई दिल्ली (एक) सी० (दो) 1973-74 (तीन) 13,47,651 (चार) 29,30,105 (पाँच) 16,85,988 (छह) 16,99,210 (18) सी० टी०-5747 हिन्दुस्नान इन्सेफ्टीसाइडल्स, हस भवन, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 1973-74 (तीन)

4,56,729 (हानि) (चार) 14,70,940 (पाँच) 6,69,205 (छह) (19) 22-014-पी० एन०-4476/श्र० एल० आई०/एम० सी० एच० एच० मुख्यालय मिह, बी०-90-ए०, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 1973-74 (तीन) 1,57,152 (चार) 1,59,155 (पाँच) 1,26,045 (छह) 1,26,045 (20) 22-007-सी० जेड०-5436, इन्डो पूरोपियन मशीनरी क० कूचा चांदनी चौक, दिल्ली (एक) सी० (दो) 1973-74 (तीन) 16,42,640 (चार) 20,35,654 (पाँच) 14,73,937 (छह) 11,10,119 (21) 22-007-सी० वाई०-5451, ईश्वर इन्डस्ट्रीज लि० पी० श्र० ईश्वर नगर, नई दिल्ली (एक) सी० (दो) 1973-74 (तीन) 9,31,800 (चार) 12,28,981 (पाँच) 7,44,948 (छह) 5,33,100 (22) 22-007-सी० बी०-4753, जोन आके एड सोहन लि०, 8, चाबीगज, कण्ठमीरी गेट, दिल्ली (एक) सी० (दो) 1973-74 (तीन) 12,23,826 (चार) 12,90,120 (पाँच) 7,43,664 (छह) 7,38,942 (23) 22-007-पी० एन०-65-34/सी० ए० जै० सी० चन्द्रोक, 41-एल०, कनाट सर्कम, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 1973-74 (तीन) 1,04,020 (चार) 1,09-820 (पाँच) 67,857 (छह) 45,000 (24) 22-007-पी० टी०-5161, कृष्ण बस बहादुर, 46, जनपथ, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 1973-74 (तीन) 1,17,937 (चार) 1,17,937 (पाँच) 76305 (छह) 76305 (25) 463-एम, मोरटोरनिल हेनरिल सी०/श्र० एस० पी० पुरी एड क०, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 1975-76 (तीन) 1,33,570 (चार) 1,33,570 (पाँच) 79,451 (छह) 79,451 (26) 22-007-सी० वाई०-5024, मोटर एड जन० फाईनेस लि० आसफ श्री० रोड, नई दिल्ली (एक) सी० (दो) 1963-64 (तीन) 38,46,913 (चार) 38,51,320 (पाँच) 1,889,708 (छह) 18,87,506 (27) 22-007-सी० बी०-5292, नेसटारलस होल्डिंग्स लि० 517-ए० कनाट प्लेस, नई दिल्ली (एक) सी० (दो) 1974-75 (तीन) 11,22,410 (चार) 11,22,410 (पाँच) 8,24,970 (छह) 8,24,970 (28) 22-014-पी० एन०-3419, निरेन डे 34, औरंगजेब रोड, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 1973-74 (तीन) 3,33,500 (चार) 3,37,282 (पाँच) 2,85,990 (छह) 2,80,125 (29) 22-007-सी० टी०-5678 पर्स माइक्रो इन्ड० लि० डारा आफिस लिकवीडेटर, 16, रिंग रोड, नई दिल्ली (एक) सी० (दो) 1967-68 से 70-71 (तीन) 5,95,190 (हानि) व 97,0000 (हानि) (चार) 10,00,000 ; 12,00,000, 12,50,000 व 37,50,000 (पाँच) 6,83, 853, 7,95,802, 9,52,437, 11,15,370 (छह) -1-1-एड-(30) 22-017-पी० एन०-3106/श्र० एल० आई०/पी० एम० सी०-7, प्रेम पोधी 17, पालियामेट स्ट्रीट, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 1973-74 (तीन) 1,05,880 (चार) 1,05,880 (पाँच) 59,033 (छह) 59,033 (31) 22-007-सी० एम०-5067/14 फिलिप्स वेट्रोलियम

इटरनेशनल, कनाट प्लेस, नई दिल्ली (एक) सी (दो) 1973-74 (तीन) 27,09,975 (चार) 22,89,094 (पांच) 19,66,460 (छह) 7,64,645 । (32) 359 आर० रोशे फरासिस सी/ओ एस० पी० पुरी एंड क० नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 1975-76 (तीन) 1,30,980 (चार) 1, 30,980 (पांच) 77,458 (छह) 77,458 । (33) 22-007-सी० जेड०-4806/14 राबेक्सी लेबोरेटरी (पी) लि० 72, ओखला, नई दिल्ली (एक) सी (दो) 1972-73 (तीन) 18,29,886 (चार) 20,08,652 (पांच) 11,84,070 (छह) 11,03,253 । (34) 22-010-एफ० टी० 1996/15, रमानन्द जैन सी/ओ जैन आर्द्दस, हौज काजी, दिल्ली (एक) आई० (दो) 1973-74 (तीन) 99,980 (चार) 1,18,597 (पांच) 76,910 (छह) 58,016 । (35) 22-010-पी० टी०-1711, एस० आर० जैन सी/ओ जैन आर्द्दस, हौज काजी दिल्ली (एक) आई० (दो) 1973-74 (तीन), 75,710 (चार) 105,039 (पांच) 71,492 (छह) 50,435 । (36) 22-019-पी० क्य०-6996, एस० आर० रसलर सी/ओ एम-98, मेटर कैलाश, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 1975-76 (तीन) 2,41,979 (चार) 2,41,979 (पांच) 1,62,919 (छह) 1,62,919 (37) 22-00-आर० टी०-0885 सुशील कुमार डालमिया, कटरा काशीनाथ खारी दिल्ली (एक) आई० (दो)

1975-76 (तीन) 1,10,720 (चार) 1,10,720 (पांच) 61,857 (छह) 60,340 (38) 22-007-पी० क्य०-6164 एस० रतनम सी/ओ डी० सी० एम० प्रीमिसस बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली (एक) आई० (दो) 1975-76 (तीन) 1,09,056 (चार) 1,09,056 (पांच) 60,576 (छह) 60-595 । (39) 22-007-पी० एक्स०-4827 श्रीधर सी/ओ डी० सी० एम० प्रीमिसस बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली (एक) आई० (दो) 73-74 (तीन) 1,87,390 (चार) 1,88,600 (पांच) 1,41,312 (छह) 1,41,720 । (40) 22-007-पी० क्य०-4825, त्रिनय भरत राम सी/ओ डी० सी० एम० प्रीमिसस, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली (एक) आई० (दो) 73-74 व 74-75 (तीन) 1,42,240 व 1,43,500 (चार) 1,46,760 व 1,46,600 (पांच) 1,02,820 व 1,02,642 (छह) 1,02,820 व 1,18,026 । (41) 11-037-पी० क्य०-3394 डब्ल्य० आर० कोरिया सी/ओ बेकलाइट हाइलम लि० बम्बई (एक) आई० (दो) 75-76 (तीन) 1,36,350 (चार) 1,36,350 (पांच) 81,592 (छह) 81,700 । । (42) 22-021-पी० बी०-8937 विलियम बाईट सी/ओ-ए-4/2, बसत विहार, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 73-74 व 74-75 (तीन) 1,25,824 व 1,26,035 (चार) 1,25,824 व 1,26,035 (पांच) 83,555 व 83,752 (छह) 83,555 व 83,752 ।

दिनांक 21 अप्रैल 1977

स० श्रो० एंड सी०-1/प्रकाशन/287/बी-1/75-76/2062—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 287 की उपधारा

(1) तथा वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के दिनांक 3-6-69 के आदेश के अनुसार आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली लोकहित में उचित समझकर उन निर्धारितियों के नाम तथा अन्य विवरण प्रकाशित करते हैं, जिन पर वित्तीय वर्ष 1973-74 के दौरान कम से कम 5000/- की पेनल्टी लगाई थी।

क्रम संख्या लेखा स०/जी० आई० आर० स० म०	निर्धारिती का नाम व पता	हैमियत	निर्धारण वर्ष	लगाई गई पेनल्टी की राशि, रुपयों में
1	2	3	4	5
1. 22-014-पीजे०-4162 दिल्ली/एमसी	भानुप्रकाश सिंह डी-53, बसत विहार, नई दिल्ली	इडिविड्यूल	1967-68	8,340

दिनांक 19 जुलाई, 1977

स० श्रो० एंड सी०-1/प्रकाशन/डी-1/सी०/74-75/19438—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 287 की उपधारा

(1) तथा वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के दिनांक 9-6-69 के आदेश के अनुसार, आयकर आयुक्त, दिल्ली-1 नई दिल्ली लोकहित में उचित समझ कर उन निर्धारितियों के नामों का प्रकाशन करते हैं जो वित्तीय वर्ष 1974-75 के अंतिम दिन अर्थात् 31-3-75 को 25000/- रु० या अधिक के बकायादार हैं।

क्रम	निर्धारिती का नाम व पता	वे व्यक्ति जो 9 माह से अधिक किन्तु 1 वर्ष 3 माह और अधिशंकित 3 माह और इससे माह तक की अवधि 2 वर्ष 3 माह तक की अधिक की अवधि से से बकायादार है	वे व्यक्ति जो 1 वर्ष 3 माह और अधिशंकित 3 माह और इससे 2 वर्ष 3 माह तक की अवधि से बकायादार है।	वे व्यक्ति जो 2 वर्ष 3 माह और अधिशंकित 3 माह और इससे 2 वर्ष 3 माह तक की अवधि से बकायादार है।
1	2	3	4	5
1. मै० अफगान फूट क० इन्दिरा मार्केट, सज्जीमंडी, दिल्ली पी० ए० न० 22-007-पीएन-5715	.	--	--	1,64,968
2. मै० अविका फाइनेंस (पीवीटी) लि०, 10-चौ, कलपक गाड़, भद्रास	.	--	--	68,000

1	2	3	4	5
3.	मै० एकमे फाइनेन्स (पी) लि० (परिसमापनाधीन) मार्फत आफिसियल लिक्विडेटर, भारत स्काउट बिल्डिंग्स, रिंग रोड, नई दिल्ली	—	—	59,000
4.	मै० अशोका फाइनेन्स क० प्रा० लि० (परिसमापनाधीन) 10/5, पजाबी बाग, नई दिल्ली	—	—	53,000
5.	मै० एधेलपी फाइनेन्स (पी) लि०, सी-118, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली	—	—	30,000
6.	मै० चाद फाइनेन्स एड चिट फंड (प्रा०) लि०, द्वारा श्री यशपाल भसीन, एफ-41/वैस्ट पटेलनगर नई दिल्ली	—	—	2,18,000
7.	मै० ई० एस० प्यारे लाल (एचयूएफ) कशमीरी गेट, दिल्ली, पी० ए० ए० न० 22-007-एचटी-4397	—	—	3,45,600
8.	मै० ग्रीन ग्रुप एड फाइनेन्सरम एड चिट फंड(प्रा०) लि० मार्फत मै० एस० के० भडारी एड क०, सी० एस० एम०-132 कनाट सर्केस, नई दिल्ली	—	—	1,06,000
9.	स्वर्गीय डा० गुरुबक्स सिह, 15, औरंगजेब, रोड, नई दिल्ली	—	—	44,000
10.	डा० गुरुबक्स सिह एड सन्स (एचयूएफ) 15-औरंगजेब रोड, नई दिल्ली	1,83,000	—	4,000
11.	मै० इदर प्रथा फाइनेन्स एड चिट फंड, प्रा० लि० मार्फत श्री एम० सी० सुनेजा, एम-4ए, जगपुरा, भोगल, नई दिल्ली	—	—	1,80,000
12.	मै० इंटरनेशनल कम्पनीयल कार० प्रा० लि० 873, ईस्ट पार्क रोड, करोल बाग, नई दिल्ली	—	—	91,000
13.	डा० जे० धर्मा तेजा, एस-341, पचशील पार्क, नई दिल्ली	—	—	5,46,91,000
14.	मै० जे० एन० ए० इन्डस (प्रा०) लि० 8, पदमिनी एन्डलेब, नई दिल्ली	69,862	—	—
15.	कमल बस मर्विम (प्रा०) लि० कशमीरी गेट, नई दिल्ली	62,991	—	—
16.	कमल इलेक्ट्रोनिक्स (प्रा०) लि० ओरिजनल रोड, नई दिल्ली	—	—	33,712
17.	क० बी० त्रैहन मार्फत मै० ओमेगा मोटर्स(प्रा०) लि०, 1-ई-18, संडेवालान, एकम० नई दिल्ली	—	—	57,263
18.	कमल एड क० (जयपुर) (प्रा०) लि०, 24, अमारी रोड, दिल्ली	—	—	1,27,063
19.	मै० लोकमच (प्रा०) लि० दिल्ली	42,090	—	—
20.	मेहरोली वेहान ट्रायोर्ट क० (प्रा०) लि० (क०) महरोली नई दिल्ली	81,906	—	—
21.	माइल प्रेस (प्रा०) लि०, 6-ई, संडेवालान, नई दिल्ली	—	—	47,533
22.	मूनलाइट चिट फंड (प्रा०) लि० 267, आर० जे० मार्केट, चादनी चौक, दिल्ली	—	—	38,482
23.	नारफाक सिडीकोट (प्रा०) लि० एन-17, कनाट सर्केस, नई दिल्ली	—	—	91,215
24.	पालिसी होल्डर्स एसोसिएशन (प्रा०) लि० द्वारा आफिशियल लिक्विडेटर्स, नई दिल्ली	—	—	31,851

1	2	3	4	5
25.	मै० पेराडाइस फाफ्नेस चिट फड (प्रा०) लि०, ५३-५४, जी० बी० रोड, नई दिल्ली	—	—	30,459
26.	स्वर्गीय श्री पश्चा लाल गुप्ता, अजमेरी गेट दिल्ली	—	—	1,07,405
27.	स्वर्गीय श्री प्रभु दयाल कूचा नटिवान, चादनी चौक, दिल्ली	—	—	26,518
28.	मै० प्राइम रोस फाफ्नेस प्रा० लि० ५/२, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली	—	—	98,000
29.	ग्रार० जी० ग्रोवर एड क० ५८-जनपथ, नई दिल्ली	—	—	78,000
30.	श्री गम प्रकाश, क्वीन्स रोड, दिल्ली	28,562	—	—
31.	मै० राय ब्रावर्स (प्रा०) लि० ५ई कनाट सर्केस, नई दिल्ली	—	—	64,650
32.	मेठ चिट फड (प्रा०) लि०, गली संगतराशन पी० जी० नई दिल्ली	—	—	34,036
33.	मै० शालीमार सिनेमा, भोगल, नई दिल्ली	—	1,13,000	11,000
34.	मै० यूनाइटेड इंडिया जनरल फाफ्नेस (प्रा०) लि० (परिमापनाधीन) मार्फत आफिशियल लिक्विडेटर १६, रिंग रोड, नई दिल्ली	—	—	8,23,000

अवतार सिंह
आयकर आयुक्त, दिल्ली-१, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1976

सं० ओ० एंड सी०-१/प्रकाशन/डी०-२/बी०/७४-७५/३६६५८—आयकर अधिनियम १९६१ (१९६१ का ४३वा) की धारा २८७ की उपधारा (१) तथा वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के दिनांक ९-६-६९ के आदेश के अनुसार, आयकर आयुक्त, दिल्ली-२, नई दिल्ली लोक हित से उचित समझकर उन निर्धारितियों के नामों तथा अन्य विवरणों को प्रकाशित करते हैं जिन पर वित्तीय वर्ष १९७४-७५ के बौरान कम से कम ५०००/- रुपए की पेनल्टी लगाई गई थी।

क्रम सं०	स्थायी लेखा मख्या जी०आई० आर० न०	निर्धारिती का नाम और पता	हैसियत	कर-निर्धारण वर्ष	लगाई गई पेनल्टी की राशि (रुपयों में)
1.	22-000-पीएन-0343 डीएलआई/क० सकिल-4	मै० आटो लेम्पस लि०, श्रीलीपुर रोड, दिल्ली ।	कपनी	1972-73	रु० 5033/-
2.	22-000-सीक्यू-0737 डीएलआई/क० सकिल-8	मै० बाली एड क० (प्रा०) लि०, बी-II, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली	कपनी	1968-69	रु० 4500/-
3.	22-000-ओएक्स/0370 डीएलआई/क० सकिल-4	मै० भाई मुन्दर दास सरदार सिंह (पी०) लि०, 4/23-बी, आसफ अली रोड, नई दिल्ली	कपनी	1969-70	रु० 6008/-
4.	22-000-पीएन-0297 डीएलआई/क० सकिल-4	श्री जोगिन्दर सिंह ई-१०, डिफेस कालोनी नई दिल्ली	एच० यू० एफ०	1972-73	रु० 10000/-
5.	22-000-सीक्यू-0256 डीएलआई/क० सकिल-1	मै० यूनिवर्सल इडस्ट्रीज एड काटन मिल्स लि०, एच-ब्लाक, कनाट सर्केस, नई दिल्ली	कपनी	1973-74	रु० 10600/-

“यह प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त सूचना सही और पूरी है तथा प्रकाशन के लिए ठीक है।”

दिनांक 1 अप्रैल 1977

मं० श्रो० एड सी०-१/प्रकाशन/डी-२/७५-७६/६६—ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वा) की धारा 287 की उपधारा (1) तथा वित्त मन्त्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के दिनांक ३-६-६९ के आदेश के अनुसार ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-२, नई दिल्ली लोकहित में उचित समझकर उन निर्धारितियों के नामों तथा अन्य विवरणों को प्रकाशित करते हैं जिन पर वित्तीय वर्ष 1975-76 के दौरान कभी से कम 5000/- रु० की पेनलटी लगाई गई थी—

क्रम सं०	स्थायी लेखा सं०/ जी० आई० आर० नं०	निर्धारिती का नाम व पता	हैसियत	निर्धारण वर्ष	लगाई गई पेनलटी की राशि (रु०)
1	2	3	4	5.	6
1.	22-000-सीवी-0343 डीएलआई/क० सर्किल-4	मै० श्राटो लैम्पस लि० 6, अलीपुर रोड, नई दिल्ली ।	कपनी	1973-74	6,070
2.	22-013-पीवाई-7246 डीएलआई/क० सर्किल-1	श्री बलदेव राज सचदेवा मार्फत श्री डी० के० बजाज एडवोकेट, ई-२/५०, कनाट प्लेस, नई दिल्ली ।	इडिविज्यूअल	1969-70	5,326
3.	—वही—	—वही—	इडिविज्यूअल	1970-71	7,642
4.	22-000-सीवाई-0516 डीएलआई/क० सर्किल-5.	मै० भाना मल गुलजारी मल (पी) लि० चावडी बाजार, दिल्ली ।	कपनी	1971-72	10,000
5.	22-000-सीएन-1333 डीएलआई/क० सर्किल-9	मै० वाइफोर्ड (पी) लि० 5 एम एनडीएसई, नई दिल्ली ।	कपनी	1975-76	9,000

मं० श्रो० एड भी०-१/प्रकाशन/डी-२/सी०/७५-७६/७०—ग्रायकर विभाग, 1961 (1961 का 43वा) की धारा 287 की उपधारा (1) तथा वित्त मन्त्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के दिनांक ९-६-६९ के आदेश के अनुसार ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-२, नई दिल्ली लोकहित में उचित समझकर उन निर्धारितियों के नामों को प्रकाशित करते हैं जो वित्तीय वर्ष 1975-76 के अंतिम दिन अर्थात् ३१-३-७६ को 25,000/- रु० या इससे अधिक के बकायादार हैं—

क्रम सं०	निर्धारिती का नाम व पता	वे व्यक्ति जो ९ माह से अधिक किन्तु १ वर्ष ३ माह तक की अवधि से बकायादार है	वे व्यक्ति जो १ वर्ष ३ माह और इससे ३ माह तक की अवधि से बकायादार है	वे व्यक्ति जो २ वर्ष ३ माह और इससे ३ माह तक की अवधि से बकायादार है
1	2	3	4	5
1.	मै० आहूजा भास (पी) लि०, १५/८, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।	—	—	75,214
2.	मै० बैशाखा सिंह एंड क० (पी) लि०, कनाट सर्केस, नई दिल्ली ।	—	—	4,28,702
3.	मै० डिलैक्स इटरनेशनल (पी) लि०, ३५/२७-२८, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।	—	50,465	—
4.	श्री गुरदीप मिह, ५/१, उड्डल्यू० ई० ए० करौल बाग, नई दिल्ली ।	—	—	76,361
5.	श्रीमती हरमोहिन्दर कौर ११/१०, पूसा रोड, नई दिल्ली ।	62,000	—	53,000
6.	श्री मोखम मिह मार्फत मै० चदोक एड गलानी सी० ए० ५५/१०, अंमारी रोड, दिल्ली ।	—	—	1,67,156

1	2	3	4	5
7.	मै० नार्देन इंडिया लैंड एंड फाइनेंस (पी) लि० माडल बस्ती, दिल्ली	—	—	1,57,652
8.	स्वर्गीय श्री प्रेमनाथ तारा एल/एच 8, सिधिया हाउस, नई दिल्ली	—	—	16,48,000
9.	मै० रालिएय चिट फड (पी) लि०, डी-1, राणा प्रताप बाग, नई दिल्ली	—	—	29,874
10.	मै० राम सिंह सरदार सिंह फाइनेंसर्स, (पी) लि०, 3ए/3, आसफ अली रोड, नई दिल्ली	—	—	3,41,528
11.	मै० सरस्वती इन्डिल० (पी) लि०, जी० टी० रोड, शाहदरा, दिल्ली	—	—	48,715
12.	मै० सुप्रीम फाइनेंस (पी) लि० करौल बाग, नई दिल्ली	—	—	51,533
13.	मै० संगम फाइनेंस (पी) लि०, 178-सी, सदर बाजार, मेरठ केन्ट, मेरठ (य० पी०)	—	87,586	—

दिनांक 7 अप्रैल 1977

स० ओ० गण्ड सी०-I/पब्लिक०/डी०-2/ए०/75-76/877—
वित्तीय वर्ष 1975-76 मे० (क) जिन व्यक्तियों
द्विन्दु अविभक्त परिवारों का कर-निधारण एक लाख रुपए
से अधिक की आय पर हुआ है (ख) जिन कर्मी, कर्मनियों
के समग्र या कर्मनियों का कर-निधारण 10 लाख रुपए
से अधिक की आय पर हुआ है उनके नामों की सूची नीचे
दी जा रही है। इस सूची मे० (एक) मे० 'आई०' व्यक्ति की
हैसियत का नथा 'पाच' मे० हिन्दु अविभक्त परिवार का और
'सी०' कर्मनी सूचक है तथा (दो) मे० कर-निधारण वर्ष (तीन)
मे० विवरणी मे० दिखाई गई आय (चार) मे० कर-निधारण
आय (पाच) मे० निर्धारिती द्वारा देय कर और (छह)
मे० निर्धारिती द्वारा दिया गया कर दिखाया गया है।

(1) 47-पी० 22-003-पी० एन०-2812 ए० सी० चावला
प्रो० पैराडाइम इडम, 40, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली (एक)
आई० (दो) 1973-74 (तीन) 56,777 (चार) 1,15,000
(पाच) 73,600 (छह) 31,280। (2) 22-000
पी०वी०-1623/डी०एल०आई०/क० सर्किल-8, बी० आर०
झुगल मार्फत अनुल ग्लास इड (पी०) लि०; 3/9, डी०
बी० गुप्ता रोड, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 75-76
(तीन) 1,19,240 (चार) 1,27,393 (पाच)
50, 998 (छह) 55,500। (3) 22-022-पी०क्य०-
2132/डी०एल०आई०/क० सर्किल-1 चरनजीत मिह, मोहन सिंह
बिल्डिंग, कनाट लेन, नई दिल्ली (एक) आई० (दो०)
73-74 (तीन) 2,98,710 (चार) 2,98,710 (पाच)
1,74,298 (छह) 1,74,298। (4) 22-002-21961/
डी०एल०आई०/क० 'सर्किल-1 इलजीत मिह, मोहन सिंह
बिल्डिंग, कनाट लेन, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 73-74
(तीन) 3,47,550 (चार) 3,47,550 (पाच) 2,27,366

(छह) 2,27,366। (5) 22-000-पी० बाई०-0320/
डी०-एल०आई०/क० सर्किल, डी० आर० सोधी मार्फत जे० एम०
ए० इडम० (पी०) लि० 8, पद्मिनी एन्सेव, नई दिल्ली (एक)
आई० (बो) 75-76 (तीन) 1,00,910 (चार)
1,01,330 (पाच) 54,627 (छह) 54,627। (6) 22-
000-सी० टी०-0395/डी० एल० आई०/क० सर्किल-1 फूड
स्पेलाइसस लि०, 5-ए०, कनाट सर्कस, नई दिल्ली (एक)
सी० (दो) 73-74 (तीन), 1,27,40,880 (चार)
1,38,05,860 (पाच) 79,84,676 (छह) 76,46,629।
(7) 22-025-सीजेण्ट-1548/डी० एल० आई०/क० सर्किल-1
हिटाची लि०, (टोकियो), जापान मार्फत जिन्वल मेहता
गण्ड क०, सी० ए० चेविल स्ट्रीट, दग्निया गज, दिल्ली (एक)
सी० (दो) 73-74 व 74-75 (तीन) 2,97,810 व
12,79,772 (चार) 11,02,320 व 12,79,772
(पाच) 5,78,718 व 6,71,879 (छह) 5,78,718 व
6,71,879। (8) 22-00-पी० क्य०-0296/डी० एल० आई०/क०
क० सर्किल-5, दंदर मोहन शर्मा, 12 एफ०, कनाट प्लेस नई दिल्ली
(एक) आई० (दो) 74-75 व 75-76 (तीन), 1,06,067
व 1,11,899 (चार) 1,06,067 व 1,11,899 (पाच)
62,766 व 62,766 (छह) 61,947 व 38,119। (9)
22-000-पी० बाई०-8529/डी० एल० आई०/क० सर्किल-5,
कुदन लाल खुराना, 22-बी०/1, ओरिजिनल रोड, करौल
बाग, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 73-74 (तीन) 1,04,043
(चार) 1,04,043 (पाच) 63,516 (छह) 36,444। (10)
22-002-पी०टी०-9234/684 मुरागी लाल गोयन, 10
ईस्ट पार्क एस्ट्रिया, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 74-75
(तीन) 1,08,930 (चार) 1,13,030 (पाच) 71,786
(छह) 82,800। (11) 22-002-पी० बाई०-7560 : 63-
आर० गम सस्प कथुरिया पी०/ओ० मार्शल इडस्ट्रीस आफ
इडिया, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 74-75

(तीन) 1,14,280 (चार) 1,09,993 (पाच), 68,990 (छह) 72,238 (दो) 22-002-एचजेड-6674/1225, एस० आर० कपूर एड मन्स मार्फत 58, कनाट एलेस, नई दिल्ली (एक) पंच० (दो) 73-74 (तीन) 1,04,731 (चार) 1,07,513 (पाच) 66,710 (छह) 34,500। (13) 22-013-पी० बी०/7172 उपकार कौर 67/5, रोहतक रोड, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 74-75 (तीन)- (चार) 1,25,470 (पाँच) 83,232 (छह) 83,232

जगदीश चन्द्र,
प्रायकर आयुक्त, दिल्ली-2.
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1977

स० ओ० एड सी०-1/पब्लिक०/डी०-3/ई०/75-76/5230— वित्तीय वर्ष 1975-76 में जिन व्यक्तियों तथा व्यक्तियों के संगम का कर निर्धारण 10 लाख रुपए में अधिक के धन पर हुआ है, उनके नामों की सूची नीचे दी गई है। (एक) में 'आई' व्यक्ति की हैसियत का तथा 'ए' व्यक्तियों के संगम का सूचक है तथा (दो) में कर निर्धारण वर्ष (तीन) में विवरणी में दिखाई गई आय (चार) में कर निर्धारित आय (पाच) में निर्धारित द्वारा देय कर (छह) में निर्धारित द्वारा दिया गया कर दिखाया गया है।

(1) ए० एन०-9949/10-12 रघुनीर मिह ट्रस्ट, 12, तिलक मार्ग, नई दिल्ली (एक) ए (दो) 1975-76 (तीन) 14,21,860 (चार) 14,23,337 (पाच) 36,933 (छह) 36,874। (2) पी० एस०-9308/10 (4) सरस्वती मेनन 39, जोर बाग नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 74-75 (तीन) 10,69,545 (चार) 10,74,674 (पाच) 17,241 (छह) 22,780। (3) पी० क्य०-3028. 10 (12) सामर शमशेर जग बहादुर राणा मार्फत एस० आर० कपूर एड क०, 58, कनाट एलेस, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 66-67 में 71-72 (तीन) 2,61,883, 2,52,683, 3,10,314, 2,78,042, 2,64,095 एड 1,57,230 (चार) 11,37,354, 11,21,742, 11,82,260, 11,48,843, 11,41,061 एड 10,30,001 (पाच) 4,778, 4,625, 5,218, 5,230, 5,120 एड 7,233 (छह) 4,879, —, —, —, —।

ए० सी० जैन
प्रायकर आयुक्त, दिल्ली-3
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून, 1977

स० ओ० एड सी०-1/पब्लिक०/डी०-4/ए०/75-76/15998— वित्तीय वर्ष 1975-76 में (क) जिन व्यक्तियों, हिन्दू अविभक्त परिवारों का कर-निर्धारण 1 लाख रुपए से अधिक की आय पर हुआ है (ख) जिन फर्मों, व्यक्तियों के संगम या कपनियों का कर निर्धारण 10 लाख रुपए

से अधिक की आय पर हुआ है उनके नामों की सूची नीचे दी गई है। इस सूची में (एक) में 'आई' व्यक्ति की हैसियत का तथा 'एच' हिन्दू अविभक्त परिवार का और 'सी' कपनी का सूचक है तथा (दो) में कर-निर्धारण वर्ष (तीन) में विवरणी में दिखाई गई आय (चार) में कर-निर्धारित आय (पाच) में निर्धारित द्वारा देय कर (छह) में निर्धारित द्वारा दिया गया कर दिखाया गया है।

(1) 22-006-पी० एस०-3232/डी० एल० आई०/3 (7) अशोक कुमार पी/ओ अमर डाइस्ट्रफ क० 186, तिलक बाजार, दिल्ली (एक) आई० (दो) 75-76 (तीन) 1,07,330 (चार) 1,08,290 (पाच) 60,639 (छह) 59,247। (2) 22-006-पी० बी०-3231/डी० एल० आई० 3 (7) अमर नाथ पी/ओ अतुल ट्रेडरम, कलाथ मार्केट, दिल्ली (एक) आई० (दो) 75-76 (तीन) 1,16,958 (चार) 1,17,160 (पाच) 66,127 (छह) 65,667। (3) पी० एस०-8240 अमित कुमार जैन, 49, राजपुर रोड, दिल्ली (एक) आई० (दो) 74-75 एड 75-76 (तीन) 1,10,190 एड 1,37,603 (चार) 1,13,010 एड 1,57,352 (पाच) 71,769 एड 97,763 (छह) 68,964 एड 68,692। (4) पी० वाई०-8239 अरविन्द कुमार जैन, 49, राजपुर रोड, दिल्ली (एक) आई० (दो) 75-76 (तीन) 1,20,657 (चार) 1,23,300 (पाच) 70,653 (छह) 66,965 (5) पी० एन०-8155 अनन्त राम जैन, लाहौरी गेट, दिल्ली (एक) आई० (दो) 75-76 (तीन) 96,320 (चार) 1,02,571 (पाच) 53,682 (छह) 52,670। (6) पी० बी०-6830 आदर्श कौर, 167, गोल्फ लिक्स, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 57-58 एड 59-60 (तीन) 75,638 एड — (चार) 1,85,138 एड 1,43,225 (पाच) 1,30,340 एड 95,129 (छह) — एड —। (7) पी० बी०-6137, आनन्द कुमार प्रोप० एस० ए० ब्रदर्स 28, शकर मार्केट, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 71-72 एड 73-74 (तीन) 60,000 एड 50,000 (चार) 1,25,025 एड 1,30,050 (पाच) 79,244 एड 87,446 (छह) — एड 19,550। (8) 22-007-पी० क्य०-6267/डी० एल० आई०/3-25 भाग्यवती सधी, 12, गोल्फ लिक्स, नई दिल्ली, (एक) आई० (दो) 73-74 (तीन) 95,325 (चार) 1,25,920 (पाच) 1,18,940 (छह) 21,490। (9) 22-007-9534, बलदेव राज साहनी पी/ओ० स्माल आर्मेस जी० बी० रोड, दिल्ली (एक) आई० (दो) 74-75 एड 75-76 (तीन) 2,03,700 एड 3,16,250 (चार) 2,03,700, 3,16,700 (पाच) 1,56,705 एड 2,20,344 (छह) 1,56,688 एड 2,21,680। (10) पी० ई०-9679 बी० एम० सेठी पी०/ओ० स्माल आर्मेस जी० बी० रोड, दिल्ली (एक) आई० (दो) 75-76 (तीन) 98,480 (चार) 1,09,422 (पाच) 60,767 (छह) 52,344। (11) पी० एस०-1074 भगत राम पी/ओ० भगत राम गुलशन कुमार जी० सी० एस० दिल्ली (एक)

आई (दो) 74-75 (तीन) 1,06,300 (चार) 1,07,380
 (पांच) 57,904 (छह) 57,904। (12) 22-006-
 मी० एन०-0493/डी० एल० आई०/3-1, फ्लोबेयर (पी०)
 लि० के०-40, कनाट मर्क्स, नई दिल्ली, (एक) सी (दो)
 74-75 (तीन) 12,71,960 (चार) 14,21,820 (पाच)
 8,25,969 (छह) 82,596। (13) 22,004एफ० टी०-
 9813, गुरुनानक फाइनेंस कं० 7877, गोशनारा गोड,
 दिल्ली (एक) एफ (दो) 64-65 (तीन) 1,445 (चार)
 14,64,160 (पांच) 2,30,038 (छह) --। (14)
 पी० जेड-1184, हरजीत सिंह पी/ओ नेशनल होम्सो स्टोरस,
 कटरा बरयान, दिल्ली (एक) आई (दो) 75-76 (तीन)
 1,19,880 (चार) 1,21,720 (पाच) 70,327 (छह)
 72,500। (15) पी० एन०-0410, हीरा लाल पी/ओ
 हीरा लाल एड सन्म 20, ईम्ट पार्क रोड एग्जिया, करौल
 बाग, नई दिल्ली, (एक) आई (दो) 73-74 (तीन) 99,228
 (चार) 1,44,100 (पाच) 1,00,372 (छह)
 85,891। (16) पी० जेड-0411 हरी शकर पी/ओ हीरा
 लाल एड सन्म, 20, ईम्ट पार्क प्रिया, करौल बाग, नई
 दिल्ली (एक) आई (दो) 73-74 (तीन) 1,04,010 (चार)
 1,51,450 (पाच) 1,07,134 (छह) 86,222। (17)
 पी० वाई०-1213 जे० पी० ज्ञालानी मार्फत मनोरजन
 फिल्म्स (पी) सि० चालनी चौक, दिल्ली (एक) आई
 (दो) 73-74 (तीन) 1,10,479 (चार) 1,10,540
 (पांच) 54,983 (छह) 60,006। (18) 22-007-
 एफ० आई०-2505 जयोतना बाहाना पी/ओ देसाई एड
 क० बी० पैलेस, नई दिल्ली (एक) आई (दो) 73-74
 (तीन) 63,049 (चार) 1,39,805 (पाच) 96,420
 (छह) --। (19) 22-007-पी० बी०-9164 कमला देवी
 पी/ओ आडो सेन्टर, 13, दरियागंज दिल्ली (एक) आई
 (दो) 75-76 (तीन) 1,87,460 (चार) 1,89,750
 (पाच) 1,22,710 (छह) 1,20,664। (20) पी० टी०-
 1265 कृष्णा देवी ज्ञालानी मार्फत बनारसी दास एड सन्म
 चावडी बाजार, दिल्ली (एक) आई (दो) 72-73 (तीन)
 1,09,772 (चार) 1,09,420 (पाच) 54,666 (छह)
 55,942। (21) पी० एक्स०-1284 करतार सिंह पी/ओ
 नेशनल होम्सो स्टोरस, कटरा बरयान दिल्ली (एक) आई०
 (दो) 75-76 (तीन) 1,07,270 (चार) 1,09,280
 (पाच) 80,749 (छह) 66,600। (22) एम० एक्स०-
 1235, के० के० ज्ञालानी मार्फत बनारसी दास एड सन्स
 चावडी बाजार दिल्ली (एक) एच (दो) 72-73 (तीन)
 1,10,138 (चार) 1,17,440 (पाच) 70,601 (छह)
 70,601। (23) पी० वाई०-1332 मोहम्मद मुस्ताकिन
 पी०/ओ० मोहम्मद स्वालेहीन एड क० बल्लीमारान, दिल्ली
 (एक) आई (दो) 74-75 एड 75-76 (तीन) 1,85,215
 एड 1,17,660 (चार) 1,85,718 एड 1,17,060
 (पाच) 1,38,662 एड 66,739 (छह) 1,38,662 एड
 70,427। (24) पी० जेड-1331, मोहम्मद स्वालेहीन
 पी/ओ० मोहम्मद स्वालेहीन एड क० बल्लीमारान, दिल्ली
 (एक) आई (दो) 74-75 एड 75-76 (तीन) 1,84,309
 एड 1,15,830 (चार) 1,84,480 एड 1,15,830

(पाच) 1,37,522 एड 65,792 (छह) 1,37,522
 एड 69,480। (25) पी० एक्स०-1333 मोह० हनीफ
 पी/ओ० मोह० स्वालेहीन एड क० बल्लीमारान, दिल्ली
 (एक) आई (दो) 74-75 एड 75-76 (तीन) 1,83,724
 और 1,15,220 (चार) 1,83,880 और 1,15,220
 (पाच) 1,36,970 और 65,322 (छह) 1,36,970
 और 69,396। (26) पी० बी०-1332 मो० फारुक
 पी/ओ० मोह० स्वालेहीन एड क० बल्लीमारान, दिल्ली (एक)
 आई (दो) 74-75 (तीन) 1,10,209 (चार) 1,10,320
 (पाच) 69,294 (छह) 69,294। (27) एफ० एन०-
 1330 मोह० स्वालेहीन एड क० बल्लीमारान, दिल्ली
 (एक) एफ (दो) 74-75 (तीन) 15,65,002 (चार)
 15,66,502 (पाच) 4,15,932 (छह) 4,15,932।
 (28) पी० एन०-0609, मनोरमा पुरी पी/ओ० इनैक्टिक
 इन्स्ट्रूमेंटेशन जी० बी० रोड, दिल्ली (एक) आई (दो)
 73-74 से 75-76 (तीन) 1,04,692, 93,090 और
 1,55,562 (चार) 1,07,796, 1,05,740 और
 1,63,680 (पाच) 65,973, 52,598 और 1,00,611
 (छह) 64,676, 52,598 और 95,336। (29) एच०
 टी०-5174 ओ० पी० ज्ञालानी मार्फत बनारसी दास एड
 सन्स, चावडी बाजार, दिल्ली (एक) एच (दो) 72-73
 और 74-75 (तीन) 1,25,210 और 1,08,315 (चार)
 1,25,520 और 1,13,550 (पाच) 82,184 और
 79,573 (छह) 81,262 और 75,751। (30)
 22,006-आर० बी०-0709/3(1) फिलिप्स पेट्रोलियम मार्फत
 मोहिन्दर पुरी और क० मी० ए० दिल्ली (एक) सी (दो)
 68-69 से 72-73 (तीन) 3,13,200, 8,06,460,
 34,15,712, 34,00,859 और 22,40,481 (चार)
 39,90,232, 13,59,619, 30,30,567, 26,16,151
 और 20,14,310 (पाच) 27,93,162, 95,11,734,
 21,21,399, 18,31,306 और 14,45,267 (छह)
 31,66,579, 9,51,856, 26,17,648, 24,17,036 और
 18,35,151। (31) 22-005-पी० एन०-9356/डी० एल०
 आई०/3(1) पुरुषोत्तम दास पी/ओ० नन्दु भाल पुरुषोत्तम
 दास, ज्ञालानी चौक, दिल्ली (एक) आई (दो) 73-74
 (तीन) 1,27,307 (चार) 1,45,550 (पाच) 1,14,667
 (छह) 99,926। (32) पी० जेड-1401 प्रेम नाथ पी/ओ०
 के० सी० राज और क० ज्ञालानी चौक, दिल्ली (एक) आई
 (दो) 73-74 (तीन) 1,12,380 (चार) 1,38,790
 (पाच) 34,197 (छह) 99,001। (33) पी० जेड-
 6943 प्रकाश देवी जैन, 49, गजपुर रोड, दिल्ली (एक)
 आई (दो) 75-76 (तीन) 1,42,379 (चार) 1,45,516
 (पाच) 88,646 और 69,077। (34) पी० एन०-9000,
 राज कुमार पी/ओ० लच्छी राम देवी क्लाथ मार्केट, दिल्ली
 (एक) आई (दो) 74-75 (तीन) 67,620 (चार)
 1,00,670 (पाच) 72,295 (छह) 38,341। (35)
 पी० टी०-1188 आर० हृस्कर पी/ओ० पंडित ब्राह्मण, ज्ञालानी
 चौक, दिल्ली (एक) आई (दो) 73-74 (तीन) 2,34,119
 (चार) 2,34,120 (पाच) 1,82,478 (छह) 1,85,153।
 (36) एच० टी०-1482 राजेन्द्र प्रसाद ज्ञालानी मार्फत

बनारसी दास एंड सन्स चावड़ी बाजार, दिल्ली (एक) एच (दो) 72-73 (तीन) 1,02,485 (चार) 1,03,470 (पाच) 48,086 (छह) 50,235। (37) पी० क्यू०-0081 एस० पी० सेठी पी०/ओ अमेरिकन रेडियो और आटोमोबाइल क० मुख्यर्जी मार्ग, दिल्ली (एक) आई (दो) 75-76 (तीन) 91,390 (चार) 1,02,330 (पाच) 57,472 (छह) 46,881। (38) पी० एन०-0105 शिव शंकर लाल पी०/ओ गोपाल भिंह राय कटगा टोबाको, दिल्ली (एक) आई (दो) 75-76 (तीन) 96,220 (चार) 1,01,370 (पाच) 43,674 (छह) 45,000। (39) 22-009-पी० एक्स०-9399/डी० एल० आई०/3 (25) एस० के० सधी, 12, गोल्फ लिक्स, नई दिल्ली (एक) आई (दो) 73-74 (तीन) 1,48,919 (चार) 1,77,140

(पाच) 1,78,850 (छह) 38,300। (40) पी० क्यू०-1539 मत्य पाल पी०/ओ धर्म पाल प्रेम चन्द चादनी चौक, दिल्ली (एक) आई (दो) 73-74 और 74-75 (तीन) 1,04,301 और 1,11,121 (चार) 1,06,360 और 1,13,830 (पाच) 54,265 और 59,073 (छह) 54,265 और 59,073। (41) 22-005-पी० बी०-8975 डी० एल० आई०/3-1 वाई० आर० चौहान पी०/ओ लिंग लाल मणि लाल एंड क० लाहौरी गेट दिल्ली (एक) आई (दो) 74-75 (तीन) 11,01,126 (चार) 1,29,890 (पाच) 86,412 (छह) 69,111।

एस० बी० देवा
आयकर आयुक्त, दिल्ली-4
नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1977

स० ओ० एंड सी०-I/पब्लिक०/डी०-4/सी०/75-76/46670—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वा) की धारा 287 की उपधारा (1) तथा वित्त मन्त्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के दिनांक 9-6-69 के आदेश के अनुसार आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली लोकहित में उचित समझकर उन निर्धारितियों के नामों का प्रकाशन करते हैं जो वित्तीय वर्ष 1974-75 के अन्तिम दिन अर्थात् 31-3-1975 को 25,000/- रु० या अधिक के बकायादार हैं।

क्रम स० निर्धारिती का नाम व पता

बकाया राशि

वे व्यक्ति जो 9 माह से अधिक किन्तु 1 वर्ष 3 माह तक अवधि से बकायादार है।	वे व्यक्ति जो 1 वर्ष 3 मास और इससे अधिक किन्तु 2 वर्ष 3 माह तक की अवधि से	वे व्यक्ति जो 2 वर्ष 3 माह और इससे अधिक की अवधि में बकाया- दार है।	रु०	रु०	रु०
1	2	3	4	5	
सर्वश्री					
1. आनन्दी लाल पी०/ओ श्रीगोपाल वासदेव, चावड़ी बाजार, दिल्ली	.	.	—	—	12,70,000
2. बथला एंड क०, 3414, गली हृकीम बागा, हौज काजी, दिल्ली।	.	.	—	—	49,024
3. चुक्षी लाल, 3 सी०/13, रोहतक रोड, नई दिल्ली	.	.	—	155	34,063
4. धर्म सिंह राम सिंह, 47, जोर बाग, नई दिल्ली	.	.	—	—	1,28,755
5. गुरबरन सिंह माहौली, 12, रोशनग्राम रोड, दिल्ली	.	100	—	—	45,155
6. जतू भल शाम लाल पी०/ओ० अमृत लाल, बाल किशन दास, मोती बाजार दिल्ली।	14,256	14,048	—	—	—
7. नरायण दास 3 सी०/13, रोहतक रोड, दिल्ली	.	.	—	935	42,883

1	2	3	4	5
8	पोखर दाम, 60/33, रोहतक रोड, दिल्ली	506	—	45,754
9	स्वर्गीय श्री पेहलज राय द्वारा एस/एच० श्रीमती पेहलज राय, 3 सी/13, रोहतक रोड, दिल्ली ।	—	934	67,164
10	आर० एस० मोटरस (पी०) लि०, स्काउट्रस बिल्डिंग, आई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली	—	—	34,681
11	श्री गोपाल वासदेव, चावड़ी बाजार, दिल्ली	2,76,000	1,18,000	15,99,000
12	यूनिवर्सल एजेसिस, 3 सी/13, रोहतक रोड, नई दिल्ली	1,18,332	2,669	5,26,795

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून, 1977

स० श्रो० एंड सी०-१/पब्लिक०/डी०-४/पी०/७५-७६/१५२१८—आयकर विभाग 1961 (1961 की 43वां) की धारा 287 की उधारा (1) तथा वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के दिनांक 3-6-69 के आदेश के अनुसार आयकर आयुक्त, दिल्ली-४ नई दिल्ली लोकहित में उचित समझकर उन निर्धारितियों के नामों तथा अन्य विवरणों को प्रकाशित करते हैं जिन पर वित्तीय वर्ष 1975-76 के दौरान कम से कम 5,000/- रु० की पेनलटी लगाई गई थीं।

क्रम सं०	स्थायी लेखा स०/ जी० आई० आर० स०	निर्धारिती का नाम व पक्षा	हैसियत	कर-निर्धारण वर्ष	लगाई गई पेनलटी की राशि (रुपयों में)
1.	सी० वाई०-6828	एसोसिएटेड ट्रेडर्स एंड इंजीनियरस प्रा० लि०, 21/1, आसफ अली रोड, नई दिल्ली ।	कंपनी	1970-71	26,000
2.	पी० एक्स-7844	बलदेव मिह, एलाट नं० 12, रानी शांसी रोड, दिल्ली	इन्डियनुग्रह	1963-64	30,000
3	पी० क्य०-8995	डी० एस० नरुला एंड कं०, सी०-66, एन० डी० एस० ई० पाटे-2, नई दिल्ली	फर्म	1971-72 पांड 1972-73	60,000
4	पी० टी०-8910	केवार नाथ एंड कं० नया बास, दिल्ली ।	इन्डीविडुअल	1970-71	16,500
5	एफ० जेड०-5951	प्रेम मिह गनपत राम, भोज पुरा, माली बाड़ा, नई सड़क, दिल्ली ।	फर्म	1968-69	6,355
6	एफ० वाई०-6166	रायल सेफ कं० 50, रानी शांसी रोड, दिल्ली ।	फर्म	1967-68	7,780
7	एफ० वाई०-2933	राम दयाल पक्षा लाल कूचा नटवान, दिल्ली ।	फर्म	1970-71	13,818
8.	1-य०	यूनिवर्सल एजेसिस, 3-सी, रोहतक रोड, नई दिल्ली	फर्म	1961-62	1,18,332

एन० एस० राष्ट्रवन आयकर आयुक्त, दिल्ली-४ नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 मई 1977

सं० ओ० ए४० सी०-१/पत्रिल०/डी०-४/७५-७६/१५४३९—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वा) की धारा 287 की उपधारा (1) तथा वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की दिनांक 3-६-६९ के आदेश के अनुसार आयकर अधिकृत, दिल्ली-४, नई दिल्ली लोकहित में उचित समझकर उन निर्धारितियों के नामों तथा अन्य विवरणों को प्रकाशित करते हैं जिन पर वित्तीय वर्ष 1974-75 के दौरान कम से कम 5000/- रु० की पेनल्टी लगाई गई थीं।

क्रम सं०	स्थायी लेखा सं०	निर्धारिती का नाम व पता	हैमियत	कर-निर्धारण वर्ष	लगाई गई पेनल्टी की राशि (रु० में)
1	2	3	4	5	6
1	पी० एक्स०-८७७३	भगवान दास खतरी, ६४६, गली लोहान, फतेह पुरी, दिल्ली।	इन्डियूल	१९७१-७२	५,०००/-
2	पी० वाई०-११४३	गोपाल खुल्लर ए८०/एच० आफ स्वर्गीय श्री जगन नाथ खुल्लर पी०/ओ० बिहारी लाल गंड क० हौज काजी, दिल्ली।	इन्डियूल	१९७०-७१	५,७७३/-
3.	पी० वी०-१३१३	मोहम्मद सलीम ए८०/एच० आफ स्वर्गीय श्री हाजी मोहम्मद सलीम माफत हाजी अली जान, नई मडक, दिल्ली।	इडियूल	१९७१-७२	५,५५७/-

दिनांक 9 जून 1977

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसंबर 1976

सं० ओ० ए८० सी०-प्रकाशन/डी०-४/६७/७५-७६/१५८७३—वित्तीय वर्ष 1975-76 के दौरान जिन व्यक्तियों और हिन्दू अविभक्त परिवारों का कर निर्धारण 10 लाख रुपए से अधिक के धन पर हुआ है, उनके नामों की सूची नीचे दी जा रही है। इस सूची में (एक) में 'आई' व्यक्ति की हैसियत का और (एच) हिन्दू अविभक्त परिवार का सूचक है (दो) में कर-निर्धारण वर्ष (तीन) में विवरणी में दिखाई गई आय (चार) में कर-निर्धारित धन (पाच) में देय धन कर (छह) में निर्धारिती द्वारा दिया गया धन-कर विवाया गया है।—

1. एचक्य०-६९१९, पी० पी० जैन, ४९-राजपुर रोड, दिल्ली (एक) एच० (दो) १९७१-७२ से १९७३-७६ (तीन) १०,१९,६२२; १२,२१,७२९, १४,६०,१९७; १६,०८,०७०, व १६, २६, ८६० (चार) १०, १९, ६२२, १२, २१, ७२९, १४,६०,१९७, १६,०८,०७० व १६,२६,८६० (पाच) १४,०१०; २२,३२०, २९,६९८, ८०,०५० व ९२,५५५ (दह) १४,०१०, २२,३२०; २९,६९८; ८०,०५०, व ९२,५५५। (2) एच० एन०-६७२०, बी० आर० जैन, ४९, राजपुर रोड, दिल्ली (एक) एच० (दो) १९७४-७५ (तीन) १०,५८,०९८, (चार) १०,५८,०९८ (पाच) ३२,२२४ (छह) ३२,२२४। (3) पी० क्य०-६९४३, प्रकाश देवी जैन, ४९, राजपुर रोड, दिल्ली (एक) आई० (2) १९७५-७६ (तीन) ११,०७,५२८ (पाच) २४,२७६, (छह) २४,२७६। (4) पी० एक्स०-७१२१, सरस्वती देवी, ४९, राजपुर रोड दिल्ली (एक) आई० (दो) १९७४-७५ व १९७५-७६ (तीन) १०,२४,०६५ व ११, २९, १४७ (चार) १०,४७,७४७ व ११,५९,११७ (पाच) १२,८४० व १९,०६५ (छह) १२,८४० व १९,०६५

के० आर० राघवन, आयकर आयकृत, नई दिल्ली-४

सं० ओ० ए८० सी०-१/पत्रिल०/ओ०-५/७५-७६/३५७४६—वित्तीय वर्ष 1975-76 में (क) जिन व्यक्तियों, हिन्दू अविभक्त परिवारों का कर-निर्धारण १ लाख रुपए से अधिक की आय पर हुआ है (ख) जिन फर्मों, व्यक्तियों के समाज या कपनियों का कर-निर्धारण १० लाख रुपए से अधिक की आय पर हुआ है उनके नामों की सूची नीचे दी जा रही है। इस सूची में (एक) में 'आई' व्यक्ति की हैसियत की हैमियत तथा 'एच' हिन्दू अविभक्त परिवार का और 'सी' कपनी का सूचक है तथा (दो) में कर-निर्धारण वर्ष (तीन) में विवरणी में दिखाई गई आय (चार) में कर-निर्धारित आय (पाच) में निर्धारिती द्वारा देय कर और (छह) में निर्धारिती द्वारा दिया गया कर दिखाया गया है। (1) पी० एन०-८६८५/३ (२२) सी० पी० सूद पी० और माइट्रिक्स इविपमेट वर्सें, वर्षर्मरी गेट, दिल्ली, (एक) आई० (दो) ७५-७६ (तीन) १,१०,५७४ (चार) १,२०,६११ (पाच) ६९,३२० (छह) ६१,३८९। (2) २२-००३-पी० एक्स०-७२१० डी० एन० आई०/३ (१९) दल-जौत सिह पी०/ओ० आटो पिन्स कशमीरी गेट, दिल्ली (एक) आई० (दो) ७५-७६ (तीन) ९३,३४८ (चार) १,२३,८४६ (पाच) ७१,९६८ (छह) ४८,४८३। (3) पी० एन०-७२४३/३ (१९) गुरदीप सिह पी०/ओ० आटो पिन्स कशमीरी गेट, दिल्ली (एक) आई० (दो) ७५-७६ (तीन) ९३,६७० (चार) १,२४,१६६ (पाच) ७२,२१४ (छह) ४८,७३३। (4) पी० वाई०-७२५९-३ (१९) हरीश सी० खोमला गंड क० हौज काजी, दिल्ली (एक) आई० (दो) ७५-७६ (तीन)

1,37,347 (चार) 87,082 (छह)	(तीन) 1,12,212 (चार) 70,903
87,943 (5) 22-005-पी० टी०-002-हमराज पी/ओ०	(छह) 63,005 (8) 22-005-पी० एन०-5316, राजीव
गुला मेल्स कारप० सी०-40/1, वजीरपुर इन्डस्ट्रीयल	कुमार गुला, सी-40/1 वजीरपुर इन्डस्ट्रीयल एरिया दिल्ली
ऐरिया, दिल्ली (एक) आई (दो) 74-75 (तीन)	(एक) आई (दो) 74-75 (तीन) 1,05,748 (चार)
1,08,426 (चार) 1,14,143 (पाच) 72,808 (छह)	1,05,760 (पाच) 65,100 (छह) 65,100 (9)
72,808 (6) पी० जेड०-8532/3-22, लाल चब बजाज	पी० एकम०-7448/3-19 सुरियो बगिया पी/ओ० कुलवत
पी/ओ० मोटर सेल्स क० कण्मीरी गेट, दिल्ली (एक) आई	मोटरस के/गेट दिल्ली (एक) आई (दो) 75-76 (तीन)
(दो) 75-76 (तीन) 1,04,452 (चार) 1,12,593	1,04,179 (चार) 1,06,600 (पाच) 58,682 (छह)
(पाच) 63,300 (छह) 63,300 (7) पी० एक्स०	62,000।
8688/3-22, पी० एन० सूद पी/ओ० माइट्रिफिक इक्विपमेट	
वर्क्स, कण्मीरी गेट, दिल्ली (एक) आई (दो) 75-76	

दिनांक 11 मार्च, 1977

स० ओ० एड सी०-1/पब्लिक०/डी०-5/सी०/75-76/47384—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वा) की धारा 287 की उपधारा (1) तथा वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के दिनांक 9-6-69 के आदेश के अनुसार आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली लोकहित में उचित समझकर उन निर्धारितियों के नामों का प्रकाशन करते हैं जो वित्तीय वर्ष 1975-76 के अंतिम दिन अर्थात् 31-3-1976 को 25,000/- रु० या अधिक के बकायादार हैं—

क्रम सं०	निर्धारिती का नाम व पता	भाग 1	भाग 2	भाग 3
1	वे व्यक्ति जो 9 माह से अधिक किन्तु 1 वर्ष 3 माह तक की अवधि से बकायादार है	वे व्यक्ति जो 1 वर्ष तीन माह और इससे अधिक की माह तक की अवधि से बकायादार है	वे व्यक्ति जो 2 वर्ष 3 माह और इससे अधिक की माह तक की अवधि से बकायादार है	
2	—	—	—	
3	—	—	—	
4	—	—	—	
1	मै० भारत लैंड एड फाइनेंस क० 2, विष्णु गार्डन, नई दिल्ली	—	—	1,61,249
2	श्री हिमननाल फतेह मोहम्मद, 65/19, रोहतक रोड, नई दिल्ली	—	—	5,09,444
3	मै० जगदम्बा कारपेट मैनुफैक्चरिंग क० बी-33, न्यू मुलतानी नगर, नई दिल्ली	—	—	1,04,793
4	साबल दाम हरी किशन, 5008, मिरकीबालान, दिल्ली	—	—	12,31,109

दिनांक 22 मार्च 1977

स० ओ० एड सी०/पब्लिक०/डी०-5/74-75/48051—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वा) की धारा 287 की उपधारा (1) तथा वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के दिनांक 9-6-69 के आदेश के अनुसार आयकर आयुक्त, दिल्ली-5

नई दिल्ली लोकहित में उचित समझकर उन निर्धारितियों के नामों का प्रकाशन करते हैं जो वित्तीय वर्ष 1974-75 के प्रतिम दिन अर्थात् 31-3-75 को 25,000/- रु. या अधिक के बकायादार हैं—

क्रम सं०	निर्धारिती का नाम व पता	भाग-1	भाग-2	भाग-3
		वे व्यक्ति जो 9 माह से अधिक किन्तु 1 वर्ष 3 माह तक की अवधि में बकाया- दार है	वे व्यक्ति जो 1 वर्ष 3 माह साह और अधिक किन्तु 2 वर्ष 3 माह अवधि से बकाया- दार है	वे व्यक्ति जो 2 वर्ष 3 माह और इसमें अधिक की तक की अवधि से दार है
1	2	3	4	5
1.	अमेरिकन रबड़ मिल्स, जी० टी० रोड, शाहदरा	—	—	74,990
2.	उपर्युक्त के पाटनर हजीत सिंह	—	—	35,529
3.	आनन्द विहारी कटरा राजस्थान मरजीकल क० ई० 100, कमला नगर, दिल्ली	—	26,583	—
4.	ब्रिज मोहन नथीलाल, शाहदरा, दिल्ली	—	—	35,529
5.	देवी दयाल एड क० 65/8 रोहतक रोड, नई दिल्ली	—	—	5,09,444
6.	दलीर सिंह प्रोप० भारत लैड फाइनेंस क०, विष्णु गार्डन, नई दिल्ली	62,695	32,430	24,304
7.	हरनाम सिंह पाटनर आफ अमेरिकन रबड़ मिल्स, जी० टी० रोड, शाहदरा	—	—	44,177
8.	इडियन मेटल इन्डस० 21-ए, इन्डस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद	—	22,556	1,06,214
9.	जगदम्बा कारपेट मैनुफैक्चरिंग क०, डी-38, न्य० मुलतान नगर, रोहतक रोड, नई दिल्ली	26,005	68,838	—
10.	महाबीर भट्टा क० मुनीरका, दिल्ली	—	—	84,809
11.	मोहिन्द्रा इलैक्ट्रिक मप्लाई क०, कशमीरी गेट, दिल्ली	—	—	78,017
12.	ओम प्रकाश प्रो० डिडिया वेस्ट क०, माल रोड, दिल्ली	1,08,803	—	—
13.	स्वास्तिक मेटल वर्क्स, शाहदरा, दिल्ली	—	—	70,850
14.	एन० क० रम्नोगी पाटनर आफ इडियन मेटल इन्डस० 21-ए, इन्डस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद	—	—	1,88,308
15.	मन्त्राल दास हरीकृशन 5008, मिर्कीवालान, दिल्ली	—	12,31,109	33,834
16.	बी० क० रम्नोगी, पाटनर आफ इडियन मेटल इन्डस०, 21-ए, इन्डस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद	—	27,310	1,40,834

एस० डी० मनवन्दा,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-5
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मितम्बर 1977

शुद्धि-पत्र

मद संख्या 3 को नीचे बताए गए के अनुसार पढ़ा जाएः—

(3) उपरोक्त (1) तथा (2) में आने वाली फर्मों
के सभी भागीदार व्यक्ति।

यह अधिसूचना उसी तारीख से लागू होगी।

के० आर० राधवन,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-5
नई दिल्ली

स० जुरि-दिल्ली/5/77-78/23250—इस कार्यालय की
दिनांक 19-8-77 की अधिसूचना संख्या जुरि०-दिल्ली/5/77-
78/21973 की अम संख्या 1 में कालम-3 के अन्तर्गत

प्ररूप आई० टी०० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 मितम्बर 1977

निर्देश मा० 35-ब०/ए, क्यू०—यत मुझे, श्रमर सिंह
विसेन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी मा० मकान ना० 52/96-ए० है, तथा जो लक्ष्मी कुन्ड
(लक्मा) वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 20-1-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण में हूई किसी आय की बाधत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

1. श्रीमती निहारिका दास गुप्ता

(अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार गिनोडिया बिक्रेता

(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी बिक्रेता
[यह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित है, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान ना० 52/96-ए०, नाप 460 वर्ग मीटर जो
लक्ष्मी कुन्ड (लक्मा), वाराणसी में सप्तति है।श्रमर सिंह विसेन,
मकान प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ।अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अन्तरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख 7-9-1977

मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 सितम्बर 1977

निदण स० सी० एच० डी०/८९/७६-७७—यत, मुझे,
रविन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी स० 1 कनाल मकान न० 2192, सैकटर 21-सी०,
चण्डीगढ़ है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि विधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विस्तीर्ण या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 (1) श्री लोक नाथ

(2) श्री राम लाल—सपुत्र श्री मावन राम
मार्फत मुख्तियारे आम, श्री अमर नाथ कमरा
निवासी मलोट, जिला फरीदकोट (पंजाब)
(अन्तरक)

2. (1) श्री चमन लाल डोडा, सपुत्र श्री हम राज डोडा
(2) श्रीमती सुदर्शन डोडा पत्नी श्री चमन लाल डोडा
मकान न० 2192, सैकटर 21-सी०, चण्डीगढ़
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में नोई सी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृत्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :——इसमें प्रश्नकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कनाल मकान न० 2192, सैकटर 21-सी०, चण्डीगढ़
(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय
में रजिस्ट्री विलेज न० 1630 फरवरी 1977 में ली गई)।

रविन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख 9-9-1977

मोहर :

प्ररूप ग्राही० दी० एन० एस०—

अधिकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 सितम्बर 1977

निर्देश स० डी० डब्ल्य० वी०/14/76-77—यत, मुझे,
रविन्द्र कुमार पठानिया,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० कृपि भूमि जिसका रकबा 182 कनाल 11
मरना है, तथा जो गाँव मुखरावाला, तहसील उबवाली जिला
मरना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उबवाली
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख फरवरी, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त प्रधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1 श्री रमेश कुमार मपुव श्री मनोहर लाल मपुव श्री
जोधा गम निवासी गाँव मुखरावाला, तहसील
उबवाली, जिला मरना
(अन्तरक)

2 (1) श्री गणेश मल
(2) श्री चेनन दाम—मपुव श्री दिवानी मल
निवासी गाँव मुखरावाला, तहसील उबवाली, जिला
मरना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकें।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भायित हैं, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि जिसका रकबा 182 कनाल 11 मरना जो कि
गाँव मुखरावाला, तहसील उबवाली, जिला मरना में स्थित है।

(सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, उबवाली के
रजिस्ट्रेकर्ता क्रमांक न० 3676, फरवरी, 1977 में लिखा है।)

रविन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयक्ता (निरीक्षण),
अर्जन रेज, रोहतक।

तारीख 9-9-1977

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 सितम्बर 977

निर्देश स० सी० एच० डी०/८१/७६-७७—यत, मुझे
रविन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी म० रिहायशी मकान न० 501, सैकटर 11-बी०
है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुभूति
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख फरवरी 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान
प्रतिफल का पञ्चवृत्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्घ किसी आय की आवत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः आव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री राजा गम मपुत्र श्री छज्जू गम, गली न० 4 कृष्ण
नगर होशियारपुर

(अन्तरक)

2 (1) श्री मोहन मिह मपुत्र स्व० श्री मेजर इन्दर सिंह
(2) श्रीमती भत्या गडोके पत्नी श्री सोहन मिह
मार्कट बियू होटल, सैकटर 10, चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आवासनीय मकान न० 501 जोकि प्लाट न० 1-पी०
गली 'ज०' सैकटर 11-बी० चण्डीगढ़ में बना है और जिसका कुल
रक्का एक कनाल है।

(सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के
कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1416—फरवरी मास में दिखाई
गई है)।

रविन्द्र कुमार पठानिया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, रोहतक।

तारीख 13-9-1977

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 मिनम्बर 977

निर्देश मं० एम० पी० टी०/ (दिल्ली) 19/76-77—यत्,
मुझे, रविन्द्र कुमार पठानिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी स० फैक्टरी बिल्डिंग भूमि महिन है, तथा जो गाव
कुड़ली, जी० टी० गोड, देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, देहली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख, मार्च 1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, सिम्लिक्षित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकल नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्ती, ग्रन्तिः—

4-266GL/77

1. श्री चरणजीत सिंह सिंघात सपुत्र श्री कीरत सिंह
सिंघात ए-74, साऊथ एक्स्टेंशन पार्ट II, नई
दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री कुलदन लाल सपुत्र श्री करतार सिंह बी-ज/7,
माउन टाउन, देहली-9 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 8 कनाल 5 मरला (5000 वर्गगज) जिस पर
फैक्टरी बनी है खेवट नं० 116 खाता नं० 198 मुस्ततिल नं०
6 किला 12/1(3-2) मुस्ततिल 6 किला नं० 9/2 और 10/1
(5-3) और भूमि जिसका रकबा 7 कनाल 15 मरला (4500
वर्गगज) जिसमें अन्याक का आधा भाग 2250 वर्गगज है और
जोकि खेवट नं० 116 खतोनी नं० 198 मुस्ततिल नं० 6 किला
नं० 1/2 और 2/2 (5-2) और किला नं० 9/1 और 10/2
(2-13 दोनों सम्पति गाव कुड़मी तहसील और जिला सोनीपत
में स्थित है ।

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी देहली के रजिस्ट्री
क्रमांक नं० 97-मार्च 1977 में लिखा है ।

रविन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, रोहतक ।

तारीख : 13-9-1976

मोहर :

प्रख्युप आई० ई० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 7 सितम्बर 1977

निर्देश स० 395/एकु-III/77-78/कलकत्ता—यतः, मुझे,
किशोर भेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है

और जिसकी स० 198 और 198/1 है, तथा जो विधान
सरनी, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 2-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हेम्बद चन्द्र भट्टाचार्य 74, विशेषकानन्द रोड
कलकत्ता ।

(अन्तरक)

2. श्री अमूल्य चरन दास, 77/डी०, बेनियाटोला स्ट्रीट,
कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री जगदीश भट्टाचार्य,
 - (2) श्रीमती पार्लबाला भट्टाचार्य
 - (3) श्री भोलानाथ तनापाल
 - (4) श्री माधु बेहारा
 - (5) श्री मानिकलाल गुप्त
 - (6) श्री नृपेन्द्र मोहन भट्टाचार्य
 - (7) श्री काली कुमार चक्रबर्णी
 - (8) श्री अनिल दास
 - (9) मे० एम० भट्टाचार्य पृष्ठ को०
 - (10) श्री मुधाशु शेखर धोप
- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

करीब 5 कट्टा 9 छटाक 8 स्कॉ० फुट जमीन साथ तिन तल्ला
मकान जो 198 और 198/1, विधान सरनी, कलकत्ता पर
अवस्थित और जो रजिस्ट्रार आफ एमुर्नेम, कलकत्ता द्वारा
रजिस्ट्रीकृत दलीप स० 434/1977 के अनुसार है ।

किशोर भेन

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता-16

तारीख : 7-9-19

सोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 मितम्बर 1977

निर्देश सं 394/एक्युरे-III/77-78/कलकत्ता—यतः, मुझे,
किशोर सेन,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थायकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं 82 है, तथा जो महात्मा गांधी नोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 9-2-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री प्रसिपेन्द्र नाथ बोस, 30, मोहन बागान लेन,
कलकत्ता ।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती दिपाली दत्त, 82, महात्मा गांधी रोड,
कलकत्ता-9 ।

(2) डा० श्रीमती चिन्मयी चट्टर्जी 175, सन्तोप्पुर
ग्राम्य, कलकत्ता-32 ।

(अन्तरिती)

3 (1) मे० धर अदस
(2) श्री अजित कुमार दत्त
(3) श्री अनिल कुमार दत्त (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितमुद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित
है, वही प्रथ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

करीब 1 कट्टा 13 छटाक जमीन साथ उस पर बनाया
तीनतला मकान जो 82, महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता पर
अवस्थित और जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स, कलकत्ता द्वारा
रजिस्ट्रीकृत दिलिल सं 533/1977 के अनुसार है ।

किशोर सेन
मकान प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कलकत्ता-16

तारीख : 7-9-1977

मोहर :

प्ररूप ग्राही० टी० एन० एस०————

1. श्री धनश्याम दास आर० तुलानी, नेवाचंद धनश्याम दास यलानी।

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक सितम्बर 1077

निर्देश सं० अ० ड०-1/1932-2/जन-77—यतः मुझे, एफ० जे० फर्नांडीज, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं० मी० एम० न० 769 (अश) मालवर्गहूल एण्ड कवालाहिल डिवीजन है, तथा जो बम्बई में स्थित है, (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-1-1977

को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269प के अनुमरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- 2 (1) राधावाई खेमचंद
 (2) कमला भगवानदास दास पजाबी
 (3) जमनादास धनश्यामदास तुलियानी
 (4) मविता मी० अडवानी
 (5) देवी एम० शिवदासानी
 (6) भोती आर० गुलराजानी
 (7) भगवान आर० गुलराजानी
 (8) हसानद टी० जधवानी
 (9) राज अहजा
 (10) लीला बी० अडवानी
 (11) उधराम के० पजाबी
 (12) मोतिल यू० पजाबी
 (13) होमी जे० देमाई
 (14) टिकनवाई मी० दमवानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबै में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन वे भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में व्याप्ति अधिक है वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख न० 654/66/बम्बई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 17-1-1977 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एफ० जे० फर्नांडीज
 सक्रम प्राधिकारी
 सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख 9-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ग

(1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

वार्यालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 सितम्बर 1977

निर्देश स० अ० ई०-1/1941-11/77—यत, मुझे
एफ० ज० फनन्डीज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० मर० प० न० 2/669 का मालाबार एण्ड कंपनी लिंग्वीजन अलटामांड रोड के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-1-1977

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

परत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमाणतः—

1 (1) श्रीमती चंपाबेन कन्जी
(2) श्रीमती निमला देवजी,
(3) श्रीमती तारा इस्माइल कन्जी
(अन्तरक)2 मंसरं, अभय बिल्डर्स प्रा० लि० वैक आफ डिया
(अन्तरिती)

3 श्री कृष्णा कुमार एच० पठिन और जवाहर बी० मुच्छला (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकें।

साष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख मं० 1721/72/बम्बई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 20-1-1977 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एफ० ज० फनन्डीज,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, बम्बईतारीख : 15 सितम्बर 1977
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 सितम्बर 1977

निर्देश म० टी० टी०/20/77-78—यतः, मुझे, एस० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹० में अधिक है

और जिसकी म० भूमि ग्राम पजवार, झबाल है, तथा जो भिखी विन्ड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तरनतारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याति :—

1. श्री भगवान सिंह पुत्र श्री प्रताप मिह सूद ग्राम—हीरापुर मम्बद्ध पजवार, तहसील तरन तारन, जिला अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री तारा सिंह पुत्र श्री हजारा मिह, ग्राम—झबाल कला तहसील तरन तारन, जिला—अमृतसर (अन्तर्गती)

3. जैमा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अकित है और यदि कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि नाप 50 के० 5 एम० जो ग्राम पंजवार में स्थित है झबाल भिखी विन्ड रोड पर स्थित है जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 4566 जनवरी 1977 में, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तरन तारन में लिखा है।

एस० के० गोयल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 5 सितम्बर 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 मिन्हर 1977

निर्देश स० ए० एम० आर०/21/77-78—यतः, मुझे
एम० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी म० भूमि है, तथा जो आर० बी० प्रकाश चन्द रोड
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों,
को, जिन्हे भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, अक्तियों, अर्थात् —

1 श्री देवराज चौपडा पुत्र श्री दुर्गादास कटरा दूलो, गली
कलाला, अमृतसर।

(अन्तरक)

2 श्री केवल कृष्ण पुत्र श्री मदन लाल 79, कटरा मोतीरमा
अमृतसर।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर क्रमाक 2 पर अकित है और यदि कोई
किराएदार है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि पर तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूखण्ड नाप 602-87 वर्ग गज जो आर० बी० प्रकाश
चन्द रोड पर स्थित है पुलिम परेड गाऊन्ड के भागमें जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख मध्या 1292 जनवरी 1977 में रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर
मोहर :
तारीख 5 मिन्हर 1977

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 मित्स्वर 1977

निर्देश सं० ए० एस० आर० /22/77-78—यतः, मुझे, एस० के० गोयल,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 छ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो आर० बी० प्रकाशचन्द रोड, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण स्वप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ष के अनुसर में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ष की उपशारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रहणतः—

1 श्री कमल किशोर पुत्र श्री दुर्गादास कटरा दूलो, गली कलाला, अमृतसर ।

(अन्तरक)

2 श्री मदन लाल पुत्र श्री गुलजारी मल 79, कटरा मोनी राम, अमृतसर

(अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अकिन है और यदि कोई किरायदार है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में मूल्यगति है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी व्याख्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में भसाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूखण्ड नाप 639 13 वर्ग गज जो आर० बी० प्रकाश चन्द रोड पर स्थित है पुलिस परेंड ग्राउण्ड के मामने जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विनेश मख्या 1291 जनवरी 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर-अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायूक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर
तारीख 5 मित्स्वर 1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 मित्तम्बर 1977

निर्देश स० ए० एम० आर०/23/77-78—यत, ए०
एम० क० गोयल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी स० सकान न० 8ए कटरा शेर भिंह गली
न० 1 मे स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची मे और
पूर्ण स्थै से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
शहर—अमृतसर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, नारीश जनवरी 1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल वे लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्थि त से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व मे कभी करने या उससे बचने मे
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
मे सुविधा के लिए;अन्; अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
प्रनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों अर्थात्—
5—266GI)771 श्रीमती गुलाब देवी विधवा दीवान मिह, कटरा शेर सिह,
अमृतसर। (अन्तरक)

- मैमर्ज रामा द्विष्ण डाइग एण्ड प्रिंटिंग व्हर्स, सकान
न० 8-ए, कटरा शेर मिह, अमृतसर। (अन्तरिती)
- जैमा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अकित है और यदि कोई
किराणदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे
सम्पन्न है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पन्न मे सचिवता हो (वह व्यक्ति
जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह
सम्पन्न मे हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेपः—

- इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी अस्तित्व
द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित मे किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित
है, वही धर्थ होगा, जो उस अध्याय मे
दिया गया है।

अनुसूची

सकान न० 8-ए, कटरा शेर मिह, गली न० 1 जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख मख्या 1263 जनवरी 1977 मे रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी, शहर अमृतसर मे लिखा है।

एम० क० गोयल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 5 सिम्बर 1977,

मोहर :

प्रस्तुप थाई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती मोहन्दर कौर पत्नी करनार मिह 340, पुरब मोहन नगर, अमृतसर (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 सितम्बर 1977

निर्देश स० ए० एस० आर०/24/77-78-यतः, मुझे, शिव कुमार गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० कोठी नं० 340 का आधा हिस्मा है, तथा जो पूरब—मोहन नगर अमृतसर से स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गहर—अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जहेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता/तृतीयः—

2. श्रीमती जमदीर कौर पत्नी श्री गोपाल मिह पुत्र श्री मोहन्दर सिह, निवासी—ग्राम—कोटला सदर, नहमील—अजनाना, जिला—अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अक्षित है और यदि कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 340 पुरब मोहन नगर का अमृतसर आधा हिस्मा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख मध्या 1238 जनवरी 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गहर अमृतसर म लिखा है।

एम० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 14 सितम्बर 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1 श्रीमती पि० सुजाता, दोम्बेल

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा दिनांक 15 सितंबर 1977

निर्देश म० 444—यत., मुझे, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

ग्रांर जिसकी म० 1092, 15 वार्ड है, नथा जो राजमन्डी मे०
स्थित है (ग्रांर इसमे० उपावड अनुसूची मे० ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमन्डी मे० रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
1-1-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे० वास्तविक
रूप से कपित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे०
कमी करने या उससे बचने मे० सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को,
जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने मे० सुविधा के लिए;

अतः यद्युक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
मे०, मे०, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अन्नीय निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. (1) श्रीमती अंगुटपल्ली परैश्या लायड़ु
- (2) अंगुटपल्ली एस्कलेड्या लायड़ु
- (3) अंगुटपल्ली सीताराम रेही
- (4) श्रीमती अंगुटपल्ली लक्ष्मण
- (5) श्रीमती पौल विजयलक्ष्मी राजमन्डी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हू०।

उक्त सपत्नि के अर्जन के संबंध मे० कोई भी आक्षय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भे०
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से
किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितबद्ध किसी
प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे०
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि०
नियम, के अध्याय 20क मे० परिभासित है, वही
पर्यं होगा जो उस अध्याय मे० दिया गया है।

अनुसंधान

राजमन्डी रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक यत 15-7-77
मे० पजीकृत दस्तावेज न० 6/77 मे० निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रजंन रेज, काकिनाडा

तारीख : 15-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 सितम्बर 1977

निर्देश सं० ए० पी०/713—यत्, मुझे, बी० ए० स० दहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसको म० जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो बहरेम मरीष्टा, जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री व्यारा मिह, पुत्र श्री रल्ला मिह गाव बहरेम मरीष्टा, तहसील जालन्धर

(अन्तरक)

2. श्री हर भजन मिह पुत्र श्री जगन मिह, गाव बहरेम सरीष्टा, तहसील जालन्धर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों पर यह का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में पथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसाकि विलेख न० 5159 जनवरी 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० ए० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 14-9-1977

मीहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 सितम्बर 1977

निर्देश स० ए० पी०/1714—यत्, मुझे, बी० एस० दहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका दाचन बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

ग्रौंर जिसकी स० जैसाहि अतुरुची मे ह, तथा जो गैन्ट्यूल टाउन, जालन्धर मे स्थित है (ग्रौंर इसमे उपावद्ध अनुमूची मे ग्रौंर पूर्ण स्वा मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1977 को

पूर्वोक्त गमनानि के उचित बाजार मूल्य मे कत के दृश्यमान प्रतिफल के निये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रौंर अन्तरक (अन्तरको) और अन्तर्ती (अन्तर्गतियो) के बीच ऐसे अन्तरण ने लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे दास्ताविक रूप से नाथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने का अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए,

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के द्वीन, अन्मनलिखित व्यक्तियों अन्तर्गत :—

1 श्री अमर नाथ पुत्र श्री हरी राम अटौरनी आक श्रीमती शान्ति देवी पत्नि श्री हरी राज, गली न० 9, मैन्ट्रल टाउन, जालन्धर

(अन्तरक)

2 श्री वासदेव भला पुत्र श्री अमर नाथ पुत्र श्री हरी राम, 9 मैन्ट्रल टाउन, जालन्धर

(अन्तरिती)

3. श्री ओम प्रकाश (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

1 जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सकें।

स्पष्टीकरण.—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुभूची

जायदाद जैसा कि विनेश्व न० 5196 जनवरी 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर मे लिखा है।

बी० एस० दहिया

सकम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

नामीय 14-9-1977

माहूर

प्रमुख आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मितम्बर 1977

निर्देश सं० ए०-१७१५—यत्, मुझे, बी० ए० म० दाहिया, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूचि म है, तथा जो शहीद उद्दम मिह नगर जालन्धर मे स्थित है (और इसमे उपावद्ध अनुसूचि मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्राप्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. आजाद नकोदर बस सर्विस (प्राईवेट) लिमिटेड, जालन्धर द्वारा श्री आत्मा राम मनोजिंग डायरेक्टर तथा श्री दातार सिंह डायरेक्टर

(अन्तरक)

2. श्री नरेण कुमार, सुरेश कुमार पुत्र श्री बाबू लाल मार्फत मुनी लाल रोशन लाल—वलाथ मर्चेन्ट अटारी बाजार, जालन्धर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 मे है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध मे कोई भी व्याक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सके।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि विलेख न० 6256 फरवरी, 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर मे लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 14-9-1977

मोहर :

प्रख्याप आई० दी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीमति रेज, पूना

पूना-411004, दिनांक 3 मित्तम्बर 1977

निर्देश सं० सी० ग० 5/बम्बई (पूना)/फरवरी/77/339/
77-78—यत्, मुझे, श्रीमति पी० लालबानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक हैऔर जिसकी भं० न० 111/8 है, तथा जो शिवाजी नगर पूना
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 24-2-1977 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया
है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे अधिन में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्तः—1. श्रीमति कुमूद पी० श्रमणी माफत मिल्टन्स लिमिटेड,
मयूर द्वाम मिल्स, कंपाऊड एन० एम० जोशी मार्ग
पटेल, बम्बई-400013

(अन्तरक)

2. मिल्टन्स लिमिटेड मधुरदाम मिल्स कपाउड एन०
एम० जोशी मार्ग पटेल, बम्बई-400013
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या संसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और उसके ऊपर मकान जिसका मर्व सं० 118/8,
फायनल प्लाट नं० 445 जो भावुडी, शिवाजी नगर, पूना 5
में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 4150.3/4 स्क्वेयर याड़
है।(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नमाक 4695 दिनांक
24-2-1977 को सब रजिस्ट्रार, बम्बई के दफ्तर में लिखा है।श्रीमति पी० ललबानी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
श्रीमति रेज, पूना

तारीख : 3-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 12 सितम्बर 1977

निर्देश म० पी० टी० ए०/५/७६-७७- यत, मुझे,
एल० पी० धीर, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन
रेज, लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है
और जिसकी म० भूमि 40 बिंदा 18 बिंदा है, तथा जो गाव
पेनोधिया, नहसील पटियाला मे स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, पटियाला मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थति:—

1. श्री करम मिह, पुत्र श्री सोनल मिह निवासी गाव
पेनोधिया, तहसील पटियाला
(अन्तरक)

2. (1) श्री वलराज मिह
(2) श्री गुरबिन्दर मिह}—पुत्र श्री गुरदीप मिह
निवासी गाव, पेनोधिया, तहसील पटियाला
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध मे कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख मे 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की
तामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे मे किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख मे 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे
किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभायित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 40 बींदा 18 बिंदा जो कि गाव पेनोधिया,
तहसील, पटियाला मे स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता विनेख न० 4834 जनवरी,
1977 मे रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय मे
निखा है।)

एल० पी० धीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 12 सितम्बर 1977

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना कार्यालय

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1977

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/118/77-78—यह, मुझे, एस० पी० धीर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक दुकान नं० बी०-7/459 नया नं० बी०-7-499 है, तथा जो दोलत राम मार्किट, साबुन बाजार, लुधियाना में स्थित है, (और हमसे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—
6-266GI/77

- 1 (1) श्री सत पाल
(2) विश्व दाम
(3) अमर नाथ
(4) श्री चमन लाल —पुत्रान् श्री नदीलत राम
वासी चावल बाजार, लुधियाना

(अन्तरक)

2. श्री भूषण ला पुत्र श्री नन्द लाल पुत्र श्री गम दित्ता
मल बी०-11-863, बन्ड मुहर्ला, लुधियाना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्योगिता:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० बी०-7/499 पुराना नं० बी०-7/459
दोलत राम मार्किट, साबुन बाजार, लुधियाना (रजिस्ट्री नं०
1767, जनवरी, 1977)।एस० पी० धीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियानातारीख 15-9-1977
मोहर .

प्रलेप आई०टी०एन०एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना कार्यालय

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1977

निर्देश स० एल० डी० पू०/मी०/119/77-78--यत्,
मुझे, एल० पी० धीर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी मूल्य एक दुकान नं. बी०-7/459, नथा नं०
बी०-7-499 है, तथा जो ढोलत राम मार्किट, साबुन बाजार,
लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16.) के अधीन, तारीख जनवरी 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें सार्वतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त—

1. (1) श्री सतपाल
(2) श्री बिश्न दाम
(3) श्री अमर नाथ
(4) श्री चमन लाल--पुत्रान श्री दौलत राम
वामी चावल बाजार, लुधियाना

(अन्तरक)

2. श्री नन्द गुप्त धुव श्री गोपी चन्द निवासी बी०-10/
42, इकबाल गंज लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० बी०-7/499 पुराना न० बी०-7/459
ढोलत राम मार्किट, साबुन बाजार, लुधियाना (रजिस्ट्री न०
1767, जनवरी, 1977।

एल० पी० धीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेयान लुधियाना

तारीख 15-9-1977
मोहर।

प्रारूप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज लूधियाना कार्यालय

लूधियाना दिनांक 15 अक्टूबर 1977

निर्देश म० एल० डी० एक०/सी०/120/77-78—यतः,
मूल्य, एल० पी० धीर सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लूधियाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिमकी म० एक दुकान न० बी०-७/४५९ नया न० बी०-७/
४९९ है तथा जो दौलत राम मार्किट, साबून बाजार, लूधियाना
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अवूमूर्ची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लूधियाना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
अधीन नारीख जनवरी 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विद्वित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
प्रत्युत्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति:—

(1) श्री मतपाल

(2) श्री विश्व दाम

(3) श्री अमर नाथ

(4) श्री चमन लाल —पुत्रान् श्री दौलत राम
बामी चावल बाजार लूधियाना

(अन्तरक)

2 श्री राम चन्द्र पुत्र श्री जमना दास बासी 1408/1
मुख्यगम नगर लूधियाना

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी ग्राहक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
करी के पास विद्वित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक दुकान न० बी०-७/४५९ (नया न० बी०-७/४९९)
जो कि दौलत राम मार्किट, साबून बाजार, लूधियाना में स्थित है
रजिस्ट्री न० 753 मई 1977 सब रजिस्ट्रार, लूधियाना।

एल० पी० धीर
सदाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लूधियाना
तारीख 15-9-1977
मोहर :

प्र० ४१६ प्र० १०० एन० १००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लूधियाना कार्यालय

लूधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1977

निर्देश स० एल० डी० एच०/सी०/१२१/७७-७८—यत्,
मूँझे, एल० पी० धीर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लूधियाना,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पासात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी स० एक दुकान न० बी०-७/४५९ (नया न०
बी०-७/४९९ है तथा जो माबून बाजार लूधियाना में स्थित
है (ओर इसमें उपावद्ध प्रत्युत्तमी में और पूर्ण रूप में वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लूधियाना में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 26) के अधीन तारीख
जनवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अपेक्षियों, अर्थात् :—

1 (1) श्री मत पाल
(2) श्री बिश्व दाम
(3) श्री अमर नाथ
(4) श्री चमन लाल —
पुत्रान् श्री दीलत राम वामी चावल बाजार
लूधियाना
(अन्तरक)

2. (1) श्री जगदीश चन्द्र
(2) श्री मदन लाल
पुत्रान् श्री राम दित्ता मल वामी बी०-४/१२२२
गली कमरा दरेमी रोड लूधियाना
व
श्री विद्या नन्द पुत्र श्री राम दित्ता मल वामी
११६५ दरेकी रोड लूधियाना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेत्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ,
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक दुकान न० बी०-४५९ (नया न० बी०-७/४९९ है
जो कि माबून बाजार लूधियाना (दीलत राम भार्कीट में स्थित
है ।

(रजिस्ट्री न० १८०९ जनवरी, 1977) सब रजिस्ट्रार
लूधियाना (अर्जन) ।

एल० पी० धीर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लूधियाना
तारीख 15-९-१९७७
मोहर

प्रूप्र आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मितम्बर 1977

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/122/77-78—यत्,
मुझे, एल० पी० धीर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', बहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एक दुकान न० बी०-७/459 नया न० बी०-७/
499 है, तथा जो दीनत गम मार्कीट माबुन बाजार लुधियाना
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पृ० ४० रूप
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जनवरी 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः प्रब्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवतिर्ण: अवतिर्ण:—

- 1 (1) श्री मन पाल
(2) श्री बिश्न दास
(3) श्री अमर नाथ
(4) श्री चमन लाल —पुत्रान् श्री दीनत राम
बामी चाबन बाजार लुधियाना
(अन्तरक)

2 श्री मया दास पुत्र श्री करम चन्द व श्री महिन्द्र पाल
पुत्र श्री मया दास बी०-१३/१२८८, कोट आलमगीर,
लुधियाना
(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक दुकान न० बी०-७/499 पुराना न० बी०-७/459
दीनत गम मार्कीट, माबुन बाजार लुधियाना (रजिस्ट्री न०
1767, जनवरी, 1977।

एल० पी० धीर

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 15-9-1977

मोदूर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन

लुधियाना, दिनांक 15 मिन्हम्बर 1977

निर्देश म० एल० डी० पृ०/सी०/123/77-78—यत्, मूले, एल० पी० धीर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० एक दुकान जायदाद न० बी०-7/459 नया न० बी०-7/499 है, तथा जो दौलत राम मार्केट, माबुन बाजार, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पुणे रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1977

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन 'निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः:—

1. (1) श्री मत पाल
(2) श्री बिश्वास दाम
(3) श्री अमर नाथ
(4) श्री चमन लाल —पुत्रान् श्री दौलत राम बासी बाबूल बाजार, लुधियाना

(अन्तरक)

2. (1) श्री नन्द लाल
(2) श्री मुकन्द लाल
(3) लष्मन दाम—पुत्रान् श्री नेता राम बासी बी०-7/886, लकड़ बाजार, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वेष्टसाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान न० बी०-7/459 (नया न० बी०-7/499) दौलत राम मार्केट, माबुन बाजार, लुधियाना।

(रजिस्ट्री न० 1768 जनवरी 77 सब रजिस्ट्रार लुधियाना)।

एल० पी० धीर
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 15-9-1977

मोहर :

प्रखण्ड प्राई० टी० एन० एस०

श्री मुन्ही पुत्र श्री माधू

(अन्तरक)

2. श्री पाला व करनेल मुपुत्र श्री काला गम

(अन्तरिती)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, आयकर भवन
लुधियाना दिनांक 15 सितम्बर 1977

निर्देश सं० पीटीए/8/76-77—यत्, मुझे, एल० पी० धीर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी स० जायदाद जो कि रजिस्ट्री न० 4819 है, तथा जो जनवरी 1977 में दर्ज है मे० स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची मे० और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला मे० रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्युपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, प्रर्दान :- -

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे० कोई भी आधेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों मे० से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे० परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे० दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जो कि सब रजिस्ट्रार पटियाला की रजिस्ट्री न० 4819 जनवरी, 1977 मे० दर्ज है।

एल० पी० धीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 15-9-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन

लुधियाना, दिनांक 15 मित्स्वर 1977

निर्देश सं० पी०टी०आर०/1/76-77—यतः, मुझे
एल० पी० धीर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेज, लुधियाना,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं०मेरे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मेरे
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पातरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जनवरी, 1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उत्तरेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

श्री विलोकी नाथ पुत्र श्री मुकन्द राम गाव मौलवी
बाला (पातरा)

(अन्तरक)

2 श्री अनंद मिह, गुरुद्वारा मिह बनवीर मिह पुत्रान
इन्द्र मिह गांव हाममेडी (पातरा)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

उत्तरांकण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 165 कनाल 11 मरले गांव मौलवी बाला।

एल० पी० धीर,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 15-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
ग्रंथनं रेज, लुधियाना,
लुधियाना, दिनांक 15 मितम्बर 1977

निर्देश म० पी०टी०ए०/6/76-77—यत, मुझे, एल० पी०
धीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद जो कि रजिस्ट्री नं० 4906 है, तथा जो जनवरी 1977 में लिखित है स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) ग्रन्तरण से हृदई किसी ग्राम की बाबत उक्त ग्रंथिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौग्या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्तुत आस्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भारत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

7-266 GL 77.

१ श्री हरी भिह, पुव श्री मंगल भिह, गाव मंसारवल
(पटियाला) । (अन्तर्क)

2. श्री नारायण मिह, पुत्र सम्पूर्ण मिह व हरभल्य कौर
पत्नी नारायण मिह, गांव संमारवल (पटियाला)।
(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके प्रश्नोंका भवित्व के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के व्यर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रत्येक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस मूल्यना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितधद्दि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ଅମ୍ବାଜୀ

जायदाद, जमीन जो कि रजिस्ट्री नॉ 4906 जनवरी, 1977 में दर्ज है।

(सब रजिस्ट्रार पटियाला) ।

एल० पी० धीर,
मठम प्राप्तिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना।

तारीख : 15-9-1977

मोहर :

प्रलेप शार्ह० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना,

पटना, दिनांक 12 मितम्बर 1977

निर्देश स० III-264/अर्जन/77-78—यत., मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हप्ते से अधिक है

और जिसकी खाता स० 634 (पुराना) 475 (नया) खेसरा स० 1248 (पु.) 140 (नया) है, तथा जो ओरियन्टलकलब रोड, मुजफ्फरपुर मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूति मे श्रीराम पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरपुर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

के पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, रो, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयीतु:—

1. प्रोफेसर डा० श्रीमती सरोज प्रसाद पत्नी डा० गंगा प्रसाद ओरियेट कलब के ममीप, आमगोला रोड मुजफ्फरपुर (अन्तरक)

2. श्रीमती आशा देवी पत्नी श्री नारायण सिंह, श्री रामेश्वर मिह पुत्र श्री गोपी मिह तथा श्रीमती शीव कला देवी पत्नी श्री सुरेश नारायण सिंह मोहल्ला—आमगोला, ओरियन्ट कलब के सामने, मुजफ्फरपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-के परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रक्खा 1 कट्ठा 11 धूर दो मजिला मकान के सहित, स्थित मुहल्ला आम गोला, मुजफ्फरपुर, खाता स० 634 (पुराना) 475 (नया) खेसरा स० 1248 (पुराना) 140 (नया) दस्तावेज स० 1664 तिथि 6-1-77 मे वर्णित है।

ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पटना

तारीख: 12-9-1977
मोहर.

प्रह्लप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेज, पटना

पटना, दिनांक 12 सितम्बर 1977

निर्देश सं 111-263/ग्रंजन /77-78—यत, मुझे, ज्योतीन्द्र

नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी खाता सं 634 (पुराना) 475 (नया)
खेसरा 1248 (पु.) 140 (नया) है, तथा जो ओरियन्ट
कलब रोड, मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-2-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवधियों अर्थातः:—

1. प्रोफेसर डा० मिसेज सरोज प्रसाद पत्नी डा० गगा
प्रसाद, ओरियन्ट कलब के सामने, आमगोला रोड
मुजफ्फरपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती भैनसमी देवी पत्नी श्री सुरेन्द्र मिह श्रीमती
दायापत देवी पत्नी श्री राम परिधन मिह तथा
श्रीमती निरमला देवी पत्नी श्री सुर्य प्रताप सिह,
ओरियन्ट कलब के सामने, आमगोला रोड,
मुजफ्फरपुर।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी धन्य अवधि द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन रक्खा 1 कठ्ठा 9 धूर हो मंजिला मकान के सहित,
स्थित मुहल्ला आम गोला, मुजफ्फरपुर खाता न० 634
(पुराना) 475 (नया) खेसरा न० 1248 (पुराना),
140 (नया) दस्तावेज संख्या 1664 तिथि 14-2-77 में वर्णित
है।

ज्योतीन्द्र नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रंजन रेज, पटना।

तारीख : 12-9-1977
मोहर .

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मिन्हवर 1977

निर्देश स० आर० ग०-सी०-७९/७७-७८—यत, मुझे,
के० एम० बैंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी मर्यादा 1941, 1944 है, तथा जो पुदलाकर
राम्ता नैलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नैलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, नारीख 15-1-1977

को पूर्वोक्त गम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उम्मके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए, और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री तीकावरपू पट्टावी गमी रेडी पिता रामी रेडी
58-(20-बी०) मार्कीट रास्ता बगलूर।
(अन्तरक)

2. (1) सीदा रेडी नरमा रेडी-गुडीपाडुआतमाकूर-
तालूक-नैलूर
- (2) सीदा रेडी रमना रेडी गुडीपाडुआतमाकूर
तालूक-नैलूर
- (3) सीदारेडी कीशना रेडी गुडीपाडुआतमाकूर
तालूक नैलूर
- (4) अयामारी कोटा रेडी गुडीपाडुआतमाकूर
नैलूर जिला
- (5) अयामारी वेकटरेडी पिता नरमा रेडी, गुडीपाडु-
आतमाकूर
- (6) आतीवरपू बीरा रेडी-कालीबेलापानेम-नैलूर-
तालूक
- (7) पोलेपाल श्रीमा-पती-णेणा रेडी खुनावाई कोकर
तालूक नैलूर जिला
- (8) पोलेपली बुजम्मा पती गदाकुण्णारेडी काली-
बेलापानेम नैलूर नैलूक
- (9) कटमरेडी गोपाल रेडी पिता चिनाराम रेडी
काली बेलापानेम नैलूर तालूक नैलूर जिला
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में
विद्या गया है।

अनुसूची

4. 02 एकसं जमीन नैलूर बीट न० I पन्चायत में पदलूकर
रास्ता नैलूर में है जिसका सरवे न० 1941 और 1944 रजिस्ट्री
की गई दस्तावेज न० 114/77 उप सहायक रजिस्ट्रार कार्यालय
नैलूर में।

के० एम० बैंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 9-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदरगाबाद

हैदरगाबाद, दिनांक 9 मितम्बर 1977

निर्देश स० आरा० ग० सी० न० 80/77-78—यत, मुझे,
के० एम० वेकट रामन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
में अधिक हैऔर जिसकी स० सर्वे न० 823, 822, 151, 152, 171-
बी०/१ है, तथा जो धरेलू बनान कुवर नालूक नैलूर में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुमूल्ची में और पूर्णरूप में अंगित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुचीरेडीपालेम में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 21-1-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायित नहीं
किया गया है—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबें, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के साथित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1 श्री पेनुबली भीमेश्वर रेडी पिता स्वर्गीय बलाराम रेडी
नाराका प्राजिक्ट अनन्तरामामती पोस्ट लेगडा
दिवानकटा भैसुर बैनगलूर
(अन्तरक)2 श्री पोलेम रेडी वेकट कृष्ण रेडी गुंतेहार 1380, 32
क्राम रास्ता करनाटक काली जयानगर बैनगलूर-11
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन सर्वे न० 823 विस्ती न० 11 38 एकड़ स०
धरेलू बनगलु कीवूर नैलूर जिला में है रजिस्ट्री की गई दम्तावेज
न० 43/77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय वृजि रेडी पालेम में है ।के० एम० वेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदरगाबाद

तारीख 9-9-1977

मोहर :

प्रस्तुप घाई० टी० एन० एस०————

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1977

निर्देश स० आर० ए० सी० न० 81/77-78—यत., मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है

और जिसकी स० सर्वे न० 822/ए 151, 152, 171-बी०/१ है, जो चेरेलू बनगलू कीवूर नैलूर मे स्थित (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुची रेडी पालेम मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रतिफल (अन्तरको) और प्रतिशत (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हे भारतीय आधिकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

1. श्री येनुबली बिमेश्वर रेडी पिता स्वर्गीय बलराम रेडी ताराका प्राजेक्ट अन्तरासानता पोस्ट लेगडा दिवान कोटा मैसूर जिला करनाटका ।
(अन्तरक)

2. श्री पोलम रेडी वेंकटा कृष्णा रेडी ठिकेदार न० 1380, 32, क्रास सस्ता करनाटका गली बैगलूर 11
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित मे किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन सर्वे न० 822/ए०, 151, 152, 171-बी०/१ जुमला विस्तैन 9 24 थंक चेरेलू बनगलू कीवूर तालूक-नैलूर मे है रजिस्ट्री कीगई दस्तावेज न० 46/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय बुचीरेडी पालेम मे है ।

के० एम० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आधिकार आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-9-1977
मोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1977

निर्देश स० आर० ए० सी०-८२/७७-७८—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'इसमें' इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० 10-३-८१६ है, तथा जो विजय नगर कालोनी हैदराबाद में स्थित है (और इस उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-१-१९७७

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्मे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

- 1 (1) श्रीमती येनदमुरी अर्चंला देवी पती स्वर्गीय येगदमुरी सत्य नारायण राव वसीयतदार द्वारा वै० राम धनंदर राउ (2) वै० राम धेनदर राव घर न० 38-४-४ विजय वाडा पुनमाकोटा (3) श्रीमती के० मुंभा कुमारी वसीयतदार द्वारा वै० राम धेनदर राउ (4) कुमारी वै० वसना वैनकट रमना पिता वै० सत्य नारायण राव वसीयतदार वै० राम धेनदर राव 38-४-४ पुनमा कोटा विजयवाडा (अन्तरक)

2. श्री एस सीताराम्या घर न० 10-३-८१६ विजयनगर कालोनी हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रहने का घर न० 10-३-८१६ (36-118) विजयवाड़ानगर कालोनी में है मलेपली हैदराबाद छमता वैज न० 239/77 उप रजिस्ट्रार कार्यालय के रताबाद हैदराबाद में है।

जिके अलाफ में:—

उत्तर—घर न० 50/एम० 8

दक्षिण—रास्ता

पूरब—घर न० 37/एम० 8

पश्चिम—घर न० 35/एम० 8

के० एम० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 9-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1977

निर्देश सं० आर० ए० भी०-८३/७७-७८—यत्, मुझे,
के० एस० वेकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11-5-416/3 है, जो जाफर बाग लकड़ी का
पुल हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 7-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) हेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. 1. मिस पी० चेनाय वसीयत नामादार, श्रीमती येन चेनाय
घर नं० 143/1 मकाटैर रोड मिक्रोबाद।

2. 2. श्रीमती ए० बी० मिस्त्री-पत्नी वहरामजी 143/1
सिकन्दराबाद (अन्तरक)
जी०-लक्ष्मीनारायण घर नं० 6-2-659/4 चिन्तल वस्ती,
हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

तमाम जमीन की विस्तीर्ण —575 वर्ग यार्ड खैरताबाद
में हनुमान देवालय के पास म्यूनिसिपल नं० 11-5-416/3
जाफर बाग लकड़ी का पुल हैदराबाद में है जो कि दरनावेज
नं० 74/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय खैरताबाद हैदराबाद में है।

के० एम० वेकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 9-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद कार्यालय
हैदराबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1977

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं०-84/77ब/8—यतः, मुझे,
के० एस० बैंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन
सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० 7-1-24/2/बी० है, तथा जो बेगमपेट
हैदराबाद में स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 17-1-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चुदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्य
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिनाने में सुविधा के लिए;

वक्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती शौकत कुरेशी सहायक द्वारा श्रीमती रमी० नं०
बेगम घर नं० 4-1-1236/2 कोनमकोटी
हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार अग्रवाल घर नं० 6-3-864/5,
अमीर पट हैदराबाद
पुरशोत्तम वास बिजानिया 26-आर० य० मुकरजी
रास्ता कलकत्ता-700001
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन;—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन विस्ती नं० 750 वर्ग यार्ड सर्वे नं० 190 करताबाद
गाउ म्यूनिसिपल नं० 7/1-24/2/बी० बेगम पेट हैदराबाद
रजिस्ट्री की गई दस्तावेज नं० 81/77 उप रजिस्ट्रार कार्यालय
कैरताबाद में निकी अप्राफ मे:—

पूर्व—घर सम्पत्ति जकीया सुलताना का
पश्चिम—घर इन्दुबैन का
उत्तर—10' फीट रास्ता
दक्षिण—रास्ता

के० एस० बैंकट रामन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 9-9-1977

मोदूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269 घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, हैदराबाद
 हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1977

निर्देश सं० आर० ए० सी०-85/77-78—यतः, मुझे
 को एस० वेकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है
 और जिसकी सं० 3-4-616 है, तथा जो नारायण गुडा
 हैदराबाद में स्थित है (और इस उपावस्था अनुसूची में और
 पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन, तारीख 5-1-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-
 फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
 प्रतिशत से अधिक है और प्रतिरक (अन्तरको) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों
 को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय
 अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपलाभा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, ग्राहक :—

1. (1) श्रीमती के० हेमलता रेडी पत्नी के० एल० रेडी
 (2) वेकटेश्वर रेडी
 (3) सुपीरीया पिता के० एल० रेडी घर नं० 3-4-616
 नारायण गुडा हैदराबाद ।
 (अन्तरक)
2. श्रीमती के० सुशीला पती कल्याण राज घर नं०
 3-5-1023 नारायण गुडा, हैदराबाद
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वी अधिकारी पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
 दिया है ।

अनुसूची

धर के सामने का भाग सं० 3-4-616 सिका विस्तीर्ण
 252 वर्ग यार्ड नारायण गुडा हैदराबाद के पास है रजिस्ट्री की
 गई दस्तावेज नं० 17/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ।

के० एस० वेकट रामन
 सक्षम अधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-9-1977
 मोहर :

प्रस्तुति मार्फत ३० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1977

निर्देश स० आर० ए० मी०-८६/७७-७८—यत', मुझे,
के० ए० बैकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० 15-7-35/1 ता 35/4 है, तथा जो बेगम बाजार हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथांति :—

1. श्री भवानी शकर पिता श्री बजाजी घर न० 15-6-242 बेगम बाजार हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्रीमती भगवती बाई पती तुलजा राम भगत 15-7-134 बेगम बाजार हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर न० 15-7-35 ता—35/1 ता 4 कोलसावाठी रास्ता बेगम बाजार हैदराबाद विस्तौल 415 वर्ग गज दस्तावेज न० 201/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० ए० बैकट रामन
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-9-1977

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एम० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1977

निर्देश सं० आर० ए० सी०-८७/७७-७८—यतः, मुझे,
के० एस० वेक्ट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-620 और 621 है, तथा जो आविद
रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या
लय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 17-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे अच्छने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविस्तरों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गौतीया बेगम पत्ती स्वर्गीय महमद गौस मीतीनो
दीन 4-1-523 तरुप बाजार हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्री महमद सुलतान पिता महमद अब्दुल कादर घर नं०
5-8-620 आविद रास्ता हैदराबाद
(अन्तरिती)

3. श्री बालामणी घर नं० 5-8-621 आविद रास्ता
हैदराबाद (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यवितयों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्तकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपचारीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-8-620 और 621 विस्तैत 465 वर्ग यार्ड
आविद रास्ता हैदराबाद के पास है—रजिस्ट्री की गई है दस्ता-
बेज नं० 233/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेक्ट रामन
सक्षम आधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-9-1977

मोहर :

प्रूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1977

निर्देश सं० आर० ए० सी०-८८/७७-७८—यतः, मुझे, के० एस० बैंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व (1) के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

और जिसकी सं० 12-2-831/2 है, तथा जो महादीपटनम हैदराबाद में स्थित है (और इस उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरणों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व (1) के उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, पर्यात् :—

1. श्री ई० वी० कुड्डारेही घर नं० 1-2-412/2-ए०, गगन महल हैदराबाद (अन्तरक)
2. (1) श्री सी० के० महमद कोया
(2) श्रीमती ऊमत कुटी पती डी० के० महमद कोया 12-1-645/3 ए० आसीप नगर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्नुसूची

घर नं० 12-2-831/2 महादीपटनम हैदराबाद में है रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 80/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय, कैरताबाद, हैदराबाद में।

के० एस० बैंकट रामन
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-9-1977

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी ट्री. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 13 मिन्हाम्बर 1977

सं० आर० ए० सी० 89/77-78—यतः मुझे के० ए० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 2-99/2 है, जो सतुपली, कमयप जिला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सतुपली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-1-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यहांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती वेदालकी सुजाता पति श्रीनिवास
(2) मलेमपली सीतम्मा, पति वेनूकटेश्वरराम
सतुपली कम्मम जिला।
(अन्तरक)
- मैमसं श्री वेनूकटेश्वर टाकीम 7 भारीदार हैं
पार्टनर के अप्पाराम - सतुपती कम्मम जिला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति वे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थावरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1954 वर्ग यार्ड जमीन सतुपली, ग्राम पन्थलमित नं० 2-99/2 सीनी मालाल अभी तामीर जारी है कहलाया जाता है। वेनकेटेश्वर टाकीम सतुपली कम्मम जिला में है दस्तावेज नं० 2172/76 उप रजिस्ट्री कार्यालय सतुपली में।

के० एस० वेंकटरामन
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-9-1977

मोहर :

प्र० र० श्री० श्री० ए० ए० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 13 सितम्बर, 1977

सं० आर० पी० सी० 90/77-78—यत मुझे के० ए०
वेक्टरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० 6-3-852 है, जो अमीरपेट हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में
स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरबाबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 28-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
प्रनुसरण में, भी, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ष की
उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डॉक्टर चन्द्रकला पती बी० के० श्रे० 1-2-37
शराब महल, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. नुरुनिमा बेगम पती जी० ए० खान, 6-3-852
अमीरपेट, हैदराबाद

(2) जी० ए० खान, 6-3-852, अमीरपेट,
हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधीरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

तमाम जमीन नं० 6-3-852 अमीरपेट, हैदराबाद,
विस्तैन 864 वर्गमीटर, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 231-77
उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरबाबाद, हैदराबाद।

के० ए० वेक्टरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 13-9-1977

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1977

सं० आर० ए० सी० 100/77-78—यतः सुन्ने, के० एस०
बैंकट रामन

आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० ग्रमीण नं० 3-1-249 का है, जो एस० डी० रास्ता सिकन्द्राबाद, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पुर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरको) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण मिथित व वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या उनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, ये, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थाता (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री सी० ये० बुरगछेलम
- (2) कुमारी सी० ए० मनजुला पिता अरनागीरी मुदीलयार, 3-1-249 सरोजिनी देवी रास्ता सिकन्द्राबाद ।, (अन्तरक)
2. श्री ए० के० विद्याकुमार, पिता कल्यानराम धर नं० 21 रास्ता नं० 1 मारेडपली सिकन्द्राबाद (अन्तरित)
- (3) श्री के० टी० प्रबराहम धर 10-3-67 मरिडपली सिकन्द्राबाद ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आलोकन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित रूप से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही [प्रमुख होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलरी नं० 3 में 3-1-249 सरोजिनी देवी रास्ता सिकन्द्राबाद विस्तरण: 27'—12'—6' जी का ऊँचाई 10'-6" विस्तरण 30.72 वर्ग मीटर दस्तावेज नं० 60/77 रजिस्ट्री की गई है उपर रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

के० एस० बैंकटरामन,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-9-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1977

सं० आर० ए० सी० 101/77-78—यतं मुझे के० एस०
वेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मलगी नं० 5 मे 3-1-249 में है, जो
एस० डी० रास्ता सिकन्द्राबाद, मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी के कार्यालय सिकन्द्राबाद, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन जनवरी, 1977
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्ति:—

9-266GI/77

1. (1) श्री सी० ए० दुरगाशेषम,
(2) कुमारी सी० ए० मनजुला रहती है धर नं०
3-1-249 एस० डी० रास्ता सिकन्द्राबाद।
(अन्तरक)

2. (1) श्री वी० एम० विनोदकुमार पिता मसीनमयनी
मुदीलयार, 1-3-168, राणा मुदीलयार गली,
सिकन्द्राबाद।

(अन्तरिती)
3. श्री एस० फरमनदास, 74 पीकेट, सिकन्द्राबाद।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी ग्राक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समान व्यक्तियो पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो
मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क मे परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया
है।

अनुसूची

मलगी नं० 5 जिसका धरनं० 3-1-249 एस० डी० रास्ता
सिकन्द्राबाद, विस्तरण : 12'.3" X 27' ऊंचाई 10'.6"
विस्तरण 30.72 वर्ग मीटर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 86/77
कार्यालय उपरजिस्ट्री सिकन्द्राबाद।

के० एस० वेकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-9-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० ए० ए० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1977

सं० आर० ए० सी० 102/77-78—यतः मुझे, के० ए०
वेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० गैलरी नं० 2 घरनं० 3-1-249 है, जो ए० ए०
डी० रास्ता, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावस्थ
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सी० ए० दुर्विलम और सी० ए० मनजुला
घर नं० 3-1-249 ए० डी० रास्ता सिकन्दराबाद।
(अन्तरक)

2. श्रीमती कान्तामल घर नं० 6991/ए, राजामन्द्री
'बीयार गली, सिकन्दराबाद।
(अन्तरिती)

3. श्री वी० ए० जगयात 92, ए० डी० रास्ता,
सिकन्दराबाद।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 2 घर नं० 3-1-249 सरोजिनी देवी रास्ता,
सिकन्दराबाद में विस्तरन्. 330 75 वर्ग फीट 27'×12'. 2''×
10'. 8" दस्तावेज नं० 177/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय
सिकन्दराबाद।

के० ए० ए० वेकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1977

स० आर० ए० स० न० 103/77-78—यत्, मुझे, के०
एस० वेक्टरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० गैलरी न० 1 घर न० 3-1-249 है, जो एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए संय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, दै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अंकितयों, प्रथात्:—

1. श्री सी० ए० दुरराचेलम और कुमारी सी० ए० अरुणासिरी, मुदीलायर 3-1-249 एस० डी० रास्ता, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री डी० कान्तामल, घर न० 6991/ ए, राजा-मुदीलायर गली, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

3. श्री वी० एस० रवीन्द्रग घर न० 50 वेस्ट यरिडपल्ली, सिकन्दराबाद ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अंकितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अंकितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-मद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

इन्हींकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गैलरी न० 1 घर न० 3-1-249 सरोजिनी देवी रास्ता सिकन्दराबाद विस्तरन : $12' \times 2' \times 10'. 6'' = 29'. 68''$ वर्ग फीट दस्तावेज न० 178/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में ।

के० एस० वेक्टरामन

राक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 14-9-77

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

राज सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1977

सं० आर० ए० सी० 91/77-78—यतः, मुझे, के० एस०
बैंकटरामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक हैऔर जिसकी स० खुली जमीन नं० 87 है जो आदर्शनगर,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 31-1-77को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति:—1. श्रीमती के० लक्ष्मी बाई, पति के० कृष्ण राऊ घरनं०
20-2-305, हुसेनी आलम, देवल नरसीनगबान,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सुशीला रुपानी पिता भगवानदास
(2) श्रीमती भगवानदास रुपानी पिता धनगुमलरुपानी
(3) सीता देवी रुपानी पति भगवान दास
घर न० 12-2-419/ए 6-ए, मछलीपटनम,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरित के लिए
कार्यालयाद्वयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरित के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन न० 87 विस्तीर्ण: 406 वर्ग यार्ड, आदर्शनगर,
हैदराबाद, रजिस्ट्री की गई दस्तावेज न० 174/77 सहायक
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद अबापा मे :

उत्तर : घर प्लाट न० 86

वक्षिण : 30 फीट रास्ता

पूर्व : घर प्लाट न० 89

पश्चिम : घर प्लाट न० 85

के० एस० बैंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 13-9-77

मोहर :

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1977

स० आर० ए० सी० 92/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेकटरामन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-306 है, जो रम बाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावत्तु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-1-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्री एन० शनकरव्या पिता श्री एन० राजन
3-5-547, विटलबाडी, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्रीमती रामेश्वरी पत्नी गनपतिलाल बजाज
15-8-603, सीदीपेमबर बाजार, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नं० 5-8-306 दीमाकीन्डा घर (रामबाग),
हैदराबाद, विस्तैन: 237-64 वर्ग मीटर चिरागली लेन,
हैदराबाद, वस्तावेज नं० 258/77 सहायक रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद।

के० एम० वेकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 13-9-1977

मोहर :

प्रलूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अंक (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अक्टूबर 1977

स० आर० ए० सी० 93/77-78—यत् ज्ञे, क० एस०
वेंकट रामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी स० प्लाट न० 52/मर्वे न० 18/1 और 18/2 है,
जो शन्तोश नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कैरनाबाद, मेरजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 10-1-77को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिकी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से मुहूर्त किसी आय की बावजूद 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे मारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 अंक के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 अंक की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—1. श्री वी० अनन्तपूरना पिता वी० जी० एस० वी० प्रसाद
9 बालेस घारडेन, मद्रास-6।

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० श्याम सुन्दरी पति के० पी० रनगाराज,
मेदक, मेदक जिला।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न०-52 विस्तरण : 708.96 वर्ग मीटर (844 वर्ग
मीटर) भरवे न० 18/1 और 18/2 गडीमलकापुर राउ, हैदराबाद
रजिस्ट्री की गई इस्तवेज न० 54/77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय
कैरनाबाद अन्तराफ।उत्तर : पड़ोसी जमीन
दक्षिण : प्लाट न० 53 कार्मशवरराउ,
पूर्व : न० 59 और 60 श्री० वी० के० शशरी
पश्चिम : 50 पड़ा रास्ता।के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद
तारीख: 14-9-77
मोहर :

प्रृष्ठ प्राई ० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनाक 14 सितम्बर 1977

स० आर० ए० सी० ९४/७७-७८—यत. मुझे, के० एस० वैक्टरामन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है) की धारा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

मैं जिसकी स० 6-1-347 भाग है, जो कैरताबाद में स्थित है (मौर इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-1-1977 को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है मौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याति:—

1 श्री वजीरुल्लाला कानम पती मीरजा हिमायत अली बेग 3-6-680 हिमायत नगर, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2 श्री राजा अज़फ़र अली, 6-1-347, कैरताबाद।
(अन्तरिती)
3 ए० पी० टैक्स्ट बुक प्रेतम, 6-1-347, कैरताबाद, हैदराबाद।
(वह व्यक्ति जिसके अभिश्वेग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तमाम भाग घर न० 6-1-347 विस्तरण: 874.18 वर्ग मीटर, कैरताबाद, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज न० 156/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद हैदराबाद

उत्तर	बजुबालिका घर
दक्षिण	मी० ओ० बी० घर
पूर्व	बेचने वाले का घर
पश्चिम	मिमी काजरास्ता।

के० एस० वैक्टरामन

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-9-1977

मोहर :

प्रख्याप ग्राही ० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1977

सं० आर०ए०सी० 95/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 6-1-347 है, जो कैरताबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-1-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अनुसरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या सम्पत्ति को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-मार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती वजीरुल्लासा कानम पती मिरजा हिमायत बेग, घर नं० 3-6-680 हिमायत नगर, हैदराबाद। (अन्तरक)
2. श्री फकीरुल्लासा पिता [स्वर्गीय मिरजा हैमद अली, 6-1-347 कैरताबाद, हैदराबाद। (अन्तरिती)
3. ए० पी० टैक्स्ट बुक प्रेस, 6-1-347, कैरताबाद। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पाक्षीकरण :—इसमें प्रदृष्ट सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग का धरना० 6-1-347 कैरताबाद, हैदराबाद विस्तरण : 760.52 वर्ग मीटर रजिस्ट्री दस्तावेज ना० 229/77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 14-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मित्स्वर 1977

स० आर० ए० सी० 96/77-78—पत. मुझे, कै० एम०
वेकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

श्रीरजिसकी स० 6-1-347 है, जो कैरताबाद में स्थित है (श्रीर
हमसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-2-1977
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

10—266GI/77

1. श्रीमती वजीरुल्लीसा कानम पती स्वर्गीय मिरजा हिमायत
बेग 3-6-680, हिमायत नगर, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्री काजायामीन अली नैजामाबाद,
(अन्तरिती)

3. खीटुटीसियल कालेज, 6-1-347 कैरताबाद, हैदराबाद।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
मर्यादा होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पलीसता घर न० 6-1-347 कैरताबाद हैदराबाद दस्तावेज
न० 277/77 रजिस्ट्री कार्यालय, कैरताबाद, हैदराबाद में ।

कै० ए० स० वेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 14-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1 श्रीमती सर्वदुनीमा बेगम धर न० 12-2-138
मुरादनगर हैदराबाद (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 14 मित्तम्बर 1977

सं० आर० ए० सी० 97/77-78—यन. मुझे, के० ए०
वेकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाष्ट्र संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० 6-3-346/11 है जो चिनतल बस्ती हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय केरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-1-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसारण में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

2 मुहमद अब्दुल मजीद खान वसीयतदार है.

(1) स्वर्गीय महमद कादीर खान का धर न० 3-6-375/2 हिमायतनगर, हैदराबाद ।

(2) मुहमद हबीद खान 6-2-950 खैरताबाद हैदराबाद (अन्तरिती)

3 (1) विगवद्वा राज

(2) कामेश्वर राज

(3) कुमारी गतना कुमारी

(4) सुधाकर कुमार

(वह व्यक्ति जिसके अभिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 3 घट अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर ग्रौर खुली जमीन 265 वर्ग यार्ड चिनतल बस्ती में धर न० 6-2-346/11 दस्तावेज न० 230/77 सहायक रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ।

के० ए० ए० वेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 14-9-1977

मोहर :

प्रस्तुप भाई०टी०एन०एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1977

स० आर० ए० मी० 98/77-78—यत मुझे, के० एस० वेकट रामन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० 4-5-121 है जो सुलतान बाजार हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूल्य में और [पूर्ण रूप से अर्थित है] रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री नन्दकिशोर लाहोती 15-9-49 महाराज गज हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री सीताराम बजाज 4-5-190 सुलतान बाजार हैदराबाद।

(2) नारायनदास बजाज 4-5-190 सुलतान बाजार हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

बगैर निवास्तान न० 4-5-121 तन मन जिला और महीलामनजिला विस्तर 27.66 वर्ग मीटर सुलतान बाजार हैदराबाद, दस्नावेज न० 41/77 सहायक रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० एम० वेकट रामन,
मध्यम प्रधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 14-9-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269८ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1977

निर्देश स० 99/77-78—यत्, मुझे, के० एम० वेकटगमन ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-८ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० 3-1-349 शाप न० 1 है जो मरोजिनी देवी रास्ता मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण स्वप्न से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मिकन्दराबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे भवने मे सुनिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयो को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुनिधा के लिए;

प्रतः यद्युक्त अधिनियम की धारा 269-८ के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-८ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्तयो, अर्थात्:—

1. (1) श्री सी० ए० दुरगा चेलम धर न० 3-1-249 एस० डी० मिकन्दराबाद
 - (2) कुमारी सी० ए० मनजुला 3-1-249 मे एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद (अन्तरक)
 2. (1) ए० बी० चेली पत्ती ए० के० विजय कुमार धर न० 21 रास्ता न० I बेस्ट मरिडली सिकन्दराबाद ।
 3. मैसर्स मादवी स्टोर्स शाप न० 4, सिन्कदराबाद ।
- (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी अक्षेत्र:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियो पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धाद मे समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

शाप न० 4 धर न० 3-1-249 मरोजिनी देवी रास्ता सिकन्दराबाद मे है विस्तर 27' 12' 13' ऊचाई 10"-6" विस्तीर्ण 30.72 वर्ग मीटर बीजिनेम का मकाम है दस्तावेज न० 176/77 सहायक कार्यालय मिकन्दराबाद।

के० एम० वेकट रामन,
सभाम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद
तारीख: 14-9-1977
मोहर :

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 12 सितम्बर 1977

निदेश मं० ए० सी० क्य० 23-I-1287(599)/1-1/77-78—यत् मुझे एम० मी० परीक्षा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पार्श्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है

और जिसकी मं० 111 काजीपुर कागदीबाड़ एफ० पी० न० 115 सब प्लाट न० 6 जो बगला न० 7 शाह कालोनी शाहपुर दरवाजा बाहर अहमदाबाद में स्थित है (शौर इसमें उपावन्द अनुसूची में शौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमहादाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-1-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्र. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

- 1 (1) श्रीमती पारसेबन विधवा श्री छगनलाल मानचंद मिस्त्री ।
- (2) श्री भीखालाल छगनलाल मिस्त्री
- (3) श्री चम्पकलाल छगनलाल मिस्त्री
फ्लैट न० 19/12 तुलसी श्याम फ्लैट्स
नवा बाउज अहमदाबाद (अन्तरक)
- 2 शाह पोमट लाल कालीदास
- (1) रतन पोल शेठ नी पोल
अहमदाबाद ।
- (2) बगला न० 7 शाह कालोनी शाहपुर दरवाजा
बाहर अहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई श्री आश्रेष—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति बगला न० 7 शाह कालोनी जो 107 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका एफ० पी० न० 115 सब प्लाट न० 6) मी० न० 111 है तथा जो शाहपुर दरवाजा बाहर, अहमदाबाद में स्थित है । तथा जिसका पूर्ण वर्णन जनवरी, 1977 बाले त्रिको दस्तावेज न० 1452 में दिया गया है ।

एम० सी० परीक्षा,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 12-9-77
मोहर

प्रसूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 मिन्हूबर, 1977

निदेश म० ए० सी० इय० 23-I-1262 (600)/1-1/75-
76—यतः मुझे एम० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी म० सर्वे न० 137, टी० पी० एम० 29, एफ० पी०
न० 402, पैकी म० स्लाट न० 7, है, जो सेन्ट जेवीयर्स
स्कूल, के सामने, मेमनगर, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें
उपांड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीशन्ट
अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-1-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री माणेकलाल जमनादास पारेख, तथा
श्री मणीलाल जमनादास पारेख,
129, उस्मानपुरा, अहमदाबाद-13
(अन्तरक)

2. श्रीमती आनंदी बेन, रजनीकान्त पटेल, तथा,
(2) श्री रजनीकान्त पुरुषोपत्तम दाम पटेल,
15, सुदर्शन सोमायटी, पारट-2, नारायणपुरा
अहमदाबाद-13

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एग्र अचल सम्पत्ति, जो 400 40 वर्ग गज भूमि पर स्थित है
तथा जिसका सर्वे न० 139, टी० पी० एम० न० 29, एफ०
पी० न० 402 पैकी है, तथा सब स्लाट न० 7 है, तथा जो
सेन्ट जेवीयर्स स्कूल, मेमनगर, अहमदाबाद में स्थित है। तथा
जिसका पूर्ण वर्णन जनवरी, 1977 वाले विक्री दस्तावेज न०
23 में दिया गया है।

एम० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 14-9-1977

मोहर :

प्र रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 सितम्बर, 1977

निदेश स० ए० सी० क्य० 23-I-1257(601)/1-1/75

76—यत. मुझे, एस० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी म० मर्वं नं० 57, 58, आफ आचार मब प्लाट न० 6 तथा 7, एक० पी० न० 452, टी० पी० एस० 23, है, जो हलैकटूक पावर ला हाउस के पास है, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावह अनेमूची में और जो पूर्ण रूप से बंजित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-1-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. कालीदास भूदरभाई मैनी, पांच वर्गलो, पावर हाउस के पास, भावरमनी, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री चौ० डी० पृष्ठ क०, पृ-16, रायन एपार्टमेंट्स, बान पुर, अहमदाबाद-380 001 मैनेजिंग भारीदार

(1) श्री पृ० एन० सी० दामाण्या, कम्पूर भाई बनेका, गेन हाउस के भासने, खानपुर, अहमदाबाद

(2) श्री सुरेतरोए क० डेनाई, ग्रमीत चैम्बर्स, दीन भाई टावर के भासने, अहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया भरता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुनी जमीन वाला प्लाट जिसका मर्वं न० 57/58, आचार है तथा जिसका फायनल प्लाट न० 452, मब प्लाट न० 6 तथा 7 है, टी० पी० एस० न० 23 है, तथा जो पावर हाउस के पास, सावरमनी अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण बगन जनवरी, 1977 वाले विक्री दस्तावेज न० 496/77 में दिया गया है।

पृ० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख 15-9-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 सितम्बर, 1977

निरेश मा० 3786/76-77—यत मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मा० 53 है, लाल बहादुर स्ट्रीट, पाण्डिचेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण स्पष्ट वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ने अधिकारी के कार्यालय पाण्डिचेरी डाकुमेण्ट 110/77 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना आविह था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधितयों, ग्रहीत—

1. श्रीमनी के० कन्नम्माज, अरुणम्माल और वत्सला (अन्तरक)

2. श्रीमती आरोक्यम देलिला (अतिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समय व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पाण्डिचेरी, लाल बहादुर स्ट्रीट, डोर सा० 53 में भूमि और मकान।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज- , मद्रास

तारीख : 12-9-77
मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०

1. श्री जयकुमार और मुनुस्वामिनातन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मिस्रिय, 1977

निदेश स० 3787/76-77—पत. मुझे, के० पोल्ननन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी स० 28, निमुडिनगर पहला, स्ट्रीट, पाण्डिचेरी में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में शीर जो पूर्ण स्वप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पाण्डिचेरी, डाकुमेण्ट 86/77 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

पाण्डिचेरी, निमुडिनगर पहला स्ट्रीट, डोर स० 28 में
भूमि और मकान।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

के० पोल्नन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11- 266GT/77

तारीख 12-9-1977

मोहूर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मित्रम्बर 1977

निर्देश स० 4191/76-77—यत्, मुझे, कें पोन्न, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० मार्चनायकनपालयम गाव मे है, तथा जो 23 51 एकड़ (एम० स० 304/1, 304/3, 304/4, 301/1, 303/3, 307/1, 306 मे स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूर्चि मे और पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रानमने 'डाकुमेन्ट 22/77) मे रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिय, और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के सिए।

मत: अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों पर्याप्त:—

1 श्री रत्नमबाबती, कें मेनापति और एम० पी० कन्दमामि

(अन्तरक)

2 श्री आर० राजगम और गोविन्द राज (मैनर) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित मे किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

पोल्नाची, मार्चनायकनपालयम गाव —

सर्वे स०	304/1	—	3 79 एकड़
	304/3	—	0. 12 एकड़
	304/4	—	1. 25 एकड़
	301/1	—	1. 01 एकड़
	303/3	—	6. 28 एकड़
	307/1	—	5 67 एकड़
	306	—	5. 39

23 51

के० पोन्न,

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख . 12-9-1977

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

1 श्री के० एल० तुलसी, सी० के० राजगोपाल, प्रौंग
सी० ग्राम० राजेन्द्रन

(अन्तरक)

2 कुमारी सुजाता मेनन और श्री गोपिनाथ मेनन
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मिनम्बर 1977

निर्देश ग० 5247/76-77—यत., मृङ्गे, के० पोम्पन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी म० 54, ईंट अविरामपुरम है, तथा जो मद्रास-4 में स्थित है (प्रौंग इमारें उपावद्ध अनुसूची में श्रीं पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाकुमेण्ट 67/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के यथार्थीन, तारीख 31-1-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन में लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप.—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 4, ईंट अविरामपुरम, टॉर न० 54 में 1 ग्राउंड
ओर 1998 स्कूल फाईट (मकान के साथ) (ग्राम० पृम० म०
3581 भाग)।

के० पोक्कन,
गक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 12-9-1977

मात्र :

प्ररूप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर 1977

निर्देश सं 2/जनवरी/77—यत, मङ्ग, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास बरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं 63ए है, तथा जो कार्ल मचेट स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं 143/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-1-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकून विलेख के अनुसार प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का शारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्राप्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्राप्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन पा अन्य ग्रासितियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नकी किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्रीमती एस० के० हवा बीवी

(अन्तरक)

2 श्री ई० ए० मोहदीन पिच्च

(अन्तरिती)

3 श्री सलवराज और संयद मोहम्मद (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी घाकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पृष्ठोंकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-1, कार्ल मचेट स्ट्रीट डोर सं 63ए० मे 1413
स्क्युर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख . 15-9-1977

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मितम्बर 1977

निर्देश स० 6/जनवरी/77—यत, मुझे, जी० रामानाथन, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० 85 और 86 है, तथा जो राममामि स्ट्रीट मद्रास-1, मे स्थित है (आँग हस्ते उपावड़ अनुमूली मे और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्टर्ड कर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र स० 80/77) मे रजिस्टर्ड करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-1-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाजत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः मम, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण मे, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :—

- 1 श्री एस० जी० रागनाथ नायुडु और आदि
(अन्तरक)
2 श्रीमती टी० एच० नूरजहान और आदि
(अन्तरिती)
3 (1) श्री हरिहरन
(2) श्री पी० नल्ल चक्रवर्ती
(3) शाहुल हमीद
(4) श्री टी० जी० लोकनाथन,
(5) श्रीनिवासन,
(6) रकाश मव लोक,
(7) ग्रब्बुल अर्जीम (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क मे परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुमूली

मद्रास-1, राममामि स्ट्रीट डोर स० 85 और 86 मे 2567 स्क्युर फोट की भूमि (मकान के साथ) (आर० एस० स० 2969/1)।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख . 15-9-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-ज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 भितम्बर 1977

निर्देश स० 7/जनवरी/77—यत., मुझे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० 1/3 रितरडन रोड, वेपेरी है, तथा जो मद्रास मे स्थित है (और इसमें उपावड अनुमूल्यी मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र स० 190/77) मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-1-1977 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थाय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 (1) श्रीमती एस० आर० मणि
(2) पी० बी० एस० मणि
(3) परग केमिकल्स

(अन्तरक)

2 श्री हबीबूर रहमान साहिब मिलिट्री एस्टेट आफीसर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबूत मे कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनसच्ची

मद्रास, वेपेरि, डोर स०, 1/3 (आर० एस० स० 6651)
रितरडन रोड मे 2 1/2 ग्राउण्ड की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 मद्रास

तारीख : 15-9-1977

मोहर :

प्रस्तुति प्राप्ति टी० एन० एस०

1. श्री कन्ती एम० एम० एम० अब्दुल कादर
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269(1) के अधीन सूचना2. श्री पी० मंगलचन्द वफना
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 8/जनवरी/77—यतः, मुझे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 2/228 है, तथा जो तम्बु चेट्टी स्ट्रीट मद्रास-१ में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 180/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-१-१९७७

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की, गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की व्यवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व्र के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के लिये एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इगमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-१, तम्बु चेट्टी स्ट्रीट डोर सं० 2/228 (प्रार० एस० सं० 3329/2) में 2286 स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-१, मद्रास

तारीख : 15-९-१९७७

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

1 श्री वी० नम्मालवार

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

2 श्री आर० बनराम निगम

(अन्तरिती)

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-०, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 18/जनवरी/77—यत्, मुक्षे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० 63 है, तथा जो कामराज बसार बोडी में स्थित है (और इसमें उपावढ़ ग्रनुसूची म और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीरन अधिकारी के कायलिय, बाड़ी (पव स० 76/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-१-१९७७

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

मदुरै जिला, बोडीनायककनूर, कामराज बसार डोर सं० 63 (एस० स० 3805) मे० ४ फू० सेन्ट की भूमि (मकान के माथ) ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी,
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, मद्रास

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—

तारीख 15-९-१९७७

मोहर .

प्रमुख आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 21/जनवरी/77—यत्, मुझे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26९ ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 36/2 और 36/5 है, तथा जो मल्लमूप्पटी सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (पत्र सं० 28/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-1-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 26९-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 26९-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कन्द सामि गाऊड़र और आदि

(अन्तरक)

2 श्रीमती के० कोलन्द देवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बजें लिए कायंवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम तालुक, मल्लमूप्पटी गाव एस० सं० 36/2 में 4.33 एकड़ और एस० सं० 36/5 में 3½ सेन्ट खेती की भूमि और आदि।

जी० रामनाथन,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 15-9-1977

मोहर :

प्रूप ग्राही टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर 1977

निर्देश सं 22/जनवरी/77—यत्, मुझे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं १०८० सं ४५/४ डोर सं ३३/ए०-१ है, तथा जो सूरियमपालयम स्ट्रीट तिरुचेरोडु में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुगूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुचेरोडु (पत्र सं १०४/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन, तारीख 31-1-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्रार० वैयापुरि मुदलियार

(अन्तरक)

2. श्री कन्दमामि और आदी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुचेरोडु, सूरियमपालयम स्ट्रीट डोर सं ३३/ए०-१ (सं ४५/४) में ३०८० स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के माथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 15-9-1977
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

1. श्री टी० के० जगन्नादन और ग्रादी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ध (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती आर० रत्नम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 23/जनवरी/77—यतः, मुझ, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी स० 50/15 है, तथा जो एस० वी० ए० एक्सटैन्शन तिरुचंगोडु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुचंगोडु (पत्र स० 91/77 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-1-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशब्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

तिरुचंगोडु एस० वी० ए० एक्सटैन्शन स्ट्रीट स० 2 में 3600 स्क्यूयर फीट की भूमि (मकान के साथ) (एस० स० 50/15)।

जी० रामनाथन,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 15-9-1977

मोहर :

प्र० पूर्व प्र० आई० टी० एन० एम०—

1. श्री ए० गोपाल गऊड़ेर

(अन्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

बारा 269 अ (1) के प्रधीन सूचना

2. श्री आर० जगनाथन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर 1977

निर्देश सं 38/JAN/77—यतः, मुझे, जी० रामनाथन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-अ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं 79/1ए०, 80/1 बी०, 81/1 बी०, 113/3-बी० है, तथा जो तोकमपट्टी दर्मपुरि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण प्रधीन कार्यालय, दर्मपुरि (पत्र सं 29/77) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 19-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी फरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम की बारा 269 अ के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269 अ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियों द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्षियों द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दर्मपुरि तालुक, तोकमपट्टी गाव एस० सं 79/1 ए० (2.97 एकर), 80/1 बी० (0.47 एकर), 81/1 बी० (0.62 एकर) और 113/3 बी० (1.55 एकर) में 5.61 एकर खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 15-9-1977

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269-वा० (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर 1977

निर्देश सं० 42/JAN/77—यत., मुझे, जी० रामनाथन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269-वा० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रीष्म जिसकी सं० 23 (टी० एस० 1514 और 1516) है तथा जो सेल्लूट नीयू स्ट्रीट I न मे स्थित है और इससे उपावद्ध अनसूचि मे ओर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तल्लाकुलम (पत्र सं० 41/77) मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः यद्युक्त अधिनियम, की ओरा 269-वा० के अनुसारण मे, मे, उक्त अधिनियम, की ओरा 269-वा० की उपायारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविष्यों, अवौतः—

1. श्रीमती पी० एल० ऊमयाल आच्ची

(अन्तरक)

2. श्रीमती पी० एल० वल्लीयम्म

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी अक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अमुसूची

मदुर, सेल्लूर न्यू स्ट्रीट 1 लेन डोर सं० 23 (टी० एस० सं० 1514 और 1516) मे भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 15-9-1977

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर 1977

निर्देश स० 45/जनवरी/77—यत, मुझे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० 317 है, तथा जो विराशीपुरम में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दरमपुरि (पत्र स० 75/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

1 (1) श्री डी० एस० नागराजन

(2) डी० एस० नन्जराजन

(अन्तरक)

2 (1) श्री एस० गोविन्द सामि

(2) श्री डी० सी० चिन्नसामि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यकालियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बावजूद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दरमपुरी जिला विराशीपुरम गाव एस० स० 317 में 3.82 एकर खेती की भूमि।

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 मद्रास

तारीख : 15-9-1977

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA
New Delhi, the 12th September 1977

No F 2/77-SCA (I) —The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to confirm and appoint substantively the following officers of this Registry with effect from 8 September, 1977 (F N) in the posts shown against each.

Sl. No.	Name	Present post held	Post to which appointed Substantively
1.	Shri Raja Ram	Officiating Assistant Registrar	Assistant Registrar
2	Shri P. Bhujanga Rao	Officiating Assistant Editor	Assistant Editor
3.	Shri C. Balasubramanian	Court Master	Section Officer
4	Shri H. L. Chandramouli	Officiating Private Secretary	Private Secretary
5	Shri B. M. Batra	Officiating Private Secretary	Private Secretary
6.	Shri A. D. Malhotra	Officiating Section Officer	Section Officer
7.	Shri D. R. Luthra	Officiating Private Secretary	Court Master
8.	Shri A. K. Chakraborty	Officiating Court Master	Court Master
9.	Shri Har Sahai	Officiating Section Officer	Section Officer
10.	Miss V. P. Singhal	Officiating Court Master	Court Master
11.	Shri S. P. Jain	Officiating P. A. to Registrar	P. A. to Registrar.

R. SUBBA RAO
Deputy Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 29th August 1977

No. P/1526-Admn I.—On his appointment as Deputy Secretary (Admn.) in the Commission of Inquiry on Maruti Affairs the services of Shri N. K. Prasad, a permanent Grade I Officer of the Central Secretariat Service and officiating as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission, are placed at the disposal of the Commission of Inquiry on Maruti Affairs with effect from the forenoon of 22-8-1977.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 12th September 1977

No P/2191-Admn. III.—The President is pleased to accept the resignation of Shri M. B. Ray from the post of Section Officer (Probationer) in the Central Secretariat Service cadre

of the Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 13th July, 1977.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary.
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 7th September 1977

No. E-38013(3)/10/77-Pers.—On transfer to Jharia Shri Nilmani assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit BCCL Jharia with effect from the forenoon of 6th August 1977

L. S. BISHT
Inspector General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 9th September, 1977

No 11/5/77-Ad. I.—The President is pleased to extend the *ad hoc* appointments of the following officers in the posts of Assistant Director of Census Operations (Technical) in the Office of the Director of Census Operations mentioned below against each of them for a further period of two months with effect from 1-8-1977 to 30-9-1977 or till the posts are filled up on a regular basis, whichever period is shorter :

S. No	Name	Office of the Director of Census Operations in	Headquarters	Reference to previous sanction
1.	Shri R. Y. Revashetti	Karnataka	Bangalore	11/4/76-Ad. I dated 7-6-77
2.	Shri D. P. Chatterjee	West Bengal	Calcutta	Do
3.	Sh. R. E. Choudhuri	Maharashtra	Bombay	Do
4.	Shri M. Panchapakesan	Tamil Nadu	Madras	Do
5.	Shri R. C. Bhargava	Rajasthan	Jaipur	Do
6.	Shri K. S. Dey	Assam	Gauhati	11/4/76-Ad. I dated 23-4-77.
7.	Shri H. L. Kalla	Jammu and Kashmir	Srinagar	Do.
8.	Shri S. K. Swain	Orissa	Cuttack	Do.
9.	Shri J. R. Vashistha	Haryana	Chandigarh	Do
10.	Shri B. Satyanarayana	Karnataka	Bangalore	Do
11.	Shri R. B. Singh	Bihar	Patna	Do

The 12th September 1977

No. 11/10/76-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri K. C. Suri, Assistant Director of Census Operations (Technical), in the office of the Director of Census Operations, Punjab, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra,

as Bombay, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a period of six months with effect from the forenoon of 29th August, 1977 or until further orders, whichever period is shorter

R. B. CHARI
Registrar General, India and *ex-officio*
Joint Secretary

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT,
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I
MADHYA PRADESH

Gwalior-74002, the 8th September 1977

No. Admn.I/294.—The Accountant General, Madhya Pradesh has been pleased to promote Shri P. S. Khedkar, (02/0221), a permanent Section Officer, as an Accounts Officer in an officiating capacity with effect from 29-8-1977 forenoon.

No. Admn I/295.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to promote Shri K. Ramachandran, (02/0199), a permanent Section Officer, as an Accounts Officer in an officiating capacity with effect from 2-9-1977 Forenoon.

KRISHNA GOPAL
SR. Dy. Acctt. General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad-4, the 1977

No. —Sri Y. V. Ramana Rao, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, has retired from service w.e.f 31-8-1977 (A.N.).

(Sd./) ILLEGIBLE
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta-16, the 29th August 1977

No. 52/77/G.—On expiry of extension of service granted for 2 months beyond 58 years, Shri P. V. Ramachandran, Substt. & Permit General Manager (SG), Level II, retired from service with effect from 30th April 1977 (A.N.).

M. P. R. PILLAI
Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER,
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 12th September 1977

No. A-19018/238/76-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Vinod Lall, IAS, Deputy Director in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Director (Gr. I) (GAD) in the Small Industries Development Organisation with effect from 1st May, 1977 to 25th October, 1977 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. Consequent upon his appointment as Director (Gr. I) (GAD) Shri Vinod Lall relinquished charge of the post of Deputy Director in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the forenoon of 1st May, 1977 and assumed charge of the post of Director (Gr. I) (GAD) in the same Office with effect from the forenoon of 1-5-1977.

No. A-19018/292/77-Admn (G).—The President is pleased to appoint Shri Jai Singh, Food and Nutrition Extension Officer, Department of Food, as Deputy Director (Food) in Small Industry Development Organisation on deputation basis for a period of one year with effect from the forenoon of 1st July 1977 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

2. Consequent on his appointment Shri Jai Singh assumed charge of the post of Deputy Director (Food) at SISI, New Delhi w.e.f. the forenoon of 1st July, 1977

V. VENKATARAYULU
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 7th September 1977

No. A-1/1(299).—Shri A. D. Sharma Permanent Director of Supplies (Grade I of ISS) working as Director of Supplies

& Disposals, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 31st August, 1977 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 9th September 1977

No. A-1/1(86).—Shri Ardaman Singh permanent Deputy Director and officiating as Director (Progress) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st August, 1977 on attaining the age of superannuation (58 years).

KIRAT SINGH
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 8th September 1977

No. A-19012(97)/77-Estt A.—Shri K. S. Bedi, Permanent Assistant Store Keeper (Tech.) and Officiating Store Keeper (Technical) Grade II is promoted to officiate as Assistant Stores Officer in Group 'B' post in Indian Bureau of Mines on *ad-hoc* basis with effect from the 19th August, 1977 (Afternoon), until further orders.

The 9th September 1977

No. A-19011(217)/77-Estt A.—The President is pleased to appoint Shri Kanhaiyalal to the post of Junior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 11th August, 77, until further orders.

L. C. RANDHIR
Head of Office

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 8th September 1977

No. C-5269/PF(BS RATTAN).—As a result of disciplinary action under the C.C.S (CC&A) Rules, 1965, Shri B. S. Rattan, Officer Surveyor, Survey of India is compulsorily retired from Govt. service with effect from the forenoon of 21st July 1977.

K. L. KHOSLA
Major General
Surveyor General of India

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 7th September 1977

No. F.104-1/73-Estt.21067.—The following temporary Assistant Zoologists of Zoological Survey of India are appointed in a substantive capacity as Assistant Zoologists, with effect from 24th January, 1976.

1. Shri R. L. Choudhury.
2. Shri D. P. Sanyal.
3. Shri N. K. Sinha

The 8th September 1977

No. F.70-2/74-Estt.21120.—On the recommendation of the D.P.C., the following Senior Zoological Assistant working as Assistant Zoologists on *ad hoc* basis in the Zoological Survey of India, are appointed to officiate as Assistant Zoologists in the same Department with effect from 11th August, 1977, on regular basis, in the scale of pay of Rs. 650-1200, until further orders.

1. Shri B. Nandi
2. Shri R. K. Singh

DR. T. N. ANANTHAKRISHNAN
Director
Zoological Survey of India

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 7th September 1977

CORRIGENDUM

No A 12025/9/76(CGHS) /Admn I—In this Directorate Notification No A 12025/9/76(CGHS) /Admn I dated the 2nd September, 1976, relating to the appointment of Dr (Smt) Rama Bhatia, Dental Surgeon under the CGHS for "in a temporary capacity and until further orders" read "on an *ad hoc* basis and until further orders".

No A 12025/24/76-Admn I—The President is pleased to appoint Dr Bandi Chhanna Ramanna to the post of Research Officer (Veterinary) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, with effect from the forenoon of 19th July, 1977 in an officiating capacity, and until further orders.

No A 31013/1/77(CRI)Admn I—The President is pleased to appoint Dr K R Bhardwaj in a substantive capacity to the permanent post of Veterinary Officer, Central Research Institute, Kasauli, with effect from the 16th December, 1976.

No A 32014/7/77(AIIPMR)Admn I—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt M A Chatkar to the post of Chief Vocational Guidance Department at the All India Institute of Physical Medicine & Rehabilitation, Bombay in the leave vacancy of Shri G T Matta, with effect from the forenoon of 4th July, 1977 to the afternoon of the 4th October, 1977.

S P JINDAL
Deputy Director Administration

New Delhi, the 26th August 1977

No 9-31/75-CGHS I—Consequent on acceptance of his resignation, Dr Dharam Vir, Ayurvedic Physician relinquished charge of the Post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme Meerut with effect from 11-8-77 afternoon.

The 8th September 1977

No A 11017/5/76-CGHS I—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr K N Pathak to the post of Ayurvedic Physician in Central Govt Health Scheme at Calcutta on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 17-2-1977 until further orders.

No A 19019/28/77-CGHS I—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr (Smt.) M. S Reetha to the post of Ayurvedic Physician under Central Govt Health Scheme, Delhi on temporary basis with effect from the afternoon of the 4th August, 1977.

No A 19019/30/77-CGHS I—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr (Miss) Ulka Datar to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt Health Scheme, Allahabad on temporary basis with effect from the forenoon of 25th July, 1977.

No A 19019/36/77-CGHS I—The Director General of Health Services is pleased to appointed Dr J K Asthana to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme, Delhi on temporary basis with effect from the forenoon of 3-8-1977.

No A 19019/42/77-CGHS I—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr Sundershan Singh to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt Health Scheme, Kanpur on temporary basis with effect from the forenoon of 16-8-1977.

No A 19019/43/77-CGHS I—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr K N Radhakrishnan Nair to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt Health Scheme, Madras on temporary basis with effect from the forenoon of 11-8-1977.

N S. BHATIA
Deputy Director Admin (CGHS)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 3rd September 1977

Ref. No. PAR/0705/2208—The Chief Executive Nuclear Fuel Complex, appoints Shri J Suryanarayana Rao, Assistant 13—266GI/77

Accountant as Assistant Accounts Officer, in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, for the period from 26-6-1977 to 25-8-1977

U VASUDEVA RAO
Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP, Thana-401504, the 6th August 1977

No TAPS/1/18(3)/77-R—On his posting by the Cadre Authority, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri G. A. Kaulud a permanent Lower Division Clerk and officiating Assistant in Bhabha Atomic Research Centre as Assistant Personnel Officer in Tarapur Atomic Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of July 30, 1977, until further orders.

D. V. MARKALE
Chief Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 9th September 1977

No E(I)07161.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Onkari Prasad, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist for a period of 88 days with effect from the forenoon of 16-8-1977 to 11-11-1977.

Shri Onkari Prasad, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

G. R. GUPTA
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 3rd September 1977

No A 32013/7/75-EA—The President has been pleased to sanction the continued *ad-hoc* appointment of the following officers as Aerodrome Officers in the Civil Aviation Department for a further period of six months with effect from the 1st July, 1977 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

S No Name and Station of posting

- 1 Shri J S R K Sharma, Madras Airport, Madras
- 2 Shri M P Jain, Safdarjang Airport, New Delhi.
- 3 Shri Amir Chand, Chandigarh

S. L. KHANDPUR
Dy Director of Administration

New Delhi, the 5th September 1977

No A 32013/1/77-EC—In continuation of this Department Notification No A 32013/1/77-EC, dated the 14th June, 1977, the President is pleased to continue appointment of Shri S. Jayaraman, Senior Technical Officer, Regional Office, Madras Airport, Madras on *ad-hoc* basis for a further period from the 30-6-77 to 30-8-77 *vive* Shri V K Babu, Senior Technical Officer granted extension of earned leave.

No A 38012/1/77-EC.—The following officers of Aeronaautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their Office on the 31-7-77 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

S No	Name and Designation	Station of posting
1.	Shri G Govindaswamy, Controller	Central Radio Stores Depot, New Delhi
2	Shri S K. Chandra, Senior Technical Officer	Regional Controller of Communication, Calcutta Airport, Dum-Dum, Calcutta

P. C. JAIN
Assistant Director of Administration

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 9th September 1977

No. 11/77.—On return from leave Shri T. V. Sairam, lately posted as Assistant Collector Directorate of Revenue & Intelligence at New Delhi assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' in the Hqrs. Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, at New Delhi on 31-8-77 (Forenoon)

S. VENKATARAMAN
Director of Inspection

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior-6, the 8th September 1977

S No 1.—On his transfer, from Chittorgarh I, Shri B. Tirath, District Opium Officer took over charge as Superintendent (Ex), Gwalior in the forenoon of 9-2-1977.

S No 2.—On his transfer from Bareilly, Shri V. P. Mathur, District Opium Officer took over charge as District Opium Officer, Barabanki II division in the afternoon of 4-4-1977.

S No 3.—On his transfer from Barabanki II division, Shri N. G. Bhatnagar District Opium Officer, took over charge as District Opium Officer, Faizabad in the afternoon of 2-4-1977

S. No 4.—On his transfer from Nagpur Central Excise Collectorate, Shri H. P. Sanghi, Superintendent of Central Excise Group B, took over charge as District Opium Officer, Manasa in the forenoon of 8-7-1977

S No 5.—On his transfer from Nagpur Central Excise Collectorate, Shri S. I. Tewari, Superintendent of Central Excise, Group B took over charge as District Opium Officer, Neemuch I division in the forenoon of 11-7-1977

S No. 6.—On his promotion and transfer from Mineral Exploration Corporation Ltd., Nagpur, Shri R. N. Tiwari, Hindi Translator assumed charge as Hindi Officer, Central Bureau of Narcotics, Gwalior in the forenoon of 18-7-1977

S. No. 7.—On his appointment, Shri B. Tirath, Superintendent Executive, took over charge as Intelligence Officer, NIB, Gwalior in the forenoon of 8-8-1977.

S No 8.—On his transfer from Neemuch I division Shri I. S. Grewal, District Opium Officer, took over charge as District Opium Officer, Pratapgarh in the forenoon of 16-8-1977

M. L. WADHAWAN
Narcotics Commissioner of India

MINISTRY OF WORKS, HOUSING SUPPLY AND REHABILITATION

(DEPTT OF REHABILITATION)

REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION
OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER

Teyvore-764003, the 8th September 1977

No PF/G/63-32638P.—Consequent upon the acceptance of his resignation tendered *vide* his application dated 10-5-1977 Shri Ram Parkash Chander relinquished the charge of the post of Assistant Engineer, RMU-14, PRO at Hutbay (Little Andaman) on the afternoon of 2nd August, 1977

No. P 3/1-32657P.—In continuation of his office notification No. P 3/1 dated 1st March 1977, the office acting appointment of Shri A. Gopala Rao, on *ad-hoc* basis in the post of Asstt. Engineer (Group 'B') in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Rehabilitation Reclamation Organisation posted in the Drilling Sub Division, Rehabilitation Reclamation Organisation, PO & Distt Bolangir (Orissa) is extended for a further period of 6 months with effect from the forenoon of 1-9-1977 to 28-2-1978 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier

M. PATTANAIK
Lt Col (Retd)
Chief Mechanical Engineer

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 5th September 1977

No. 6/3/77-Adm 1.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the undermentioned Supervisors to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Class II) Service in an officiating capacity, with effect from the dates shown against their names, until further orders—

1. Shri S. R. Datta—11-4-77 (FN)
2. Shri Balwant Singh—16-7-77 (FN)

S. BISWAS
Under Secretary

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s Padma Vardhan and Company Private Limited*

Madras-600006, the 7th September 1977

No. 5670/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Padma Vardhan and Companies Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s Auswin Rolling Mills Private Limited*

Madras-600006, the 7th September 1977

No. 5917/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Auswin Rolling Mills Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Compiachemv Engineering Services Private Limited*

Madras-600006, the 7th September 1977

No. 6173/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sri Venkateswara Pulp and Board Mill Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
M/s. Compiachemv Engineering Services Private Limited*

Madras-600006, the 8th September 1977

No. 5682/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Compiachemv Engineering Services Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Surya Techno Services Private Limited*

Madras-600006, the 8th September 1977

No. 6260/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Surya Techno Services Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

K. PANCHAPAKESAN
Asstt Registrar of Companies
Tamilnadu

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Sambhar Electric Supply Company Private Limited
Sambhar Lake*

Jaipur, the 1st September 1977

No STAT/30/7450—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sambhar Electric Supply Company Private Limited Sambhar Lake has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Minlorp Private Limited, 31, Gangwal Park, Jaipur*

Jaipur, the 9th September 1977

No STAT/1106/7607—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Minlorp Private Limited, 31, Gangwal Park, Jaipur has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Ashok Printers Private Limited, 1-5 Kantinagar Colony, Jaipur*

Jaipur, the 9th September 1977

No STAT/1153/7611—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ashok Printers Private Limited, Jaipur, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved

R D KUREEL
Registrar of Companies,
Rajasthan, Jaipur

INCOME-TAX DEPARTMENT

New Delhi, the 23rd March 1977

No O&C-I, Pub/DI/A/75-76/48102—Following is list showing the names (a) being individuals and HU's who have been assessed on an income of more than one lakh of rupees, (b) being firms, associations of persons or companies who have been assessed on an income of more than ten lakhs of rupees during the financial year 1975-76 (i) indicates status 'I' for individuals 'H' for II U and 'C' for company (ii) for assessment year (iii) for income returned (iv) for income assessed (v) tax payable by the assessee and (vi) tax paid by the assessee

(1) 22-007-PQ-4699, Bansi Dhar C/o D C M Premises Bara Hindu Rao, Delhi (i) I (ii) 1973-74 (iii) 2,00,390 (iv) 2,09,254 (v) 1,60,842 (vi) 1,61,663 (2) 22-007-PX-4701, Bhimo Devi C/o D C M Premises Bara Hindu Rao, Delhi (i) I (ii) 1973-74 & 1974-75 (iii) 2,33,220 & 2,28,050 (iv) 2,33,110 & 2,28,050 (v) 1,84,166 & 1,79,219 (vi) 1,86,569 & 1,88,168, (3) 22,007 PN-4700 Bholat Ram C/o D C M Premises, Bara Hindu Rao, Delhi (i) I (ii) 73-74 & 74-75 (iii) 1,85,080 & 1,85,080 (iv) 1,96,740 & 1,86,950 (v) 1,48,803 & 1,39,791 (vi) 1,49,478 & 1,40,551, (4) 22-007-PN-5826, B D Pathak C/o Sh Ram Rayas, Bala Khamba Rd, New Delhi (i) I (ii) 70-71 & 73-74 (iii) 2,08,237 & 1,06,556 (iv) 2,08,430 & 1,06,560 (v) 1,35,796 & 65,834 (vi) 1,12,794 & 65,834 (5) 418-B Bouhe Michel C/o TFCINIP, E-23, Defence Colony, New Delhi (i) I (ii) 1975-76 (iii) 1,22,440 (iv) 1,22,440 (v) 74,882 (vi) 70,882 (6) 484-B, Boudherlique Maurice C/o TECINIP, E-26 Defence Colony, New Delhi (i) I (ii) 1975-76 (iii) 1,40,730 (iv) 1,40,730 (v) 84,965 (vi) 84,965; (7) 22-007-PG-4711 Charat Ram C/o D C M Premises, Bara Hindu Rao, Delhi (i) I (ii) 1973-74 (iii) 1,83,187 (iv) 1,80,320 (v) 1,33,695 (vi) 1,34,314 (8) 22-007-CT-4355 Continental Devices (P) Ltd, Nariana Industries Area, New Delhi (i) C (ii) 1973-74 (iii) 10,27,380 (iv) 10,29,507 (v) 5,91,543 (vi) 5,94,468 (9) 282-C, Chailin Deniel C/o S P Puri & Co, New Delhi (i) I (ii) 1975-76 (iii) 1,09,740 (iv) 1,09,740 (v) 61,103 (vi) 61,103 (10) 22-021-PT-8961, Claude Vallet C/o TECINIP, E-23 Defence Colony, New Delhi (i) I (ii) 1973-74 (iii) 1,03,930 (iv) 1,03,930 (v) 63,415 (vi) 63,415, (11)

22-010-PV-1956/VII, Chhail Behari Lal, 3, Jamuna Road, L-1m (i) I (ii) 1973-74 (iii) 1,01,406 (iv) 1,01,810 (v) 54,659 (vi) 57,603, (12) 22-018 PT-5959, Delauney Bernard C/o S P Puri & Co, New Delhi (i) I (ii) 1973-74 (iii) 1,01,536 (iv) 1,07,336 (v) 66,552 (vi) 66,552, (13) 22-021-PV-8876, Deniel Vigaud C/o TECINIP, E-23, Defence Colony, New Delhi (i) I (ii) 1974-75 (iii) 1,37,075 (iv) 1,37,075 (v) 94,904 (vi) 94,904, (14) PI-2978/Spl XV, G K Khanna C/o Hotel Oberai, New Delhi (i) I (ii) 1972-73 & 1973-74 (iii) 94,512 & 1,05,017 (iv) 1,11,580 & 1,11,110 (v) 94,453 & 64,415 (vi) 60,533 & 64,415, (15) 22-020-PT-3424, H C Jain 12, 8/4, Uttam Marg, New Delhi (i) I (ii) 1973-74 (iii) 98,836 (iv) 1,20,710 (v) 78,552 (vi) 78,552, (16) 22-007-PZ-5429, Harish Kumar Aggarwal 40-42, Janpath, New Delhi (i) I (ii) 1975-76 (iii) 1,82,650 (iv) 1,82,685 (v) 1,17,269 (vi) 1,17,269, (17) C N-5148, Hindustan Housing Factory Ltd, Jangpura, New Delhi, (i) C (ii) 19-3-74, (iii) 13,47,651 (iv) 29,30,105 (v) 16,85,988 (vi) 16,99,210, (18) C P-5747 Hindustan Insecticides, Hans Bhawan, New Delhi (i) I (ii) 1973-74 (iii) 4,56,729 (Loss) (iv) 14,70,940 (v) 6,69,205 (vi) —, (19) 22-014-PN-4476/DLI SC H H Sukhjit Singh, B-90-A, Greater Kailash, New Delhi (i) I (ii) 1973-74 (iii) 1,57,152, (iv) 1,59,155 (v) 1,26,405 (vi) 1,26,045, (20) 22-007-CZ, 5436, Indo-European Machinery Co, Kucha Chandni Chowk, Delhi (i) C (ii) 1973-74 (iii) 16,42,640 (iv) 20,35,654 (v) 14,73,937 (vi) 11,10,119, (21) 22-007-CY-5451, Ishwari Industries Ltd, P O Ishwari Nagar, New Delhi (i) C (ii) 1973-74 (iii) 9,31,800 (iv) 12,28,981 (v) 7,44,948 (vi) 5,33,100, (22) 22-007-CV-4753, John Oakley & Mohan Ltd, 8, Chabi Ganj, Kashmere Gate, Delhi (i) C (ii) 1973-74 (iii) 12,23,826 (iv) 12,90,120 (v) 7,43,664 (vi) 7,38,942, (23) 23-007-PN-65,34/C AJ C Chandok, 41-L, Con Cir, New Delhi (i) I (ii) 1973-74 (iii) 1,04,020 (iv) 1,09,820 (v) 67,857 (vi) 45,000, (24) 22-007-PT-5161, Krishan Bans Bahadur, 46, Janpath, New Delhi, (i) I (ii) 1973-74 (iii) 1,17,937 (iv) 1,17,937 (v) 76,305 (vi) 7,6,305; (25) 463-M, Morterani Hennil C/o S P Puri & Co, New Delhi (i) I (ii) 1975-76 (iii) 133,570 (iv) 1,33,570 (v) 79,451 (vi) 79,451, (26) 22-007-CY-5024, Motor & Gen. Fin. Ltd, Asal Ali Road, New Delhi (i) C (ii) 1963-64 (iii) 38,46,913 (iv) 38,51,320 (v) 18,89,708 (vi) 18,87,506, (27) 22-007-CV, 5292, Nestle's Holdings Ltd, 517-A, Con Place, New Delhi (i) C (ii) 1974-75 (iii) 11,22,410 (iv) 11,22,410 (v) 8,24,970 (vi) 8,24,970, (28) 22-014-PN-3419, Niren De 34, Auranzeb Road, New Delhi (i) I (ii) 1973-74 (iii) 3,33,500 (iv) 3,37,282 (v) 2,85,990 (vi) 2,80,125, (29) 22-007-CT-5678 Pearl Cycle India Ltd, Through office Iquidator, 16, Ring Road, New Delhi (i) C (ii) 1967-68 to 70-71 (iii) 5,95,190 (Loss) & 97,000 (Loss) (iv) 10,00,000 12,000, 12,50,000 & 37,50,000 (v) 6,83,853, 7,95,802, 9,52,437 & 11,13,370, (vi) —, — & —, (30) 22-017-PN-4106/DLI/PSC-VII, Piem Pondhi 17, Parliament Street, New Delhi (i) I (ii) 1973-74 (iii) 1,05,880 (iv) 1,05,880 (v) 59,033 (vi) 59,033, (31) 22-07-CX-5067/XIV Philips Petroleum International, Con Place, New Delhi (i) C (ii) 1973-74 (iii) 27,07,975 (iv) 22,89,094 (v) 19,66,460 (vi) 7,64,645; (32) 359-R, Roche Francis C/o S P Puri & Co, New Delhi (i) I (ii) 1975-76 (iii) 1,30,980 (iv) 1,30,980 (v) 77,458 (iv) 77,458 (33), 22-007-CZ-4806/XIV Rabaxy Laboratory (P) Ltd, 72, Okhla, New Delhi (i) C (ii) 1972-73 (iii) 18,29,886 (iv) 20,08,652 (v) 11,84,070 (vi) 11,03,253, (34) 22-010-PT-1696 XV Rama Nand Jain C/o Jain Bros, Hauz Qazi, Delhi (i) I (ii) 1973-74 (iii) 99,980 (iv) 1,18,597 (v) 76,910 (vi) 58,016, (35) 22-010-PT-1711, S R Jain C/o Jain Bros, Hauz Qazi, Delhi (i) I (ii) 1973-74 (iii) 75,710 (iv) 105,039 (v) 71,492 (vi) 50,435, (36) 22-019-PQ-6996, S R, Ray C/o M-98, Greater Kailash, New Delhi (i) I (ii) 1975-76 (iii) 2,41,979 (v) 2,41,979 (vi) 1,62,919, (37) 22-00-R1-0885 Sushil Kumar Dalmia Katra Kashi Nath, Khari Baoli, Delhi (i) I (ii) 1975-76 (iii) 1,10,720 (iv) 1,10,720 (v) 61,357 (vi) 60,340, (38) 22-007-PQ-6164, S Ratnam C/o D C M Premises, Bara Hindu Rao, Delhi (i) I (ii) 1975-76 (iii) 1,09,056 (iv) 1,09,056 (v) 60,576 (vi) 60,595, (39) 22-007-PX-4827 Shri Dhai C/o, D C M Premises, Bara Hindu Rao, Delhi (i) I (ii) 1973-74 (iii) 1,87,390 (iv) 1,88,600 (v) 1,41,312 (vi) 1,41,720, (40) 22-007-PQ-4825, Vinay Bhart Rani C/o D C M Premises, Bara Hindu Rao, Delhi (i) I (ii) 1973-74 & 1974-75 (iii) 1,42,240 & 1,43,500 (iv) 1,46,760 & 1,46,600 (v) 1,02,820 & 1,02,642 (vi) 1,02,820 & 1,18,026, (41) 11-037-PQ-3394 W R Correa C/o Bakelite Hylam Ltd, Bombay (i) I (ii) 75-76 (iii) 1,36,350 (iv) 1,36,350 (v) 81,592 (vi) 81,700, (42) 22-021-PV-8937 William White C/o A-4/2, Vasant Vihar, New Delhi (i) I (ii) 73-74 & 74-75 (iii) 1,25,824 & 1,26,035 (iv) 1,25,824 & 1,26,035 (x) 83,555 & 83,752 (vi) 83,555 & 83,752.

New Delhi, the 21st April 1977

No O & C-I/pub/287/B-1/75-76/2062—In pursuance of sub-section (1) of section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) order dated 3-6-1969, the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi, being of the opinion that it is expedient in public interest so to do, hereby publishes names and other particulars of assessee on whom penalty of not less than Rs 5,000/- was imposed during the financial year 1973-74—

Sl. No	PAN/GIR NO.	Name and address of the assessee	Status	Assessment Year	Amount of Penalty levied in Rs
1	2	3	4	5	6
1	22-014-PZ-4162 DLI/SC	Bhanu Prakash Singh D-53, Vasant Vihar, New Delhi,	Individual	1967-68	Rs 8,340/-

The 19th July 1977

No. O & C-I/Pub/O-I/C/74-75/19438—In pursuance of sub-section (1) of Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) order dated 9-6-69 the Commissioner of Income-tax Delhi-I, New Delhi, being of the opinion that it is expedient in public interest so to do hereby publishes names of assessee who are in default of the Rs 25,000/- or more as on the last day of the Financial Year 1974-75 i.e. as on 31-3-1975

Sl. No.	Name & Address of the assessee	Persons in default for period exceeding 9 mths but not exceeding 1 yr. & 3 months	Persons in default for period 1 yr. & 3 mths & above but not exceeding 2 yrs & 3 months	Persons in default for period of 2 yrs & 3 months & above.
1	2	3	4	5
1	M/s Afghan Fruit Com Indira Market, Subzi Mandi, Delhi P A No 22-007-PN-5715	—	—	1,64,968
2	M/s Ambika Finance Co (Pvt) 10-B, Kulapuk Garden, Madras	—	—	68,000
3	M/s Acme Finance (Pvt) Ltd. (in Liquidation) C/o Official Liquidator, Bharat Scouts Buildings, Ring Road, New Delhi	—	—	59,000
4	M/s Ashoka Finance Co Pvt Ltd (in liquidation), 10/5, Punjabi Bagh, New Delhi	—	—	53,000
5	M/s Adheli Finance (Pvt) Ltd C-118, Greater Kailash, New Delhi	—	—	30,000
6	M/s Chand Finance & Chit Fund (Pvt) Ltd Through Shri Yash Paul Bhasin, F-141, West Patel Nagar, New Delhi	—	—	2,18,000
7	M/s E. S. Pearcey Lal (HUF) Kashmere Gate, Delhi P A No 22-007-HT-4397.	—	—	3,45,600
8	M/s Green Group & Financiers & Chit Fund (Pvt) Ltd C/o M/s S K. Bhandari & Co C As M-132, Connaught Circus, New Delhi	—	—	1,06,000
9	Late Dr Gurbux Singh, 15, Auranzeb Road, New Delhi	—	—	44,000
10	Dr Gurbux Singh & Sons (HUF) 15-Auranzeb Road, New Delhi.	1,83,000	—	4,000
11	M/s Inder Pratha Fin & Chit Fund, P Ltd C/o Sh S C Sunehra, M-4A, Jangpura, Bhogal New Delhi	—	—	1,80,000
12	M/s International Commercial Cor P Ltd, 873, East Park Road, Karol Bagh, New Delhi	—	—	191,000
13	Dr. J Dharma Teja S-341, Panchsheel Park, N Delhi	—	—	5,46,91,000
14	M/s J. N. A. Inds (P) Ltd 8, Padmanab Enclave, New Delhi.	69,862	—	—
15	Kamal Bus Service (P) Ltd, Kashmere Gate, N Delhi	62,991	—	—
16	Kamal Electronicals (P) Ltd Original Road, Delhi	—	—	33,712
17	K B Trehan C/o M/s Omega Motors (P) Ltd, 1-E-18, Jhandewalan Extn., N Delhi	—	—	57,263
18	Kamal & Co. (Jaipur) (P) Ltd 24 Ansari Road, Delhi.	—	—	1,27,063
19	M/s Lok Manch (P) Ltd Darya Ganj, Delhi	42,090	—	—
20	Mehroli Dehat Tpt Co. (P) Ltd (Co) Mehroli, New Delhi.	81,906	—	—
21	Model Press (P) Ltd, 6-E, Jhandewalan, New Delhi	—	—	47,533
22	Moon Light Chit Fund (P) Ltd, 267, R. J. Market, Ch. Chowk Delhi.	—	—	38,482
23	Norfolk Syndicate (P) Ltd, N-17, Con. Place, New Delhi.	—	—	1,91,215
24	Policy Holders Assn. (P) Ltd. Through Official Liquidator, New Delhi	—	—	31,851
25	M/s Paradise Finance Chit Fund (P) Ltd 53-54, G B Road, Delhi	—	—	30,459
26	Late Shri Panna Lal Gupta, Ajmeri Gate, Delhi	—	—	1,07,405
27	Late Shri Prabhu Dayal, Kucha Natiwan, Chandni Chowk, Delhi.	—	—	26,518
28	M/s Prime Rose Fin. P. Ltd, 5/2, East Patel Nagar, New Delhi	—	—	98,000
29	R. G Grover & Co 58-Janpath, New Delhi	—	—	78,000

1	2	3	4	5
30	Shri Ram Parkash, Queens Road, Delhi.	28,562	—	—
31.	M/s Roy Bros (P) Ltd 4E, Con. Place, New Delhi	—	—	64,650
32.	Seth Chit Fund (P) Ltd Gali Sangtrashan P.G. New Delhi	—	—	34,036
33	M/s Shahimar Cinema, Bhogal, New Delhi	—	1,13,000	11,000
34.	M/s United India General Fin (P) Ltd, (In Liquidation) C/o Official Liquidator 16, Ring Road, New Delhi	—	—	8,23,000

AVATAR SINGH,
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
DELHI-I, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th Dec 1976

No O&C.I./Pub/D-II/B/74-75/36658 —In pursuance of Sub-section (1) of Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) order dated 9-6-69 the Commissioner of Income-tax Delhi-II, New Delhi being of the opinion that it is expedient in public interest so to do, hereby publishes names and other particulars of on assessees whom penalty of not less than Rs 5000/- was imposed during the financial year 1974-75

S No	PAR/GIR Rs	Name & address of the assessee	Status	Asstt year	Amount of penalty levied
1.	22-000-PN-0343 DLI/Co Cir. IV	M/s Auto Lamps Ltd., 6, Alipore Road, Delhi	Company	1972-73	Rs 5,033/-
2	22-000-CO-0737 DLI/Co Cir. VIII	M/s Bali & Co (P) Ltd, B-11, New Rohtak Road, New Delhi	Company	1968-69	Rs 8,500/-
3.	22-000-OX-0370 DLI/Co. Cir. IV	M/s Bhairi Sunder Dass Sardai Singh (P) Ltd., 4/23-B, Asaf Ali Road, New Delhi	Company	1969-70	Rs 6,008/-
4	22-000-BN-0297 DLI/Co. Cir. IV	Shri Joginder Singh, E-10, Defence Colony, New Delhi	HUF	1972-73	Rs. 10,000/-
5	22-000-CO-0256 DLI/Co Cir. I	M/s Universal Industries & Cotton Mills Ltd., H-Block, Con Circus, New Delhi.	Company	1973-74	Rs 10,600/-

"Certified that the above information is correct,
complete and fit for publication."

The 1 April, 1977

No O & C-I/Pub/D-II/B 75-76/662 —In pursuance of sub-section (1) of section 287 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) and the Ministry of Finance (Department of Revenue 2nd Insurance) order dated 3-6-1969 the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi, being of the opinion that it is expedient in public interest so to do, hereby publishes names and other particulars of assessees on whom penalty of not less than Rs 5,000/- was imposed during the financial year 1975-76 —

Sl. No.	PAN/GIR/NO	Name and Address of the assessee	Status	Assessment Year	Amount of penalty levied in Rs.
1	2	3	4	5	6
1.	22-000-CV-0343 DLI/Co Cir. IV	M/s Auto Lamps Ltd 6, Alipore Road, Delhi	Co.	1973-74	6,070
2.	22-013-PY-7246 DLI/Co. Cir. I	Sh Baldev Raj Sachdeva C/o Sh D K Bajaj, Advocate E-2/50, Con. Place, New Delhi.	Indl	1969-70	5,326
3.	Do.	Do	Indl	1970-71	7,642
4.	22-000-CY-0516 DLI/ Co. Cir.v	M/s Bhana Mal Gulzari Mal (P) Ltd Chawri Bazar, Delhi.	Co.	1971-72	10,000
5.	22-000-CN-1333 DLI/ Co Cir. IX	M/s Byford (P) Ltd, 5M, NDSE, New Delhi	Co.	1975-76	9,000

No. O & C-I Pub/D-II/C/75-76/70.—In pursuance of Sub-Section (1) of section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) order dated 9-6-69 the Commissioner of Income-tax Delhi-II, New Delhi being of the opinion that it is expedient in public interest so to do hereby publishes names of assesses who are in default of the Rs. 25,000/- or more as on the last day of the Financial Year 1975-76 i.e. on 31-3-1976.

Sl.	Name & Address of the assessee	No.	Part-I	Part-II	Part-III
			Persons in default for period exceeding 9 Months but not exceeding 1 Year & 3 months	Persons in default for period of 1 Year & 3 months and above but not exceeding 2 Years and 3 months	Persons in default for periods of 2 Years and above
1	2	3	4	5	
1	M/s Ahuja Bhoy's (P) Ltd, 15/8, West Patel Nagar, New Delhi		—	—	75,214
2	M/s Bishwakha Singh & Co (P) Ltd, Con. Place, New Delhi		—	—	4,28,702
3	M/s. Delux International (P) Ltd, 35/27-28, West Patel Nagar, New Delhi		50,465	—	—
4	Sh. Gurdip Singh, 5/1, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi		—	—	76,361
5	Smt. Harminder Kaur, Pusa Road, New Delhi	62,000	—	—	53,000
6	Sh. Mohan Singh, C/o, M/s Chandoor & Gultani, C A 5A/10, Arvani Rd, Delhi		—	—	1,67,156
7	M/s. Northern India Land & Finance (P) Ltd, Model Basti, Delhi		—	—	1,57,652
8	Late Prem Nath through L/H. S. Scindia House, New Delhi		—	—	16,48,000
9	M/s Reliance Chit Fund (P) Ltd, D-1, Rana Paitan Bagh, New Delhi		—	—	29,874
10.	M/s. Ram Singh Sardar Singh Financiers (P) Ltd, 3A/3, Asaf Ali Road, New Delhi		—	—	3,41,528
11	M/s Saraswati Inds, (P) Ltd, G.T. Road, Shahdara, Delhi		—	—	48,715
12	M/s Supreme Finance (P) Ltd, Karol Bagh, New Delhi		—	—	51,533
13	M/s Sangem Finance (P) Ltd, 178-C, Sadar Bazar, Meerut Cantt, Meerut (U.P.)		87,586	—	—

The 7th April 1977

No. O&C-I/Pub/D-II/A/75-76/877.—Following is list showing the names of assessees, who during the financial year 1975-76 (a) being individuals and HUF's have been assessed on an income of more than one lakh of rupees (b) being firms/association of persons or companies, have been assessed on an income of more than ten lakhs of rupees (i) indicates status 'I' for individual 'H' for HUF and 'C' for Company (ii) Assessment year (iii) for income returned (iv) for income assessed (v) tax payable by the assessee (vi) tax paid by the assessee

(1) 47-P/22-003-PN-2812 A. C. Chawla prop Paradise Indus 40, Najafgarh Road, New Delhi (i) I (ii) 1973-74 (iii) 56,777 (iv) 1,15,000 (v) 73,600 (vi) 31,280, (2) 22-000-PV-1623/DLI/Co Cir. VIII, B R Duggal C/o Atul Glass Ind. (P) Ltd, 3/9, D B Gupta Road, New Delhi (i) I (ii) 75-76 (iii) 1,19,240 (iv) 1,27,393 (v) 50,998 (vi) 55,500, (3) 22-022-PQ-2132/DLI/C Cir I, Charan Singh, Mohan Singh Bldg, Con Lane, New Delhi (i) I (ii) 73-74 (iii) 2,98,710 (iv) 2,98,710 (v) 1,74,298 (vi) 1,74,298, (4) 22-002-21961/DLI/Co Cir I, Daljit Singh, Mohan Singh Bldg, Con Lane, New Delhi (i) I (ii) 73-74 (iii) 3,47,550 (iv) 3,47,550 (v) 2,27,366 (vi) 2,27,366, (5) 22-000-PY-0320/DLI/Con Cir D R Sondhi C/o IMA Inds, (P) Ltd 8 Padmami Enclave, New Delhi (i) I (ii) 75-76 (iii) 1,00,910 (iv) 1,01,330 (v) 54,627 (vi) 54,627, (6) 22-000-CT-0395/DLI/Co Cir I, Food Specialities Ltd, 5-A, Con Cucus, New Delhi (i) C (ii) 73-74 (iii) 1,27,40,880 (iv) 1,38,05,860 (v) 79,94,676 (vi) 76,46,629, (7) 22-025-CZ-1548/DLI/Co Cir I, Hitachi Ltd (Tokyo), Japan C/o Jindal Mehta & Co C/A David Street, Darya Ganj, Delhi I C (ii) 73-74 & 74-75 (iii) 2,97,810 & 12,79,772 (iv) 11,02,320 & 12,79,772 (v) 5,78,718 & 6,71,879 (vi) 5,78,718 & 6,71,897 (8) 22-00-PQ-0296/DLI/Co Cir Inder Mohan Sharma, 12F Con Place, New Delhi (i) I (ii) 74-75 & 75-76 (iii) 1,06,067 & 1,11,899 (iv) 1,06,067 & 1,11,899 (v) 62,766 & 62,766 (vi) 61,947 & 38,119, (9) 22-000-PY-8529/DLI/Co Cir V, Kun, Delhi (i) I (ii) 73-74 (iii) 1,04,043 (iv) 1,04,043 (v) 63,516 (vi) 36,444; (iii) 22-002-PT-9234/684 Minal Lal Goel, 10.

East Park Area, New Delhi (i) I (ii) 74-75 (iii) 1,08,930 (iv) 1,13,030 (v) 71,786 (vi) 82,800, (ii) 22-002-PY-7560/63-R, Ram Surup Kathuria P/o Marshal Industries of India Naldehra Road, New Delhi (i) I (ii) 74-75 (iii) 1,14,280 (iv) 1,69,993 (v) 68,990 (vi) 72,238, (12) 22-002-HZ-6674/1225, S R Kapoor & Sons Co 58, Con Place, New Delhi (i) H (ii) 73-74 (iii) 1,04,731 (iv) 1,07,513 (v) 66,710 (vi) 34,500, (13) 22-013/PV/7172, Upkar Kaur 67/5, Rohtak Road, New Delhi (i) I (ii) 74-75 (iii) — (iv) 1,25,470 (v) 83,232 (vi) 83,232.

JAGDISH CHAND,
Commissioner of Income-tax
Delhi-II, New Delhi.

New Delhi, the 7th May 1977

No. O&C-I/Pub/D-III/E/75-76/5230.—Following is list showing the names of individuals and AOP, who during the financial year 1975-76 have been assessed on a wealth of more than ten lakhs of rupees (i) indicates status 'I' for Individual and 'A' for AOP (ii) Assessment year (iii) Wealth returned (iv) wealth assessed (v) wealth-tax payable (vi) Wealth-tax paid by the assessee --

(1) AN-9949, X-12 Raghbir Singh Trust 12, Tilak Marg, New Delhi (i) A (ii) 1975-76 (iii) 14,21,860 (iv) 14,23,337 (v) 36,933, (vi) 36,874 (2) PY-9308, (4) Sarawati Menon 39, Lot Bagh, New Delhi (i) I (ii) 74-75 (iii) 10,69,545 (iv) 10,74,674, (v) 17,241 (vi) 22,780 (3) PO-3028 IX (12) Sagu Shamsher Jang Bahadur Rana C/o S R Kapoor & Co 58, Con Place, New Delhi (i) I (ii) 66-67 to 71-72 (iii) 2,61,683, 2,52,683, 3,150,314, 2,78,042, 2,64,095 & 1,57,230 (iv) 11,37,354, 11,21,741, 11,82,260, 11,48,843, 11,41,061 & 10,30,001 (v) 4,778, 4,625, 5,218; 5,230, 5,120, 7,233 (vi) 4679.

A. C. JAIN
Commissioner of Income-tax
Delhi-III, New Delhi

New Delhi, the 22nd June 1977

No. O & C-I/Pub./D-IV/A/75-76/15998.—Following is list showing the names (a) being individuals and HUFs who have been assessed on an income of more than one lakh of rupees (b) being firms, association of persons or companies who have been assessed on an income of more than ten lakhs of rupees during the financial year 1975-76 (i) indicates status 'T' for individuals 'H' for H.U.F. 'C' for company (ii) for assessment year (iii) for income returned (iv) for income assessed (v) tax payable by the assessee and (vi) tax paid by the assessee. (1) 22-006 PX 3232/DLI/III (7) Ashok Kumar P/o Amar Dye stuff Co. 186, Tilak Bazar, Delhi (i)I(ii)75-76(iii)1,07,330 (iv) 1,08,290 (v) 60, 639(vi) 59,247(2)22-006-PV-3231/DLI III(7) Amar Nath P/o Atul Traders, Cloth Market, Delhi (i) I (ii) 75-76 (iii) 1,16,958 (iv) 1,17,160 (v) 66,127 (vi) 65,667 (3) PX-8240 Amit Kumar Jain 49, Rajpur Road, Delhi (i) I (ii) 74-75 & 75-76 (iii) 1,10,190 & 1,37,603 (iv) 1,13,010 & 1,57,352 (v) 71,769 & 97,763 (vi) 68,964 & 68,692 (4) PY-8239 Arvind Kumar Jain, 49, Rajpur Road Delhi (i)I(ii)75-76 (iii)1,20,657(iv) 1,23,300 (v) 70,653(vi) 66,965 (5) PN-8155 Anant Ram Jain Lahori Gate, Delhi (i) I (ii) 75-76 (iii) 96,320 (iv) 1,02,571 (v) 53,682 (vi) 52,670 (6) PC-6830 Adarsh Kaur, 167, Golf links, New Delhi (i)I(ii)57-58 & 59-60 (iii) 75,638 & (iv) 1,85,138 & 1,43,225 (v) 1,30,340 & 95,129(vi)—&—(7)PV-6137, Anand Kumar, Prop. S. A. Bros. 28, Shankar Market, New Delhi (i) I (ii) 71-72 & 73-74 (iii)60,000 & 50,000 (iv) 1,25,025 & 1,30,050 (v)79, 244 & 87,446(vi)—&—19,550 (8) 22,007-PC-6267/DLI/III-25 Bhagiyawati Sanghi, 12, Golf links New Delhi (i)I(ii)73-74 (iii) 95,325 (iv) 1,25,920 (v) 1,18,940 (vi) 21,490 (9) 22-007-9534, Baldev Raj Sawhney P/o Small Arms G. B. Road, Delhi (i) I (ii) 74-75 & 75-76 (iii) 2,03,700 & 3,16,250 (iv) 2,03,700 & 3,16,700 (v) 1,56,705 & 2,20,344 (vi) 1,56,688 & 2,21680 (10) PZ-9679 B. M. Sethi P/o Small Arms G.B. Road, Delhi (i)I(ii)75-76(iii) 98,480 (iv) 1,09,422 (v) 60767 (vi) 52,344 (11) PX-1074 Bhagat Ram P/o Bhagat Ram Gulshan Kumar G.C.M. Delhi. (i)I(ii)74-75(iii)1,06,300 (iv) 1,07,380 (v) 57,904 (vi) 57,904 (12) 22-006-CN-0403 / DLI/III-I, Flowmere (P) Ltd. K-40, Con. Circus, New Delhi (i)C(ii)74-75(iii) 12,71,960 (iv) 14,21,820 (v) 8,25,969 (vi) 82,596 (13) 22-004-FT-9813, Gurunanak Finance Co. 7877, Roshanara Road, Delhi (i) F (ii) 64-65 (iii) 1,445 (iv) 14641 60 (v) 230038 (vi)—(14) PZ-1184, Harjit Singh P/o National Homeo Stores, Katra Baryan, Delhi (i) (ii) 75-76 (iii) 119880 (iv) 1,21,720 (v) 70,327 (vi) 72,500 (15) PN-0410, Hira Lal P/o Hira Lal & Sons, 20, East Park Road Area, Karol Bagh, New Delhi (i)I(ii) 73-74 (iii) 99,228 (iv) 1,44,100 (v) 1,00,372 (vi) 85,891 (16) PZ-0411 Hari Shankar, P/o Hira Lal & Sons, 20, East Park Area, Karol Bagh, New Delhi (i)I(ii) 73-74 (iii) 1,04,010 (iv) 1,51,450, (v) 1,07,134 (vi) 86,222 (17) PY-1213 J. P. Jhalani C/o Manoranjan Films (P) Ltd, Chandni Chowk, Delhi (i)I(ii) 73-74 (iii) 1,10,479 (iv) 1,10,540 (v) 54,983 (vi) 60,006 (18) 22-007-PY-2505 Jayotana Bahana P/o Desai & Co. B. Palace, New Delhi (i)I(ii) 73-74 (iii) 63,049 (iv) 1,39,805 (v) 96420 (vi)—(19) 22-007-PV-9164 Kamila Devi P/o Audio Centre, 13, Darya Ganj, Delhi (i)I(ii) 75-76 (iii) 1,87,460 (iv) 1,89,750 (v) 1,22,710 (vi) 1,20,664 (20) PT-1265, Krishna Devi Jhallani, C/o Banarsi Dass & Sons Ch. Bazar, Delhi (i)I (ii) 72-73 (iii) 1,09,772 (iv) 1,09,420 (v) 54,666 (vi) 55,942 (21) PX-1284 Kartar Singh P/o National Homeo Stores, Katra Baryan, Delhi (i)I(ii) 75-76 (iii) 1,07,270 (iv) 1,09,280 (v) 60,749 (vi) 66,600 (22) HX-1235, K. K. Jhallani C/o Banarsi Dass & Sons Ch. Bazar, Delhi (i)H(ii) 72-73 (iii) 1,10,138 (iv) 1,17,440 (v) 70,601 (vi) 70,601 (23) PY-1332 Mohd. Mustaqiun P/o Mohd. Swaleheen & Co. Ballimaran, Delhi (i) I (ii) 74-75

& 75-76 (iii) 1,85,215 & 1,17,660 (iv) 1,85,718 & 1,17,060 (v) 1,38,662 & 66,739 (vi) 1,38,662 & 70,427 (24), PZ-1331, Mohd. Swaleheen P/o Mohd. Swaleheen & Co. Ballimaran, Delhi (i)I(ii) 74-75 & 75-76 (iii) 1,84,309 & 1,15,830 (iv) 1,84,480 & 1,15,830 (v) 1,37,522 & 65,792 (vi) 1,37,522 & 69,480 (25) PX-1333 Mohd. Hanif P/o Mohd. Swaleheen & Co., Ballimaran, Delhi (i) I (ii) 74-75 & 75-76 (iii) 183724 & 1,15,220 (iv) 1,83,880 & 1,15,220 (v) 1,36,970 & 65,322 (vi) 1,36,970 & 69,396 (26) PV-1332 Mohd. Farooq P/o Mohd. Swaleheen & Co. Ballimaran, Delhi (i)I(ii) 74-75 (iii) 1,10,209 (iv) 1,10,320 (v) 69,294 (vi) 69,294 (27) FN-1330 Mohd. Swaleheen & Co. Ballimaran, Delhi (i) F(ii) 74-75 (iii) 15,65,002 (iv) 15,66,502 (v) 4,15,932 (vi) 415932 (28) PN-0609, Manorma Puri P/o Electric Instrumentation, G.B. Road, Delhi (i)I(ii) 73-74 to 75-76 (iii) 1,04,692, 93,090 & 1,55,562 (iv) (1,07,796, 1,05,740 & 1,63,680 (v) 65,973, 52598 & 1,00,611 (vi) 64,676, 52,598 & 95,336. (29) HT-5174 O.P. Jhallani C/o Banarsi Dass & Sons, Chawri Bazar, Delhi (i)H(ii) 72-73 & 74-75 (iii) 1,25,210 & 1,08,315 (iv) 1,25,520 & 1,13,550 (v) 82,184 & 79,573, (vi) 81,262 & 75,751 (30) 22-006-RV-0609/III (i) Phillips petroleum C/o Mohinder Puri & Co. CA. Delhi (i) C (ii) 68-69 to 72-73 (iii) 3,13,200, 8,06,460 34,15,712, 34,00,859 & 22,40,481 (iv) 39,90,232, 13,59,619, 30,30,567; 26,16,151 & 20,14,310 (v) 27,93,162, 9,51,734 21,21,399; 18,31,306 & 14,45,267 (vi) 31,66,579; 9,51,856; 26,17,648; 24,17,036 & 18,35,151 (31) 22-005PN-9356/DLI/ III (1) Purshotam Dass P/o Nandu Mal Purshotam Dass, Chandni Chowk, Delhi, (i)I(ii) 73-74 (iii) 1,27,307 (iv) 1,45,550 (v) 1,14,667 (vi) 99,926 (32) PZ-1401 Prem Nath P/o K. C. Raj & Co. Chandni Chowk, Delhi (i) I (ii) 73-74 (iii) 1,12,380 (iv) 1,38,790 (v) 34,197 (vi) 9,900 (33) PZ-6943 Prakash Devi Jain, 49, Rajpur Road, Delhi (i)I (ii) 75-76 (iii) 1,42,379 (iv) 1,45,516 (v) 88,646 & 69,007 (34) PN-9000, Raj Kumar P/o Lachi Ram Devi Pd. Cloth Market, Delhi (i)I(ii) 74-75 (iii) 67,620 (iv) 1,00,670 (v) 72,295 (vi) 38,341 (35) PT-1188 R. Haskar P/o Pandit Bros. Chandni Chowk, Delhi (i)I(ii) 73-74 (iii) 2,34,119 (iv) 2,34,120 (v) 1,82,478 (vi) 1,85,153 (36) HT 1482, Rajinder Parsad Jhallani C/o Banarsi Dass & Sons, Chawri Bazar, Delhi (i)H(ii) 72-73 (iii) 1,02,485 (iv) 1,03,470 (v) 48,086 (vi) 50,235 (37) PG-0081 S. P. Sethi P/o American Radio and Automobile Co. Mukerji Marg, Delhi (i)I(ii) 75-76 (iii) 91,390 (iv) 1,02,330 (v) 57,472 (vi) 46,881 (38) PN-0105 Shiv Shankar Lal P/o Gopal Singh Rai Katra Tabacco Delhi (i)I(ii) 75-76 (iii) 96,220 (iv) 1,01,370 (v) 43,574 (vi) 45,000 (39) 22-009-PX-9399 /DLI/III(25) S. K. Sanghi, 12, Golf links, New Delhi (i)I(ii) 73-74 (iii) 1,48,919 (iv) 1,77,140 (v) 1,78,850 (vi) 38,300 (40) PO-1539 Satya Pal P/o Dharan Pal Prem Chand Chandni Chowk, Delhi (i)I(ii) 73-74 & 74-75 (iii) 1,04,301 & 1,11,121 (iv) 1,06,360 & 1,13,830 (v) 54,265 & 59,073 (vi) 54,265 & 59,073 (41) 22-005-PV-8975/DLI/III-I Y. R. Chauhan P/o Vrij Lal Mani Lal & Co. Lahori Gate, Delhi (i) I (ii) 74-75 (iii) 1,10,126 (iv) 1,29,890 (v) 86412 (vi) 69,111.

New Delhi, the 7th March 1977

No. O & C-I/Pub/D-IV/C/75-76/46670—In pursuance of sub-section (1) of Section 287 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) and the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) Order dated 9-6-1969 the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi, being of the opinion that it is expedient in public interest so to do, hereby publishes names of assesses who are in default of the tax of Rs. 25,000/- or more as on the 1st day of the Financial Year 1974-75 i.e. as on 31-3-1975—

Sl No	Name and Address of the Assessee	Amount in Default		
		Persons in default for periods exceeding 3 months	Persons in default for periods of 1 Year and 3 months & above	Persons in default for periods of 2 years and 3 months & above
		Rs	Rs	Rs
1	2	3	4	5
Svs				
1. Anindit Lal P/o Shri Gopal Vasdev, Chawri Bazar, Delhi		—	—	12,70,000
2. Bathla & Co 3414, Gali Hakim Bagh, Hauz Qazi, Delhi		—	—	49,024
3. Chunji Lal 3C/13, Rohtak Road, New Delhi		—	155	34,063
4. Dharam Singh Ram Singh 47, Jor Bagh, New Delhi		—	—	1,28,755
5. Gurcharan Singh Sawhney, 12, Roshan Ara Road, Delhi		100	—	45,155
6. Jattu Mal Sham Lal P/o Amrit Lal Bal Kishan Das, Moti Bazar, Delhi		14,256	14,048	—
7. Narain Dass 3C/13, Rohtak Road, Delhi		—	935	42,883
8. Pokhar Dass, 60/33, Rohtak Road, Delhi		506	—	45,754
9. Late Sh. Pehlaj Ram through L/H Smti Pehlaj Ram 3C/13 Rohtak Road, Delhi		—	934	67,164
10. R S Motors (P) Ltd. Scouts Bldg I P Estate, New Delhi		—	—	34,681
11. Shri Gopal Vasdev, Chawri Bazar, Delhi		2,76,000	1,18,000	15,99,000
12. Universal Agencies, 3C/13, Rohtak Road, New Delhi		1,18,332	2,669	5,26,795

N S RAGHAVAN
Commissioner of Income-tax,
Delhi-IV, New Delhi

New Delhi, the 31st May 1977

No. O & C-I/Pub/D-IV/75-76/15439—In pursuance of sub-section (1) of section 287 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) and the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) order dated 3-6-1969, the Commissioner of Income-tax Delhi-IV, New Delhi, being of the opinion that it is expedient in public interest so to do, hereby publishes names and other particulars of assesses on whom penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed during the financial Year 1974-75—

Sl No	PAN/GIR/No	Name and Address of the assessee	Status	Assessment year	Amount of penalty
					levied in Rs
1	2	3	4	5	6
1. PX-8773	Bhagwan Dass Khatri 646, Gali Lohian, Fatehpuri, Delhi	Individual		1971-72	5,000/-
2. PY-1143	Gopal Khullar L/H of Late Sh. Jagan Nath Khullar P/o. Behria Lal & Co Hauz Qazi, Delhi	Individual		1970-71	5,773/-
3. PV-1313	Mohd Saleem L/H of Late Sh. Hazi Mohd Saleem C/o Hazi Ali Jan, Nai Sarak, Delhi	Individual		1971-72	5,557/-

New Delhi, the 9th June 1977

No. O & C-I/Pub/D-IV/E/75-76/15873—Following is list showing the names of individuals and HUFs who during the financial year 1975-76 have been assessed on a wealth of more than ten lakhs of rupees (i) indicates status 'I' for individual and 'H' for HUF (ii) assessment year (iii) Wealth-tax returned (iv) wealth assessed (v) wealth-tax payable (vi) wealth-tax paid by the assessee—

1. Hq-6919, A.P. Jain, 49, Rajpur Road, Delhi (i) H (ii) 1971-72 to 1975-76 (iii) 10,19,622, 12,21,729, 14,60,197; 16,08,070 & 16,26,860 (iv) 10,19,622, 12,21,729, 14,60,197; 16,08,070 & 16,26,860 (v) 14,010, 12,320, 29,698, 80,050 &

92, 555 (vi) 14,010,22320, 29,698, 80,050, 92,555 (2) HN-6720 B R Jain, 49, Rajpur Road, Delhi (i) H (ii) 1974-75 (iii) 10,58,098 (iv) 10,58,098 (v) 32,224 (vi) 32,224 (3) P/o, 6943 Parkash Devi Jain, 49, Rajpur Road, Delhi, (i) I (ii) 1975-76 (iii) 11,07,528 (iv) 11,07,528 (v) 24,276 (vi) 24,276 (4) PX-7121, Saraswati Devi, 49, Rajpur Road, Delhi (i) I (ii) 1974-75 & 1975-76 (iii) 10,24,065 & 11,29,147 (iv) 10,47,747 & 11,59,117 (v) 12,340 & 19,065 (vi) 12,840 & 19,065.

K. R RAGHAVAN
Commissioner of Income-tax
Delhi-IV, New Delhi

New Delhi, the 15th June 1977

No O & C-I/ Pub /D-IV/B/75-76/15218—In pursuance of sub-section (1) of section 287 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) and the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) order dated 3-6-1969 the Commissioner of Income-tax Delhi-IV New Delhi, being of the opinion that it is expedient in public interest so to do, hereby publishes names and other particulars of assessee on whom penalty of not less than Rs 5,000/- was imposed during the financial Year 1975-76

Sl No	PAN/GIR NO.	Name & Address of the Assessee	Status	Ass'tt. Year	Amount of Penalty levied in Rs.
1	2	3	4	5	6
1	CY-6828	Associated Traders & Engineers Pvt Ltd 21/1, Asaf Ali Road, Now Delhi	COY.	70-71	26,000
2.	PX-7844	Baldev Singh, Plot No. 12 Rani Jhansi Road, Delhi	Indl	63-64	130,000
3	FQ-8995	D S Narula & Co, C-66, NDSE-Part-II New Delhi	Firm	71-72 & 72-73	160,000
4	PT-8910	Kedar Nath & Co, Naya Bazar, Delhi	Indl	70-71	16,500
5.	FZ-5951	Prem Singh Ganpath Ram Bhoj Pura, Muliwara Nai Sarak, Delhi	Firm	68-69	6,355
6	FY-6166	Royal Safe Co 50, Rani Jhansi Road, Delhi	Firm	67-68	7,780
7.	FY-2923	Ram Dayal Panna Lal Kucha Natwan, Delhi	Firm	70-71	13,818
8.	I-U	Universal Agencies, 3-C, Rohtak Road, New Delhi	Firm	61-62	1,18,332

(N S RAGHAVAN)
Commissioner of Income-tax,
Delhi-IV, New Delhi

New Delhi, the 15th December 1976

No O&C-I/ Pub /D-V/75-76/35746.—Following is list showing the names (a) being individuals and H.U.F.s who have been assessed on an income of more than one lakh of rupees (b) being firms, associations of persons or companies who have been assessed on an income of more than 10 lakhs of rupees during the financial year 1975-76. (i) indicates status 'T' for individuals 'H' for H.U.F. 'C' for Company (ii) for ass'tt. year (iii) for income returned (iv) for income assessed (v) tax payable to the assessee and (vi) Tax paid by the assessee

(1) PN-8655/III(22) C P Sood P/o Scientific Equipment Works, K/Gate, Delhi (i) I (ii) 75-76 (iii) 1,10,574 (iv) 1,20,611 (v) 69,320 (vi) 61,389, (2) 22-003-PI-7210/III-I-III(19), Daljit Singh P/o Auto Pins Kashmere Gate, Delhi (i) I (ii) 75-76 (iii) 93,548 (iv) 1,23,846 (v) 71,968

(vi) 48,483, (3) PR-7243/III(19) Gurdeep Singh P/o Auto Pins, Kashmere Gate, Delhi (i) I (ii) 75-76 (iii) 93,670 (iv) 1,24,166 (v) 72,214 (vi) 48,733; (4) PY-7259/III-(19), Harish C Khosla & Co, Hauz Qazi, Delhi (i) I (ii) 75-76 (iii) 1,37,347 (iv) 1,43,480 (v) 87,082 (vi) 87,943; (5) 22-005-PT-0002, Hans Raj P/o Gupta Bales Corp C-40/1, Wazirpur Indl Area, Delhi (i) I (ii) 74-75 (iii) 1,08,426 (iv) 1,14,143, (v) 72,808 (vi) 72,808 (6) PL-8532/III-22, Lal Chand Bajaj P/o Motor Sales Co, Kashmere Gate, Delhi (i) I (ii) 75-76 (iii) 1,05,452 (iv) 1,12,593 (v) 63,300 (vi) 63,300; (7) PI-8688/III-22, P N Sood P/o Scientific Equipment Works, Kashmere Gate, Delhi (i) I (ii) 75-76 (iii) 1,12,212 (iv) 1,22,250 (v) 70,930 (vi) 63,005; (8) 22005 PN-5316, Rajiv Kumar Gupta C-40/1, Wazirpur, Indl. Area, Delhi (i) I (ii) 74-75 (iii) 1,05,748 (iv) 1,05,760 (v) 65,100 (vi) 65,100; (9) PL-7448/III-19, Surinder Banga P/o Kulwant Motors, K/Gate, Delhi (i) I (ii) 75-76 (iii) 1,04,179 (iv) 1,06,600 (v) 58,682 (vi) 62,000

The 11th March 1977

No O & C/I/ Pub /D-V/ C/ 75-76/ 47384—In pursuance of Sub-section (1) of Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) order dated 9-6-69 the commissioner of Income-tax Delhi-V, New Delhi being of the opinion that it is expedient in public interest so to do hereby publishes names of assessee who are in default of the Rs 25,000/- or more as on the the last day of the Financial Year 1975-76 i.e as on 31-3-1976

Sl No.	Name & Address of the assessee	Part-I			Part-II		Part-III	
		Persons in default for period exceeding 9 Mths, but not exceeding 1 Yr & 3 months	Persons in default for period 1 Yr & 3 months & above but not exceeding 2 Yrs & 3 months	Persons in default for periods of 2 Yrs & above	Persons in default for periods of 2 Yrs & above	Persons in default for periods of 2 Yrs & above	Persons in default for periods of 2 Yrs & above	Persons in default for periods of 2 Yrs & above
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	M/s Bharat Land & Finance Co, 2, Vishnu Garden, New Delhi	—	—	—	—	—	—	1,61,429
2.	Sh Himat Lal Fatich Mohd 65/19, Rohtak, Road, New Delhi.	—	—	—	—	—	—	5,09,444
3	M/s Jagdamba Carpet Mfg Co B-33, New Multani Nagar, New Delhi	—	—	—	—	—	—	1,04,79
4.	Sanwal Dass Hira Kishan, 5008, Sirkri Wala, Delhi	—	—	—	—	—	—	12,31,109

New Delhi, the 22nd March, 1977

No. O & C/ Pub/ D-V/ 74-75/ 4851.—In pursuance of Sub-section(1) of Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) order dated 9-6-69 the Commissioner of Income-tax Delhi-V New Delhi being of the opinion that it is expedient in public interest so to do hereby publish names of assessees who are in default of the Rs 25,000/- or more as on the last day of the Financial Year 1974-75 i.e. as on 31-3-1975

Sl. No.	Name & Address of the assessee.	Part-I		Part-II		Part-III	
		Persons in default for period exceeding 9 months but not exceeding 1 Yr. & 3 months Rs	Persons in default for period 1 Yr. & 3 months & above but not exceeding 2 Yr. & 3 months Rs	Persons in default for periods of 2 Yrs. and three months & above Rs	Persons in default for periods of 2 Yrs. and three months & above Rs	Persons in default for periods of 2 Yrs. and three months & above Rs	Persons in default for periods of 2 Yrs. and three months & above Rs
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	American Rubber Mills, G T Road, Shahdara,	—	—	—	—	74,990	
2.	Ajit Singh partner of above,	—	—	—	—	35,529	
3.	Anand Bihari Katara Rajasthan Surgical Co E-100, Kamla Nagar, Delhi.	—	26,583	—	—	—	
4.	Brij Mohan Nathi Lal Shahdara Delhi	—	—	—	—	35,529	
5.	Devi Dayal & Co 65/8 Rohtak Road, New Delhi	—	—	—	—	5,09,444	
6.	Dalip Singh Prop Bharat Land, Finance Co Vishnu garden, New Delhi	62,695	32,430	—	—	24,304	
7.	Harnam Singh partner of American Rubber Mills, G T Road, Shahdara,	—	—	—	—	44,177	
8.	Indian Metal Inds 21-A Indl Area, Faridabad	—	22,556	—	—	1,06,214	
9.	Jagdamba Carpet Mfg Co D-38 New Multan Nagar, Rohtak Road, New Delhi	26,005	68,838	—	—	—	
10.	Mahabir Bhatta Co Muntika, Delhi.	—	—	—	—	84,809	
11.	Mohindra Electric Supply Co Kashmere Gate, Delhi	—	—	—	—	78,017	
12.	Om Parkash prop Indl West Co Mall Road, Delhi	1,08,803	—	—	—	—	
13.	Swastik Metal Works, Shahdara, Delhi	—	—	—	—	70,850	
14.	S K Rastogi partner of Indian Metal Inds 21-A Indl Area, Faridabad	—	—	—	—	1,88,308	
15.	Sanwal Dixs Hari Krishan, 5008 Sikkiwala Delhi	—	12,31,109	—	—	33,834	
16.	V K. Rastogi partner of Indian Metal Inds. 21-A, Indl Area, Faridabad	—	27,310	—	—	1,40,834	

S D MANCHANDA
Commissioner of Income-tax
Delhi-V, New Delhi

New Delhi, the 5th September 1977

CORRIGENDUM

No. IUR-DLI/V/77-78/23250—Item No. 3 under col. 3 of S. No. 1 of this office notification No. JUR-DLI/V/77-78/21973 dated 19-8-77 may be read as under—

(3) All persons being partners of the firms falling under (1) and (2) above

This notification shall take effect from the same date

K. R. RAGHAVAN,
Commissioner of Income-tax,
Delhi-V, New Delhi

FORM ITNS

(1) Smt Niharika Das Gupta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijay Kumar Ginodia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(3) Seller

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 7th September 1977

Ref No 35-V/Acq—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No 52/96-A situated at Luxmi Kund (Laksa), Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Varanasi on 20-1-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A house No 52/96-A measuring 460 sq metres situated at Luxmi Kund (Laksa) Varanasi

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date 7-9-77

Seal

FORM II NS

(1) 1 Shri Lok Nath
 2 Shri Lal Chand } Sons of Shri Sawan Ram
 through his General Attorney, Shri Amar Chand
 Kamra, Residents of Malout, Distt. Faridkot (Punjab)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
 SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 9th September 1977

Ref. No. CHD/89/76-77—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No I Kanal House No. 2192, Sector 21-C, Chandigarh, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) 1 Shri Chaman Lal Doda s/o Shri Hansa Raj Doda.
 2 Smt. Sudarshan Doda w/o Shri Chaman Lal Doda
 Residents of House No. 2192, Sector No. 21-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Kanal House No 2192, Sector 21-C, Chandigarh
 (Property as mentioned in Registration Deed No 1630 of Authority, Chandigarh.)

RAVINDER KUMAR PATHANIA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Rohtak

Date : 9-9-1977

Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS —————

(1) Shri Ramesh Kumar s/o Shri Manohar Lal s/o Shri Jodha Ram R/o Sukharanwala Tehsil Dabwali, Distt Sirsa

(Transferor)

(2) 1 Shri Ganesh Mal } sons of Shri Dawani Mal
2 Shri Chetan Dass } Residents of village Sukharanwala, Teh Dabwali, Distt Sirsa

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 9th September 1977

Ref. No. DBW/14/76-77—Whereas, I, RAVINDAR KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Agricultural Land measuring 182 Kanals 11 Marlas situated at village Sukharanwala, Teh Dabwali, Distt Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Dabwali in February, 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 182 Kanals 11 marlas situated in village Sukharanwala, Tehsil Dabwali, Distt. Sirsa.

(Property as mentioned in Registration Deed No 3676 of February, 1977 of Registering Authority, Dabwali)

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date 9-9-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raja Ram s/o Shri Chajju Ram,
Street No 4, Krishan Nagar,
Hoshiarpur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (i) Shri Sohan Singh s/o Late Major Inder Singh &
(ii) Mrs Satya Gadhok w/o Shri Sohan Singh,
Moutview Hotel, Sector 10, Chandigarh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 13th September 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. CHD/81/76-77.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1861) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential House No 501, Sector 11-B, Chandigarh situated at Chandigarh situated at Chhikanwalani Pole, Gomatipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Residential House No 501 built on Plot No 1-P, Street 'T' Sector 11-B, Chandigarh Total area of the plot is one Kanal (Property as mentioned in Registration Deed No 1416 of February, 1977 of the Registering Authority, Chandigarh)

THE SCHEDULE

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date 13-9-1977

Se.1.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Charanjit Singh Sighat s/o Shri Kartar Singh Sighat, R/o A-74, South Extension Part II, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 13th September 1977

Ref No SPT (DLT)/19/76-77 —Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Factory Building with land situated at village Kunoh, G T Karnal Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Kundan Lal s/o Shri Kartar Singh, R/o B-1/7, Model Town, Delhi-9

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 Kanals and 5 Marlas (5000 sq. yards) in which Factory is built, vice Khewat No 116, Khata No. 198, Mustatil No 6 Kille 12/1 (3-2), Must 6 Kills No 9/2 10/1 (5-3) and land measuring 7 Kanal 15 Marlas (4500 sq. yds) in which vendor has got one half share measuring 2250 sq. yards vice Khewat No 116 Khatoni No 198 Mustotil No 6 Killa 1/2 A 2/2 (5-2) and Killa No 9/1 & 10/1 (2-13), both property situated in village Kunoh, Tehsil & Distt Sonepat

(Property as mentioned in the Registration Deed No 97 of March, 1977 of the Registering Authority, Delhi)

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 13-9-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Heramba Chandra Bhattacharya
74, Vivekananda Road, Calcutta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI
ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 7th September 1977

Ref No 395/Acq R-III/77-78/Cal—Whereas, I, KISHORE SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 198 and 198/1 situated at Bidhan Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-2-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(2) Shri Amulya Charan Das
77/D, Nemoatolla Street, Calcutta

(Transferee)

(3) 1 Sri Jagadish Bhattacharyya, (2) Smt Parul Bala Bhattacharyya, (3) Sri Bholanath Talapatra, (4) Sri Sadhu Behara, (5) Sri Manick Lal Gupta, (6) Sri Nripendia Mohan Bhattacharyya, (7) Sri Kali Kr. Chakravorty, (8) Anil Das (9) M/s. M. Bhattacharyya & Co, (10) Sri Sudhangsu Sekhar Ghosh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring five cottahs nine chittacks and eight sq ft together with a three-storied building at 198 and 198/1- Bidhan Sarani, Calcutta registered under deed No 434 of 1977 before the Registrar of Assurances Calcutta

KISHORE SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16.

Date 7-9-1977

Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Pratipendra Nath Bhose
30, Mohan Bagan Lane,
Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI
ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 7th September 1977

Ref No 394/Acq R-III/77-78/Cal—Whereas, I, KISHORE SEN,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No
82 situated at Mahatma Gandhi Road, Calcutta
floor and first floor, Sheshadri road, Ananda Rao circle,
situated at
Calcutta on 9-2-77.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Gandhinagar, Bangalore, Doc No. 1723/76-77 on 15-12-76,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(2) 1 Smt Dipali Dutta
82, Mahatma Gandhi Road, Cal-9
2 Dr Smt. Chinmoyee Chatterjee
175, Santoshpur Avenue, Cal-32.

(Transferee)

(3) 1. M/s Dhar Bros.
2. Sri Ajit Kumar Dutta.
3. Sri Anil Kumar Dutta.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring one cottah
thirteen chittacks together with a three-storied building at
82, Mahatma Gandhi Road, Calcutta under Deed No 533
of 1977 registered before the Registrar of Assurances, Cal-
cutta.

KISHORE SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

15—266GI/77

Date : 7-9 1977.

Seal :

FORM STNS

(1) Shri Ghanshamdas R. Tuliani & Revachand G. Tuliani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the September 1977

- (2) 1 Radhabai Khemchand,
 2. Kamla Bhagwandas Punjabi,
 3. Jamnadas Ghanshamdas Tuliani,
 4 Savita C. Advani,
 5. Devi M. Shivedasani,
 6. Motee R. Gulrajani,
 7. Bhagwan R. Gulrajani,
 8. Hassanand T. Jadhwanji,
 9. Takanbar C. Daswani,
 10. Raj Ahuja,
 11. Leila V. Advani,
 12. Udharam K. Punjabi,
 13. Motil U. Punjabi, and
 14. Homai J. Desai.

(Transferee)

Ref. No. AR-I/1932-2/Jan.77—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No CS 769(pt) of Malabar & Comballa Hills Division situated at Warden Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Bombay on 17-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCHEDULE as mentioned in the Registered Deed No. 654/66/Bom and as registered on 17-1-1977 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Bombay

Date : September 1977
 Seal,

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th September 1977

Ref. No AR-I/1941-11/77.—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No C S. 2/669 of Kalabar and Comballa Hill Division situated (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Altamount

Bombay on 20-1-1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1 Smt. Champaben Damji, 2. Smt Nirmala Devji and 3 Smt. Tara Ismail Ganga.

(Transferor)

(2) M/s. Abhay Builders

(Transferor)

(3) Bank of India

(Person in occupation of the property)

(4) 1 Krishnakumar H. Pandit and

2. Shri Jawahar V. Muchhala.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCHEDULE as mentioned in the Registered Deed No. 1721/72/Bom and as registered on 20-1-1977 with the Sub-Registrar, Bombay

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date -9-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, .

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th September 1977

Ref. No. TT/20/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 land situated at Vill Panjwar on Jhabal Bhikhwind Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Taran Taran in January 1977 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Bhagwan Singh S/o Sh. Partap Singh Sud Vill Hirapur adjoining Panjwar, Teh Taran Taran, Distt. Amritsar.
- (2) Sh. Tara Singh S/o Sh. Hazara Singh, Vill Jhabal Kalan, Teh. Taran Taran, Distt. Amritsar.
- *(3) As at S No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 50 K 5 M situated in Vill Panjwar on Jhabal Bhikhwind Road as mentioned in the registered deed No 4366 of January 1977 of Registering Authority Taran Taran, Distt. Amritsar.

S. K. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 5-9-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th September 1977

Ref. No ASR/21/77-78—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

land situated at R. B. Parkash Chand Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City—Amritsar in January 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sh Dev Raj Chopra S/o Sh Durga Dass, Katra Dulo, Gali Kalanjan, Amritsar.

(2) Sh Kewal Krishan S/o Sh Madan Lal, 79-Katra Moti Ram, Amritsar.

*(3) As at S No 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

*(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 602.87 sq yds situated at R. B. Parkash Chand Road opp Police Parade Ground, Amritsar as mentioned in the regd deed No. 1292 of Jan. 1977 of Registering Authority Amritsar City.

S. K. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 5-9-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

Amritsar, the 5th September 1977

Ref. No ASR/22/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

land situated at R. B. Parkash Chand Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed here to has been transferred at under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City-Amritsar in January 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Kamal Wishore s/o Sh. Durga Dass, Katra Dulo, Gali Kalanlan, Amritsar.

(2) Sh. Madan Lal s/o Sh. Gulzari Mal, 79-Katra Moti Ram, Amritsar.

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 639 14 sq yds. situated at R. B. Parkash Chand Road opp Police Parade Ground Amritsar as mentioned in the regd. deed No. 1291 of Jan. 1977 of Registering Authority Amritsar City

S. K. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 5-9-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt Gulab Devi wd/o Sh Diwan Singh
Katra Shei Singh Amritsar.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Rama Krishna Dyeing & Printing Works,
House No. 8A, Katra Sher Singh, Amritsar.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th September 1977

Ref No. ASR/23/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No 8A situated at Katra Sher Singh Gali No. 1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at City-Amritsar in January 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House No. 8A, Katra Sher Singh, Gali No. 1 as mentioned in the regd. deed No. 1263 of Jan 1977 of Registering Authority, Amritsar City

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,—

Date 5-9-1977.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Mohinder Kaur w/o Sh. Kartar Singh,
340 East of Mohan Nagar, Amritsar

(2) Smt. Jasbir Kaur w/o Sh. Gopal Singh
s/o Sh. Mohinder Singh
r/o Kotla Sadar Tehsil Ajnala Distt. Amritsar.

*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

*(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th September 1977

Ref. No. ASR/24/77-78—Whereas, I, K. S. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kothi No. 340 1/2 share situated at East Mohan Nagar ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer City-Amritsar on January 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of kothi No. 340 East of Mohan Nagar Amritsar as mentioned in the regd. deed No. 1238 of January 1977 of Registering Authority Amritsar City.

S. K. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 5-9-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Pendyala Sujata, W/o Late Venkata Rayudu, Dommeru, Kovvuru Tq, W G Dist.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th September 1977

Ref No Acq F No. 444—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,
being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing
TS No 1092, 15th Ward, situated at Gantalammagudi
St., Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Rajahmundry on 1-1-1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration there-
for by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

16—266 GL/77

(2) 1. A. Yerrayya Reddy, S/o Obulu Reddy

2 A China Yerukalayya Reddy, S/o Obulu Reddy.

3. A Seetha Ramareddi, S/o Yerrayya Reddy

4. Smt A Laxmamma, W/o Yerrayya Reddy

5 Smt. Polu Vijayalaxmi, W/o Vengalreddy, C/o.
M/s. Apsara Hotel, Rajahmundry

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 6/77
registered before the Sub-Registrar, Rajahmundry during the
fortnight ended on 15-1-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date 15-9-77

Seal :

FORM ITNS—

(1) Piara Singh S/o Sh Ralla Singh Vill Behram Srishta, Teh Jullundur,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th September 1977

Ref. No AP-1713—B S DEHIYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs 25,000/- and bearing
No. As per Schedule situated at Vill. Behram Srishta, Jullundur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jullundur on January 1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :-

*(3) As per S No 2 above
(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No 5159 of Jan. 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-9-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Amar Nath S/o Sh. Hari Ram Attorney of Smt. Shanti Devi W/o Sh. Hans Raj, Gali No. 9, Central Town, Jullundur
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th September 1977

Ref No. AP-1714—Whereas, I, B S DEHLYA, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No As per Schedule situated at Central Town, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on January 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Vasdev Bhalla S/o Sh. Amar Nath S/o Sh. Hari Ram-9 Central Town, Jullundur
(Transferee)

*(3) Shri Om Parkash
(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No 5196 of January, 1977 of the Registering Authority, Jullundur

B. S. DEHLYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date . 14-9-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th September 1977

Ref No AP-1715.—Whereas, J. B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No As per Schedule situated at Shaheed Udhampur Nagar Jullundur (and more full described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Feb 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Azad Nakodar Bus Service (P) Ltd, Jullundur through Sh Atma Singh Managing Director and Sh Dattar Singh, Director
(Transferor)

(2) S/Shri Naresh Kumar, Suresh Kumar S/o Sh. Baboo Lal C/o Mumtaz Lal Roshan Lal, Cloth Merchant Attari Bazar, Jullundur.
(Transferee)

*(3) As per S No 2 above
(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration Sale Deed No 6256 of February, 1977 of the Registering Authority, Jullundur

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-9-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs Kumud P Amersey,
C/o Milton's Limited,
Mathuradas Mills Compound,
N M Joshi Marg, Lower Parel,
Bombay-400013

(Transferor)

(2) Milton's Limited,
Mathuradas Mills Compound,
N M. Joshi Marg, Lower Parel,
Bombay-400013

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, POONA-411004

Poona-411004, the 3rd September 1977

Ref. No. CA5/Bombay (Poona)/Feb'77/339/77-78—
Whereas, I, Smt P. IALWANI
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No
S. No 111/8, F.P.No. 445 situated at Bhamburda, Shivaji
Nagar
and more fully described in
the Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering officer at
at Bombay on 24-2-77
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons whichever period
expires later,
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building situated at S No 111/8 F.P. No. 445,
Bhamburda, Shivajinagar, Poona-5.
Area 4150 3/4 sq yards
(Property as described in the sale deed registered under
No 4695 dated 24-2-77 in the office of the Sub-Registrar,
Bombay)

Smt P. IALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date 3-9-1977

Seal

FORM ITNS

(1) Shri Karam Singh, son of Shri Sital Singh
Village Panodian, Tehsil Patiala

(Transferor)

(2) (i) Shri Balraj Singh,
(ii) Shri Gurbinder Singh,

Residents of Village Panodian, Tehsil Patiala,
sons of Shri Gurdip Singh,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
CENTRAL REVENUE BUILDING

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 12th September 1977

Ref No PTA/5/76-77.—Whereas, I, L. P. DHIR, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 40 bigha and 18 biswas situated at Village Panodian, Tehsil Patiala,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patiala in January, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 40 bigha and 18 biswas situated in Village Panodian, Tehsil Patiala

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4834 of January, 1977 of the Registering Authority, Patiala)

L. P. DHIR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12 Sep. 1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th September 1977

Ref No 15/LDH/C/118/76-77.—Wheeras I, L. P. DHIR, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One shop No B-7/659 (New No B-7/499) situated at Saban Bazar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Saivshri
(i) Sat Pal,
(ii) Bishan Dass,
(iii) Amar Nath,
(iv) Chaman Lal,
Resident of B-4-418,
Chawal Bazar Ludhiana
sons of Shri Daulat Ram
(Transferor)
(2) Shri Bhushan Lal, son of Shri Nand Lal
R/o B-11-863, Khud Mohalla, Ludhiana
(Transferee)
....

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One Shop No. B-7/459 (New No. B-7/499) situated at Saban Bazar, Ludhiana

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1810 of January, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

L. P. DHIR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15 Sep. 1977

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UND'R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
CENTRAL REVENUE BUILDING

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1977

Ref. No. LDH/C/119/77-78.—Whereas I, L. P. DHIR, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No One Shop No B-7/549 (New No B-7/499) situated at Saban Bazar Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of —

- (1) Sarvshri
(i) Sat Pal,
(ii) Bishan Dass,
(iii) Amar Nath,
(iv) Chaman Lal,
Resident of B 4-418,
Chawal Bazar Ludhiana
sons of Shri Daulat Ram
(Transferor)
(2) Shri Nand Gopal, s/o Shri Gopi Chand,
R/o B-10/42, Iqbal Ganj, Ludhiana
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

One Shop No. B-7/459 (New No B-7/499) situated at Saban Bazar, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No 754 of May, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

L. P. DHIR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 Sep. 1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1977

Ref. No LDH/C/120/77-78—Whereas I, L. P. DHIR, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

One Shop No B-7/549 (New No. B-7/499) situated at Saban Bazar, Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Ludhiana in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

17- 266GI/77

(1) Sarvshri
(i) Sat Pal,
(ii) Bishan Dass,
(iii) Amar Nath,
(iv) Chaman Lal,
Residents of Chawal Bazar, Ludhiana
sons of Shri Daulat Ram
(Transferor)
(2) Shri Ram Chand, s/o Shri Jamna Dass,
R/o 1408/1, Sukhram Nagar, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop No. B-7/459 (New No. B-7/499) situated at Saban Bazar, Ludhiana
(Property as mentioned in the Registered Deed No 753 of May 1977 of the Registering Officer, Ludhiana)

L. P. DHIR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date 15 Sep. 1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 CENTRAL REVENUE BUILDING
 ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1977

Ref. No LDH/C/121/77-78—Whereas I, L. P. DHIR, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One Shop No. B-7/549 (New No. B-7/499) situated at Saban Bazar Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sarvshri
 (i) Sat Pal,
 (ii) Bishan Dass,
 (iii) Amar Nath,
 (iv) Chaman Lal,
 Residents of
 Chawal Bazar Ludhiana.

sons of Shri Daulat Ram
 (Transferor)

(2) (i) Shri Jagdish Chander,
 (ii) Shri Madan Lal,
 R/o 8-4/1222, Gali Kamara Daresi Road,
 Ludhiana.
 (iii) Shri Brahma Nand, son Pt Ram Ditta Mal,
 R/o 1165, Daresi Road, Ludhiana.
 (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Shop No B-7/459 (New No B-7/499) situated at Saban Bazar, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registration deed No. 1809 of January, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

L. P. DHIR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15 Sep 1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Sarvshri
 (i) Sat Pal,
 (ii) Bishan Dass,
 (iii) Amar Nath
 (iv) Chaman Lal,
 Resident of
 Chawal Bazar Ludhiana.

sons of Shri Daulat Ram

(Transferor)

(2) Shri Maya Dass, son of Shri Karam Chand,
 Resident of B-13/1288, Kot Alamgir, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1977

Ref. No. LDH/C/122/77-78.—Whereas I, L. P. DHIR, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One Shop No B-7/549 (New No B-7/499) situated at Baban Bazaar Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Shop No 8-7/549 (New No 8-7/499) situated at Saban Bazaar, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1767 of January, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

L. P. DHIR,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 15 Sep. 1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1977

Ref. No LDH/C/123/77-78.—Whereas I, L P DHIR, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One Shop No B-7/549 (New No B-7499) situated at Saban Bazar Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such a parent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sarvshri
(i) Sat Pal,
(ii) Bishan Dass,
(iii) Amar Nath,
(iv) Chaman Lal, } sons of Shri Daulat Ram

Resident of
Chawal Bazar Ludhiana

(Transferee)

(2) (i) Shri Nand Lal,
(ii) Shri Mukand Lal,
(iii) Shri Lachhman Dass, } sons of Neta Ram,
Residents of B-7/886, Lakkar Bazar, Ludhiana.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Shop No B-7/459 (New No. B-7/499) situated at Saban Bazar, Ludhiana

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1768 of January, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

L. P. DHIR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15 Sep. 1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Munshi, s/o Shri Sadhu

(Transferor)

(2) (i) Shri Karnail, }
 (i) Shri Pala, } sons of Shri Kala Ram,
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1977

Ref. No PTA/8/76-77 —Whereas I, L. P. DHIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property as mentioned in the Registered Deed No 4819 of January, 1977 of the Registering Officer, Patiala, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Patiala in January, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property as mentioned in the Registered Deed No 4819 of January, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.

L. P. DHIR,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-9-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Tarloki Nath s/o Sh Mukand Ram
R/O Village Maulviwala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1977

No. PTR/1/76-77—Whereas I, L P DHIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 165 Kanal 11 marla, situated at Village Maulviwala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patran in January, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Sarvshri
(i) Chand Singh
(ii) Gurdial Singh
(iii) Balbir Singh
Residents of Hamcheri. } sons of Shri Inder Singh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 165 Kanal 11 marla, situated in Village Maulviwala.

(Property as mentioned in the Registration Deed No 1690 of January, 77 of the Registering Officer, Patran.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

L. P. DHIR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-9-77

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hari Singh, s/o Shri Mangal Singh,
Village Sansarwal, Tehsil Patiala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1977

Ref No PTA/6/76-77.—Whereas I, L. P. DHIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property as mentioned in the Registered Deed No 4906 of January, 1977 of the Registering Officer, Patiala, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in January, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No 4906 of January, 1977 of the Registering Officer, Patiala.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

L. P. DHIR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-9-1977.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Prof Dr. (Mrs) Saroj Prasad w/o Dr Ganga Prasad near orient club Amgola Road, Huzahaipur.
(Transferor)

(2) Smt Asha Devi W/o Sri Narayan Singh, Sri Rameshwar Singh S/o Sri Gopi Singh and Smt Shiv Kala-Devi w/o Sri Suresh Narain Singh of mohalla Amgola, opp Orient club, Muzohapur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 12th August 1977

Ref No. III-264/Acq/77-78—Whereas, I, T NATH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khata No. 634 (old) 475 (New) Khasra No. 1248 (old) 140 (New) situated at Amgola Road, Huzahaipur appertaining club (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Huzahaipur

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 1 Katha 11 dh. with double storeyed building thereon situated at Mohalla Amgola Just opp Orient club Muzahaipur, Khasra No. 634 (old), 475 (New), Khasra No. 1248 (old) 140 (New) as described in deed No 1664 Dt 14.2.77.

T. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 12-8-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD PATNA

Patna, the 1977

Ref No III-263/Acq/77-78—Whereas, J. Nath Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Khata No. 634 (old) 475 (New) Khasra No 1248 (old) 140 (New) situated at Opp Orient Club Amgda Road, Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 14.2.77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—
18—266GI 77

1. Smt Prof Dr (Mrs) Saroj Prasad, Ph. D. M.O.O.M. college, Muzaffarpur, Residential address —near Orient Club, Amgda Road, Muzaffarpur.

(Transferor)

- 2 (1) Smt. Bhainasmi Devi W/o Sri Surendra Singh
- (2) Smt Diya Pat Devi W/o Sri Ram Parichhan Singh.
- (3) Smt. Nirmala Devi W/o Sri Surya Pratap Singh
Opp Orient Club, Amgda Road, Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Opp. Orient Club, Amgda Road, Muzaffarpur.
Land area 1 k 9 dh with double storeyed building thereon situated at Mohalla Amgda just opp. Side Orient Club Muzaffarpur, Khata No. 634 (old), 475 (New), Khasra No 1248 (old), 140 (New) as described indeed No. 1664 dt. 14.2.77.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date :

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Shri Thikkavarapu Pattabhiramireddy,
S/o Shri Rami Reddy,
58-(20-B) St. Marks Road, Bangalore.

(Transferor)

- 2 1 Shri Siddareddy Narasa Reddy,
Gudipadu, Atmakur-Tq. Nellore,
2 Shri Siddareddy Ramana Reddy,
Gudipadu, Atmakur-Tq. Nellore,
3 Shri Siddareddy Krishnareddy,
S/o Shri Subbaramireddy,
Gudipadu, Atmakur-Tq. Nellore,
4 Shri Ayyagari Kota Reddy,
R/o Gudipadu, Atmakur-Tq. Nellore Dist
5 Shri Ayyagari Venkareddy,
S/o Narsa Reddy,
R/o Gudipadu, Atmakur-Tq. Nellore,
6 Shri Athivarapu Veera Reddy,
R/o Kalivelapalem, Nellore, Tq Nellore Dt.
7 Polepalli Annama,
W/o Sesha Reddy,
R/o Rarunavai, Kovur-Tq Nellore,
8 Shri Polepalli Bujamma,
W/o Shri Radhakrishnareddy,
R/o Kalivelapalem, Nellore Tq.
9 Shri Katamreddy Gopala Reddy,
S/o Shri China Ramireddy,
R/o Kalivelapalem Nellore, Tq Nellore Dist.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

4.02 Acres of dry land situated in Nellore Buz-I, Panchayat, on the Podalakur Road, Nellore, in Survey Nos 1941 and 1944, registered vide Document No. 114/77 in the Office of the Joint Sub-Registrar Nellore.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-9-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Penuballi Bhimeswarareddy,
S/o late Balaramirdy
R/o Taraka Project, Antherasanthe Post,
Heggada-Devankota,
Mysore-Dist Karnataka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Polamreddy Venkatakrishnareddy,
Contractor, No. 1380 32, Cross Road,
Karnataka St. Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE- HYDERABAD

Hyderabad, the 9th September 1977

Ref. No. RAC No. 80/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S Nos 823, 822-A, 151, 152, 171-B/1 situated at Cherlo, Vangallu, Kovur-Tq Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Buchireddyapalem on 21-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey Nos 823, total area 11.38 Acis, situated in the vicinity of Cherlo-Vangallu, Kovur-Tq. Nellore-Dist, registered vide Document No. 43/77 in the office of the Sub-Registrar Buchireddyapalem.

K S VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-9-1977.

Seal :

FORM ITNS —

(1) Sri Penuballi Bhimeswarareddy,
S/o late Balaramireddy
R/o Taraka Project, Antherasanthe Post,
Heggada-Devankota,
Mysore-Dist. Karnataka.

(Transferor)

(2) Shri Polamreddy Venkatakrishnareddy,
Contractor, No 1380 32, Cross Road,
Karnataka St Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th September 1977

Ref. No RAC No 81/77-78.—Whereas, I, K S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 822/A, 151, 152, 171-B/1 situated at Cherlo Vangallu, Kovur-Tq. Nellore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Buchireddypalem on 22-1-1977 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey Nos. 822/A, 151, 152, 171-B/1 total area of 9.24 Acrs, situated at Cherlo-Vangallu, Kovur-Tq, Nellore Dist registered vide Document No. 46/77 in the Office of the Sub-Registrar Buchireddypalem

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date . 9-9-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th September 1977

Ref No. RAC No 82/77-78 —Whereas, I, K S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 10-3-816 situated at Vijayanagar Colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on 31-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1 Smt. Yandamuri Achala Devi, W/o late Sri Yandamuri Satyanarayana Rao, Represented by G P A Y. Ramachandra Rao,

2. Y. Ramachandra Rao, H. No. 38-4-4-Vijayawada, Punnamatota,

3. Smt K Suryakumari, Represented by G.P.A Y. Ramachandra Rao,

4. Kumari Y. Vasantha Venkataramana, D/o Y Satyanarayana Rao, GPA Y Ramachandra Rao, H No. 38-4-4- at Punnamma Thota, Vijayawada.

(Transferors)

(2) Sri S Seetharamiah, H No. 10-3-816 at Vijayanagar Colony, Hyderabad.

(Transferees)

(4) Divisional Manager, Life Insurance Corporation of India, Hyderabad.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House bearing M. No 10-3-816 (36. M8) situated at Vijayanagar Colony, Hyderabad (Mallapally) registered vide Doc. No 239/77 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad, Hyderabad.

Bounded on the :
North : House No. 50/M 8
South : Road
East : House No 37/M 8
West : House No. 35/M 8

K. S VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-9-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th September 1977

Ref. No RAC. No 83/77-78.—Whereas, I, K. S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 11-5-416/3 situated at Jafar Bagh at Lakdikapul, Hyderabad, Devaragalli, 19th Division, situated at Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad, on 7-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1 (1) Miss P. Chinoy, by G. P. A. mt. N. Chenoy, W/o N. S. Chenoy, H. No. 143/1 at Cecaytire Road, Secunderabad.
2. Smt. A. B. Mistry W/o Behramji, H. No. 143/1 Cecaytire Road, Secunderabad

(Transferors)

2. Sri G. Laxminarayana, H. No. 6-2-659/4 at Chintalbasti, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All the piece of land measuring 575 Sq Yds. situated at Khairtabad, Near Hanuman Temple, Hyderabad bearing M.C.H No. 11-5-416/3 at Jafar Bagh, Lakdikapul, Hyderabad transferred through Document No. 74/77 registered in the Office of the Sub- Registrar Khairtabad, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-9-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th September 1977

Ref. No RAC No. 84/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 7-1-24/2/B situated at Begumpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on 17-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shoukat Qureshi,
By G.P.A. Smt. Rafeethunnisa Begum,
W/o late Kadir Hussain,
H No. 4-1-1236/2 at Kingh Koti,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ashok Kumar Agarwal,
H No. 6-3-864/5 at Ameerpet, Hyderabad
2. Sri Purshothamdas Bhojania,
26-R N Mukarjee Road,
Calcutta-700001.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 750 Sq Yds in S No. 190 Village Khairtabad, bearing Municipal No 7-1-24/2/B at Begumpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 81/77 in the Office of the Sub-Registrar Khairtabad, bounded on the :—

East : by property belonging to Miss Zakia Sultan,
West : by Building belonging to Mrs. Indochia,
North : by 10' wide passage,
South : by Public Road.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date 9-9-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
 SIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th September 1977

Ref. No RAC No 85/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No 3-4-616 situated at Narayanguda, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5-1-1977 for an*apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Hemalatha Reddy,
 W/o late K. L. Reddy,
 2. Venkateswar Reddy, and
 3. Sri Supriya
 D/o K. L. Reddy,
 Nos 2 and 3 being minors Represented by
 natural mother Smt. K. Hemalatha Reddy,
 H. No 3-4-616 Narayanguda, Hyderabad

(Transferors)

(2) Smt. K. Sushila
 W/o Sri Kalyan Rao,
 H. No 3-5-1023 at Narayanguda, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Front side portion of the premises bearing H No 3-4-616 admeasuring 252 Sq. yds at Narayanguda, Hyderabad, registered vide Document No 17/77 in the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad

K S VENKATARAMAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-9-1977.
 Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Bhavani Shanker S/o Sri Babaji,
H No. 15-6-242 Begum Bazar
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Bhagwat Bai, W/o Sri Tuljaram Bhagat,
H No. 15-7-134 at Begum Bazar,
Hyderabad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th September 1977

Ref No RAC No 86/77-78—Whereas, I, K. S VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 15-7-35/1 to 35/4 situated at Begumbazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 31-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No 15-7-35, 35/1 to 4 situated at Kolsawadi Road, Begum Bazar, Hyderabad, measuring 415 Sq Yds. registered vide Document No. 201/77 in the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

19—26601/77

Date 13-9-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Ghousia Begum W/o
late Mohammed Ghousie Mohiuddin,
H No. 4-1-523 at Troop Bazar,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th September 1977

Ref. No. RAC No 87/77-78—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 5-8-620 & 621 situated at Abid Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 17-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sri Mohammed Sultan S/o
late Mohammed Abdul Khader,
H. No. 5-8-620 at Abid Road,
Hyderabad.

(Transferee)

(3) Smt. P. Balamani,
H No 5-8-621 at Abid Road,
Hyderabad
(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House No 5-8-620 and 621 admeasuring 465 Sq Yds situated at Abid Road, Hyderabad, registered vide Doc No 233/77 in the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad

K. S VENKATARAMAN.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-9-1977.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th September 1977

Ref No RAC No. 88/77-78.—Whereas, I, K S VENKATARAMAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 12-2-831/2 situated at Mehdipatnam, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Kharibabad, Hyderabad on 17-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri E. V. Kishen Reddy,
H No 1-2-412/2-A at Gaganmahal,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri T K Mohammed Koya
2. Mrs P. Ummatha Kutty
W/o Mr. T. K. Mohammed Koya,
H. No. 12-1-645/7A at Asifnagar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No 12-2-831/2 situated at Mehdipatnam, Hyderabad register vide Doc No. 80/77 in the Office of the Sub-Registrar Kharibabad, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-9-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th September 1977

Ref No. RAC No 89.77-78 -- Whereas, I, K. S
VENKATARAMAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo 2-99/2 situated at Sattupalli, Khammam-Dist.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Sattupalli, on 31-1-1977for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of --

- (1) 1. Smt Vellanki Sujatha,
W/o Srinivasa Rao,
2. Mallempalli Sithamma,
W/o Venkateswar Rao,
both resident of Sathupally, Khammam-Dist
(Transferor)

- (2) M/s Sri Venkateswara Talkies,
consisting of 7 partners,
represented by Sri K Appa Rao,
R/o Sathupally, Khammam-Dist

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

1954 Sq Yds. land at Sathupally grampanchayat No.
2-99/2 with a semi permanent Cinema Hall under construction
known as M/s Venkateswara, Sathupally-Tq, Khammam-
Dist registered vide Doc No. 2172/76 Talkies, at/in the
office of the Sub-Registrar Sathupally

K. S VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely --

Date : 13-9-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr Chandrakala W/o B. & Sahey,
H No 1-2-37 at Gaganmahal,
Hyderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th September 1977

Ref No RAC No 90/77-78—Whereas, I, K S VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 6-3-852 situated at Ameerpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khairatabad, on 28-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt Noorunnisa Begum, W/o Sh G M Khan,
H No. 6-3-852, Ameerpet,
Hyderabad.

(Transferee)

(3) Shri G M. Khan,
H No. 6-3-852, Ameerpet,
Hyderabad

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that properties bearing M No 6-3-852 at Ameerpet, Hyderabad with land area of 864 Sq Mts. registered vide document No 231/77 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad, Hyderabad

K S VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-9-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269B(I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th September 1977

Ref. No. RAC No. 100/77-78—Whereas, I, K.S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 3 of 3-1-249 situated at S.D. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on January 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri C. A. Durga Challam
2. Kumari C. A. Manjula,
D/o C. R. Alunagiri Mudaliar,
H. No. 3-1-249 at Sarojini Devi Road,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri A. K. Vijaya Kumar S/o A. S. Kalyanam,
H. No. 21 at Road No. 1, West Maredpally,
Secunderabad.

(Transferee)

(3) K. T. Ibrahim,
H. No. 10-3-67, Maredpally,
Secunderabad
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3 in premises No. 3-1-249 situated at Sarojini Devi Road, Secunderabad, admeasuring 27 ft. by 12 ft. 6 in with height of 10 ft. 6 in with an area of 30.72 Sq. Mts transferred vide Doc. No. 60/77 registered in the Office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-9-77.

Seal:

FORM ITNS

(1) 1 Sri C. A. Durgachallam,
2 Kumari C. A. Manjula,
both R/o H No 3-1-249 S. D. Road,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri V. M. Vinodh Kumar S/o
Sri V. R. Masilamoney, Mudahar,
H No 1-3-168 Raja Mudaliar St. Kalasiguda,
Secunderabad.

(Transferee)

(3) Sri S. Feimandas, 74, Picket,
Secunderabad
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDRAFABAD

Hyderabad, the 14th September 1977

Ref No RAC No 101/77-78—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Shop No 5 of 3-1-249 situated at S. D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on January 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely,—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 5 in the premises bearing No 3-1-249 at SD Road, Secunderabad measuring 12' 3" x 27' height 10'6" having an area of 30.72 Sq. Mts registered vide Document No 86/77 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-9-77.

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. C. A. Durgachallam,
2. Kumari C. A. Manjula,
both R/o H No 3-1-249 at S. D. Road,
Secunderabad

(Transferor)

(2) Smt. D. Kanthammal,
H No 6991/A at Rajamudhia Street,
Secunderabad

(Transferee)

(3) V. M. Jaggaiah, 92 at S. D. Road,
Secunderabad

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th September 1977

Ref No RAC No. 102/77-78 - Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing No Shop No 2 in 3-1-249 situated at S. D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on January 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 2 in premises of 3-1-249 at S. D. Road, Secunderabad, measuring 330.75 Sq. ft measuring 27' x 12' 2" x 10' 8" registered vide Doc No 177/77 in the Office of the Sub-Registrar, Secunderabad

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date 14-9-77.

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Sri C. A. Durgachellam,
and Kumari C. A. Arunagiri Mudaliar,
both R/o H. No 3-1-249 S. D. Road,
Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri D. Kanthammal,
H. No 699/A at Raja Mudaliar, Street,
Secunderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(3) Sri V. L. Ravinder,
H No 50 at West Maredpally,
Secunderabad-500026.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No RAC No 103/77-78—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Shop No 1 in 3-1-249 situated at S. R. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on January 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 1 in the premises of H No. 3-1-249 at Sarojini Devi Road, Secunderabad, measuring 12'×2'×10'-6" area 29 68 sq. ft. registered vide Doc. No 178/77 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—266G1/77

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-9-77.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt K Lakshmi Bai W/o K Krishna Rao,
II No 20-2-305 at Hussaini Alam,
Deval Narsimha Bhan Hyderabad

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th September 1977

Ref. No RAC No 91/77-78—Whereas, I, K. S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and having Plot No 87 situated at Adarsanagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 31-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) 1 Smt Sushila Rupani,
D/o Bhagwandas,

2 Smt Bhagwandas Rupani,
D/o Chhangomel Rupani,

3 Sita Devi Rupani,
W/o Bhagwandas Rupani,
all residing at H No 12-2-419/A6-4 at Alpatinagar Mehdipatnam, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Open plot of land No 87 admeasuring 406 Sq Yds situated at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide document No 174 77 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad bounded as follows

North House on plot No 86
South 30 ft wide road
East House on plot No 89
West House on plot No 85

K S VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-9-77

Seal

FORM ITNS-----

(1) Sri N. Shankaraiah, S/o N. Rajanna,
3-5-547 at Vithalwadi, Hyderabad

(Transferor)

(2) Smt. Rameshwari, W/o Ganpatlal Bajaj,
15-8-603 at Siddiambet Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST'T COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th September 1977

Ref. No. RAC No. 92/77-78—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-306 situated at Rambagh, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 31-1-1977
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing M. No. 5-8-306 at Domakonda House (Rambagh) Hyderabad, measuring 237.64 Sq. Mts. at Ching Ali Lane, Hyderabad, registered vide Document No 258/77 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date 14-9-77.

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) Kumari Annapurna, D/o V. G S V Prasad,
9-Wallace Gardens, Madras-6

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. Shyama Sundari, W/o Dr K. P. Ranga Rao, Medak, P O Medak.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th September 1977

Ref. No. RAC No 93/77-78.—Whereas, I, K. S VENKATARAMAN, being the Competent Authority undci Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Plot No 52 S No 18/1 & 18/2 situated at Shantoshnagar, Colony, Gudimalkapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khairtabad on 10-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No 52 admeasuring 708.96 Sq. Mts (844 Sq. Yds) in S No. 18/1 and 18/2 Gaddimalkapur, Village, Hyderabad West, registered vide Doc No. 54/77 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad, bounded as follows .

North . Neighbours land.

South : Plot No 53 of Dr Kameswara Rao,

East : Plot No 59 and 60 of Sri I V K Sastry,

West : 50 main road.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date 14-9-77.

Seal .

FORM ITNS

(1) Smt Wazirunnisa Khannam W/o
Lt Col. Mirza Mimayathali Baig,
H. No 3-6-680 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

(2) Sri Khaza Azkar Ali,
H No 6-1-347 at Khairatabad, Hyderabad

(Transferee)

(3) The A P. Text Book Press,
H No 6-1-347 at Khairatabad, Hyderabad

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th September 1977

Ref No RAC No 94/77-78—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port 6-1-347 situated at Khairatabad, Hyderabad, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khantabad on 21-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that portion of House bearing M.C. No 6-1-347 ad-measuring 874 18 Sq. Mts at Khairatabad, Hyderabad, registered vide Doc. No 151/77 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad, Hyderabad, bounded as follows :

North - Neighbour's house.
East - C.I.B. Blocks
South - Vendors property
West - Partly by cement road.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date 14-9-77.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Wazirunnisa Khanum, W/o Lt Col Miza
Himayat Baig, H. No 3-6-680 Himayathnagar,
Hyderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th September 1977

Ref No RAC No 95/77-78 —Whereas, I, K S VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No

Portion of 6-1-347 situated at Kharabab, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
Kharabab on 28-1-1977

for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act of the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,
namely —

(2) Smt Fakrunnisa D/o Late Mir Ahmed Ali, H No
6-1-347 Kharabab, Hyderabad

(Transferee)

(3) The A P Text Books Press, H No 6-1-347 at
Kharabab, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter

THE SCHEDULE

Portion of H No 6-1-347 at Kharabab, Hyderabad ad-
measuring 760.52 Sq Met and registered vide Document No
229/77 in the Office of the Sub-Registrar Kharabab,
Hyderabad.

K S VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-9-1977

Seal.

FORM ITNS—

(1) Smt. Wazirunisa Khanum W/o Late Ht Col. Muza
Himayath Beg H No. 3-6-680 Dinnimutnagar,
Hyderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th September 1977

Ref. No. RAC No. 96/77-78—Whereas, I K S VENKATARAMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1st floor of 6-1-347 situated at Khairstabud, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairstabud on 4-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Khaja Yasen Ali, Deft. Manager, A.P.S.R.T.C.
Karameddy Nizamabad Dist.

(Transferee)

(3) Ravi Tutorial College, 6-1-347 at Khairstabud,
Hyderabad

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All the 1st floor portion of H No. 6-1-347 at Khairstabud, Hyderabad purchased through Doc. No. 277/77 registered in the Office of the Sub-Registrar Khairstabud

K S VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date 14-9-1977.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Syedunnisa Begum, H. No 12-2-138 Muradnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDERR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th September 1977

Ref No. RAC No 97/77-78—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 6-3-346/11 situated at Chintalbasti, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khamtabad on 31-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1 Capt Mohd Abdul Majeed Khan, Legal Representative of late Major M. Qadir Khan, H. No. 3-6-375/2 Himayatnagar, Hyderabad

2. Dr. Mohd. Habeeb Khan, H. No 6-2-950 Khamtabad, Hyderabad

(Transferee)

(3) 1 Veerabadra Rao,
2. Sri Kameswara Rao,
3. Kumari Ratnakumari,
4. Sudhkar Kumar.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house in the open land admeasuring 265 Sq. Yds. situated at Chintalbasti, bearing M No 6-2-346/11 and registered vide Doc No. 230/77 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-9-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Nand Kishore Lahoti, H. No. 15-9-49 at
Maharaj Gunj, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 7. Sitaram Bajaj, H No. 4-5-190 at Sultan Bazar,
Hyderabad.

2. Sri Narayandas Bajaj, H No. 4-5-190 Sultan
Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th September 1977

Ref No RAC No 98/77-78.—Whereas, I, K. S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-5-121 situated at Sultan Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Hyderabad on 15-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—266GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non residential premises M. No 4-5-121, consisting of ground floor and first floor and land, admeasuring 27-66 Sq. Met at Sultan Bazar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 41/77 in the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-9-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th September 1977

Ref. No. RAC. No. 99/77-78—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 3-1-349 Shop No 1, situated at S D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on January 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri C. A. Durgachallam, H No. 3-1-249 at S D. Road, Secunderabad

2. Kumari, C. A. Manjula, D/o C. R. Arunagiri Mudaliar, H No 3-1-249 at S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. A. V. Chelly, W/o A. K. Vijayakumar, H. No 21 Road, I, West Maredpally, Secunderabad.

(3) M/s Madhavi Stores, Shop No 4 at S D. Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 4 in premises bearing No. 3-1-249 situated at Satyajit Devi Road, Secunderabad measuring 27' by 12' 13" with height of 10'-6" with an area of 30.72 sq. mts. in the commercial Complex, registered vide Doc No. 176/77 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-9-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) (1) Smt Parasben, wd/wd of Shri Chhaganlal Manchand Mistri,
 (2) Shri Bhikhalal Chhaganlal Mistri,
 (3) Shri Champaklal Chhaganlal Mistri,
 Flat No. 19/12, Tulsi-shyam Flats,
 Nawa Vadej, Ahmedabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

- (2) Shah Popatla Kalidas,
 Ratan Pole, Shethni Pole, Ahmedabad

Present address :—

Bungalow No. 7,
 Shah Colony, o/s Shahpur Gate,
 Ahmedabad.

(Transferee)

Ahmedabad-380 009, the 12th September 1977

Ref No. P. R. No. Acq 23-I-1287(599)/1-1/77-78.—
 Whereas, I S. C. Parikh
 being the Competent Authority under section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C No. 111, Kajipur Kagadiwad, F.P. No. 115, Sub-Plot No. 6 situated at Bungalow No. 7 in Shah Colony, o/o Shahpur Gate, Ahmedabad
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 28-1-1977
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow No. 7 at Shah Colony, outside Shahpur Gate, Ahmedabad bearing Ward No. Kajipur Kagadiwad, Final Plot No. 115, Sub-Plot No. 6, C No. 111, admeasuring 107 sq yards as described in sale-deed vide registration No. 1452 of January, 1977

S. C. PARIKH
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date, 12th Sept. 1977

Seal :

FORM ITNS

(1) (1) Shri Maneklal Jamnadas Parekh, &

(2) Shri Manilal Jamnadas Parekh,
129, Usmanpura, Ahmedabad-13.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahemedabad-380 009, the 14th September 1977

Ref No P R. No Acq 23-I-1262 (600)/1-1/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARikh;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No 139, T.P.S No. 29, Final Plot No. 402, Paiki Sub-Plot No. 7 situated at Opp: St. Xaviers' School, Memnagar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 3-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) (1) Smt Anandiben Rajamkant Patel, &

(2) Shri Rajanikant Purshottamdas Patel,
15, Sudaishan Society Part-2,
Naranpura, Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at St. Xavier's School, Memnagar, Ahmedabad bearing Survey No 139, T.P.S. No. 29, Final Plot No. 402 paiki, Sub-Plot No. 7, admeasuring 400 40 sq yards, as described in sale deed No 23 registered with the Registering Officer at Ahmedabad in the month of January, 1977.

S. C. PARikh
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 14-9-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th September 1977

Ref No. P. R. No. Acq 23-I-1257 (601)/1-1/75-76 —
Whereas, I S. C. Parikh;
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Survey of TPS 23 No 57, 58 of Achar, Sub-Plot No. 6 & 7, Final Plot No. 452 situated at Near Electric Power Station, Sabarmati,
(and more fully described in
the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 21-1-1977
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kalidas Bhudarhai Saini,
Panch Bungalow,
Near Power House,
Sabarmati,
Ahmedabad.
- (2) D.D. & Company,
A-16, Royal Apartment, Khanpur, Ahmedabad-
380 001
Managing Partners.—
 - (1) Shri S. N. C. Damania,
Kastoobhai Blocks, Opp : "Gun-House",
Khanpur, Ahmedabad.
 - (2) Shri Sumantrai K. Desai,
"Ameet Chambers",
Opp. Dinbai Tower, Mirzapur, Ahmedabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing Survey Nos 57/58 of Achar, Sub-Plot Nos 6 & 7, Final Plot No 452 of TPS No. 23, situated at Electric Power Station, Sabarmati as described in sale deed No 496/77 registered with Registering Officer, Ahmedabad in the month of January, 1977.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 15-9-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 12th September 1977

Ref No. F 3786/76-77.—Whereas, I, K. Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Door No 53, situated at Lal Bahadur Street, Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed here-to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. No 110/77) on January 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. K. Kannammal
W/o Shri Krishnasami alias Munisami;
Smt. Araruammal
W/o Shri Ponna Krishnan
Smt. Vatsala @ Thayarammal
W/o Shri Balasubramani.
No 53 Lal Bahadur St., Pondicherry.

(2) Smt. Arogiam Delulah
W/o Shri Arogiam Adyan,
South Antoine St., Ariankuppam
Pondicherry.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Land and building situated at Door No. 53, Lal Bahadur Street, Pondicherry.

(Doc. No. 110/77—ASR, Pondicherry).

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date, 12-9-1977.

Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th September 1977

Ref No. 3787/76-77.—Whereas, I, K. Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Door No. 28, situated at Thirumudinagar First Street, Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc No 86/77) on January 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jayakumar; and
Shri Muthuswaminathan
S/o Shri Thangavelu Mudaliar,
No 28, Thirumudi Nagar First Street,
Pondicherry

(2) Smt Sami Gandhimathi
W/o Shri Sami Palanisami
No 83, Radhakrishna St,
Kamaraj Nagar,
Pondicherry.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land & building situated at Door No. 28, Thirumudi Nagar First Street, Pondicherry (Doc. No. 86/77-JSR Pondicherry).

K PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-6.

Date : 12-9-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 12th September 1977

Ref. No. 419/76-77—Whereas, I, K. Ponnan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing S Nos 304/1, 304/3, 304/4, 301/1, 303/3, 307/1 and 306 Marchanickenpalayam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Doc No. 22/77) on 12-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri K. Rathnasababathy
(Represented by guardian, father & Curator—
Shri S. P. Kandasami);
- 2. Shri K. Senapathy; and
- 3. Shri S. P. Kandasami
Subbaygoundenpudur,
Marchanickenpalayam village,
Pollachi.
- (2) Shri R. Rajaram; and
Shri Govindaraj (Minor)
(Minor represented by mother & guardian
Smt R. Savitri)
Erisanampatty, Udumalpet Taluk.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 23.51 Acres in Marchanickenpalayam village, Pollachi. Survey No	Extent. A. C.
304/1	3 79
304/3	0 12
304/4	1 25
301/1	1 01
303/3	6 28
307/7	5 67
306	5 39
	23 51

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-6.

Date : 12-9-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) 1 Shri K. L. Thulasi;
 2 Shri C. K. Rajagopal and
 3 Shri C. R. Rajendran
 No 54 East Abhiramapuram Madras-4.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 15th September 1977

Rcf No F 5247/76-77 —Whereas, I, K Ponnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 54, East Abhiramapuram situated at Madras-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mylapore, Madras (Doc No. 67/77) on 31-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) 1. Miss Sujatha Menon, and
 2 Shri Gopinath Menon,
 No 60 Second Main Road,
 R A Puram,
 Madras-28.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 Group and 1998 Sq. ft (with building) situated at No 54 East Abhiramapuram, Madras-4 (R.S. No. 3581 Part)

K. PONNAN
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II
 Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 22—266GI/77

Date : 15-9-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. S. K. Hawa Beevi,
W/o. K. N. K. Mohamed Ebrahim,
63-A, Coral Merchant Street,
Madras -1.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri E. A. Mohideen Pitchai,
6, Davidson Street,
Madras-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 15th September 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref No 2/JAN/77—Whereas, I, G RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 63A, situated at Coral Merchant Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J S R II, Madras (Doc No 143/77) on 19-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms 'and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Land measuring 1,413 sq. ft. with building thereon at door No 63-A (R.S. No 2999/1), Coral Merchant Street, Madras-1.

G RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 15-9-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th September 1977

Ref No 6/JAN/77—Whereas, I G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 85 & 86, situated at Ramasami Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No 80/1977) on 12-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. M/s S G. Ranganatha Naidu,
2 M/s. R Janarthanan, S/o S G. Ranganatha Naidu.

3 M/s R. Sridhar (minor) by father & Guardian
S No. 1, No 5, Srinivasa Iyer Street, Madras-1.

(Transferees)

(2) 1. T. H. Noorjahan,

2 T. H. Ayisha Siddiqua,

3 T. H. Fathima Joharan,
No. 7, Fourth St Kamraj Nagar,
Tallakulam, Madurai-2.

4 T. H. Jennathul Firthawas,
85/86, Ramasami Street, Madras-1.

(Transferees)

(3) M/s. 1. Hajharan

2 P. Nallachakilavarthi Chettiar

3 Shahul Hameed

4. T G. Lokanathan

5. Srinivasan

6. Rakash Sablok

7. Abdul Azeez

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2,567 sq. ft. with building thereon at door Nos 85 & 86 (R. S No 2969/1), Ramaswami Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 15-9-1977

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th September 1977

Ref. No. 7/JAN/77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 1/3, situated at Rutherford Road, Vepery, Madras-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Madras (Doc No. 190/77) on 27-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Mrs. S. Rukmani (alias) Mis. S R Mani &
 2. Shri P V S Mani,
 No. 14-B (Formerly 14-C), Sait Colony, I St., Egmore, Madras-8.
 3. Paraag Chemical Agencies (P) Ltd., No 163, Lloyds Road, Madras.

(Transferor)

- (2) Shri V. Habeebur Rahman Sahib,
 No. 1 Vavoor Hajee Madar Sahib Street,
 Ambur North Arcot district.

(Transferee)

- 3. Paraag Chemical Agencies (P) Ltd.,
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 2½ grounds in door No 1/3 (R.S. No 665/1), Rutherford Road, Vepery, Madras with building.

G. RAMANATHAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I
 Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 15-9-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th September 1977

Ref No 8/JAN/77—Whereas, I, G RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/228, situated at Thambu Chetty Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc No. 180/77) on 25-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kani M S M Abdul Khader,
No 121, Magdoom Street,
Kayalpattinam, Tirunelveli Dt

(Transferee)

(2) Shri P Mangalchand Bafna,
234, Thambu Chetty Street,
Madras-1.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2,286 sq. ft with building thereon at door No 2/228, (R.S. No 3329/2), Thambu Chetty Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-6

Date 15-9-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri V. Nammalvar,
10/257, Bodinayakkanur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. Balaramalingam,
11/10, Bodinayakanur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-6.

Madras-6, the 15th September 1977

Ref. No 18/JAN 77.—Whereas, J. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 63, situated at Kamraj Bazaar, Bodi, Madurai district (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bodinayakanur (Doc. No. 76/1977) on 24-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8½ cents with building thereon at door No. 63 (Survey No. 3805), Kamraj Bazaar, Bodinayakanur, Madurai Dt.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-9-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s 1 Kandasamy Goundar,
2 K Chennimalai,
3 K Kailasam
Mallamooppampatti village,
Salem

(Transferee)

(2) Shri K Kolanda Sevi,
S/o. Kali Sevi,
"Munivar Vaidyasalai",
Solampallam, Salem

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th September 1977

Rct. No 21/IAN/77—Whereas, I, G RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 36/2 & 36/5, situated at Mallamooppampatti village, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc o 28/77) on 11-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land measuring 4 acres and 36 $\frac{1}{2}$ cents in survey Nos 36/2 (4.33 acres) and 36/5 (3 $\frac{1}{2}$ cents) at Mallamooppampatti village (with 1/3rd share in 2 wells, 2 electric motor pumpsets and other electrical fittings)

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-9-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri P. Vaiyapuri,
No. 60, Suiampatti Road,
Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th September 1977

Ref. No. 22/JAN/77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. No. 33/A1, situated at Suripalayam Street, Tiruchengode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengode (Doc No 104/77) on January, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M/s 1 Kandasamy
2 Shanmugam
3 Gnanasekaran,

(Transferee)

sons of Muthusami Mudaliar,
Suriyampalayam, Tiruchhongode.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3080 sq ft with building thereon at door No. 33/A1 (Survey No. 45/4). Surivampalayam Street No. 7, Tiruchengode.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 15-9-1977
Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th September 1977

Ref No 23/JAN/77—Whereas, I, G RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing

No 50/15 situated at SVA Extension Street No. 2, Tiruchengode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Tiruchengode (Doc No 91/77) on 29-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s.

1 T. K. Jagannathan,
2 T. K. Radhakrishnan,
3 K. Narayanan,

(Transferor)

4 K. Rajalingam,
5 K. Ganesan,
6 Mrs. Saraswathi,
7 Mrs. K. Balasaraswathi,
8 J. Paramesvaran,
9 Thyagarajan,
minors by father & guardian
Shri T. K. Radhakrishnan
10 Veluman
11 Bslamurugan
minors by father & guardian
Shri T. K. Jagannathan,
12 Srinivasan
13. Saravanan,
minor by father & guardian
Shri K. Ganesan

(2) Smt P. Rathinam,
W/o A. Periasamy,
No 8, Chinnakinathu Street,
Tiruchengode, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3,600 sq. ft. with building thereon at survey No 50/15, SVA Extension 2nd Street, Tiruchengode, Salem district

G. RAMANATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date 15-9-1977
Seal.

FORM ITNS

(1) Shri A. Gopala Goundar,
Thokkampatti, Dharmapuri taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri R. Jagannathan,
Seven Hills,
9/75, Railway Station Extension,
Dharmapuri.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 15th September 1977

Ref. No 38/JAN/77—Whereas, I, G RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 79/1A, 80/1B, 81/18 situated at 113/3B Thokkampatti village, Dharmapuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharmapuri North (Doc No 29/77) on 19-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5 acres and 61 cents in survey Nos 79/1A (2.97 acres), 80/1B (0.47 acres), 81/1B (0.62 acres) and 113/38 (1.55 acres) at Thokkampatti village, Dharmapuri taluk

G RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 15-9-1977.

Seal

FORM ITNS

(1) Smt P. L. Umayal Achi,
W/o Muthuvallappa Chettiar,
Puduvayal, Tirupathu taluk

(Transferor)

(2) Smt. P. L. Valliammai Achi,
W/o R. M. Palaniappa Chettiar,
No. 23, Sellur First New Street,
Madurai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th September 1977

Ref. No 42/JAN/77.—Whereas, I, G RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 23 (T.S. 1514 & 1516) situated at Sellur New Street First Lane, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thallakulam (Doc No 41/77) on January 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at T.S Nos 1514 and 1516 (Door No. 23), Sellur First New Street, Madurai

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 15-9-1977
Seal

FORM ITNS—

(1) M/s D S Nagarajan &
D S Nanjarajan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. S. Govindasami,
D C Chinnasamy.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Madras-6, the 15th September 1977

Ref No. 45/JAN/77—Whereas, I, G RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 317 situated at Virupakshipuram village, Dharmapuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharmapuri (Doc No 75/77) on 24-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 3 acres and 82 cents in survey No. 317 Virupakshipuram village, Dharmapuri district.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date: 15-9-1977.
Seal: